मेट्रो Rays
आगे रखने का वादा
सांध्य दैनिक
रांची, शनिवार, 21 फरवरी 2026
संवत 2082, फाल्गुन शुक्ल 4 मूल्य-3 रुपये
वर्ष-9, अंक 161 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 ▶▶ पहरियाणा में एचआईवी: पहचान मजबूत, रोकथाम अभी अधूरी

किरदार अवनी से मिली नई ताकत: शनाया कपूर ◀◀ 6

झारखंड विधानसभा बजट सत्र: राज्य में हाथियों से हो रही मौत पर जताई गयी चिंता

सरकार जल्द बनाएगी एलिफेंट रेस्क्यू सेंटर : सुदीव्य

मेट्रो रेज संवाददाता

रांची : राज्य में हाथियों से हो रही मौत पर आज विधान सभा में चिंता जतायी गयी। सदन में आज इस मामले को लोहरदग्गा से कांग्रेस विधायक रामेश्वर उरांव और जग्नानथपुर से विधायक सोनाराम सिंकू ने उठाया था। रामेश्वर उरांव ने एक के बाद एक पांच पूरक सवाल पूछे। पहला सवाल यह था कि हाथियों की मौत पर सरकार को एक नीति बनानी चाहिए। दूसरा यह कि क्या सरकार हाथियों से होने वाली मौत पर परिजनों को दी जाने वाली मुआवजा राशि में बढोत्तरी करेगी। उन्होंने कहा कि उड़ीसा में दस लाख मुआवजा मिलता है। फिर उन्होंने पूछा कि क्या सरकार हाथियों के लिए एलिफेंट रस्क्यू सेंटर बनायेगी। रामेश्वर उरांव ने जानना चाहा था कि क्या ऐसी मौत पर सरकार क्यूआरटी यानी क्विक रेस्केयू टीम बनाने की इच्छा रखती है। साथ ही रामेश्वर उरांव ने घायल हाथियों के लिए मोबाईल वेटनरी क्लिनिक बनाना चाहती है या नहीं यह भी जानना चाहा था।

रामेश्वर उरांव और सोनाराम सिंकू के सवाल पर प्रभारी मंत्री सुदीव्य कुमार सोनू ने विस्तार से जवाब दिया। उन्होंने अपने जवाब में कहा कि मौत किसी की हो सरकार उससे चिंतित होती है। उन्होंने कहा कि किसी की मौत की भरपाई किसी राशि से नहीं हो सकती बावजूद इसके वह चाहते हैं कि हाथियों से मौत होने पर जल्द से जल्द प्रभावित को मुआवजा मिले। सुदीव्य कुमार सोनू ने कहा कि सरकार इस मुद्दे पर जल्द ही एक एसओपी बना रही है जिसमें हाथियों से होने वाली मौत पर अब नियमों को शिथिल करके दस दिनों के भीतर मुआवजा मिलेगा। सुदीव्य कुमार सोनू ने कहा कि इस विषय पर सरकार पूरी तरह से चिंतित है और जल्द ही एलिफेंट रेस्क्यू सेंटर बनायेगी। सुदीव्य कुमार सोनू ने कहा कि सरकार जल्द ही हाथियों पर काबू पाने के लिए तमिलनाडु से कुकी हाथियों को लाने पर विचार कर रही है जो गांव में मंडरा रहे हाथियों को जंगल की ओर ले जायेगी। बाद में इस संबंध का एक जवाब राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने भी दिया। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार इस मुद्दे पर गंभीरता से विचार कर रही है।

बजट सत्र में साइबर अपराध, अफीम खेती और जेल सुरक्षा पर घिरी सरकार

रांची: झारखंड विधानसभा के बजट सत्र के दौरान विधायक हेमलाल मुर्मू ने राज्य में बढ़ते साइबर अपराध, अवैध अफीम की खेती और जेल से कैदियों के फरार होने जैसे गंभीर मुद्दों को सदन में जोरदार ढंग से उठाया। उन्होंने उपलब्ध आंकड़ों के आधार पर सरकार से जवाब तलब करते हुए कानून-व्यवस्था की स्थिति पर सवाल खड़े किए।

✔ **साइबर अपराध पर सरकार से जवाब-तलब:**
हेमलाल मुर्मू ने कहा कि वर्ष 2024 में राज्य में साइबर अपराध के 1458 मामले दर्ज हुए, जिनमें 919 गिरफ्तारियां की गईं। हालांकि, इतने बड़े पैमाने पर कार्रवाई के बावजूद एक भी मामले में दोष सिद्ध नहीं हो सका, जबकि तीन आरोपी दोषमुक्त हो गए।
वहीं वर्ष 2025 में 1413 मामले दर्ज हुए और 1268 गिरफ्तारियां की गईं। इनमें से 36 आरोपी दोषी पाए गए, जबकि 387 आरोपियों को दोषमुक्त कर दिया गया।
उन्होंने सवाल उठाया कि जब बड़ी संख्या में गिरफ्तारियां हो रही हैं तो दोष सिद्धि दर इतनी कम क्यों है? क्या जांच प्रक्रिया में तकनीकी खामियां हैं, साक्ष्य संग्रहण में कमी है या अभियोजन पक्ष की तैयारी कमजोर है?
मुर्मू ने कहा कि साइबर अपराध तकनीकी रूप से जटिल होते हैं, ऐसे में पुलिस और जांच एजेंसियों को आधुनिक तकनीक, डिजिटल फॉरेंसिक लैब और विशेषज्ञों की आवश्यकता है। उन्होंने सरकार से पूछा कि कितने मामलों में डिजिटल साक्ष्य समय पर एकत्र किए गए?,कितने पुलिस अधिकारियों को साइबर अपराध की विशेष ट्रेनिंग दी गई?,राज्य में कितनी साइबर थाने और फॉरेंसिक सुविधाएं कार्यरत हैं?

✔ **अफीम की अवैध खेती पर चिंता:**
विधायक ने राज्य के विभिन्न इलाकों में अफीम की अवैध खेती का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा कि पुलिस द्वारा समय-समय पर फसल नष्ट करने की कार्रवाई की जाती है, लेकिन इसके बावजूद यह धंधा जारी है। उन्होंने मांग की कि केवल फसल नष्ट करने के बजाय इसके पीछे सक्रिय नेटवर्क और तस्करों पर कठोर कार्रवाई की जाए।

✔ **जेल सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल:**
जेल से कैदियों के फरार होने की घटनाओं को लेकर भी उन्होंने सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि यह सीधे तौर पर जेल प्रशासन और सुरक्षा व्यवस्था की कमजोरी को दर्शाता है।
उन्होंने पूछा कि:

✔ **फरार कैदियों की पुन:**
गिरफ्तारी के लिए क्या कदम उठाए गए?
जेलों में सुरक्षा ऑडिट कब हुआ था?
सीसीटीवी, सुरक्षाकर्मी और निगरानी व्यवस्था की वर्तमान स्थिति क्या है?
सरकार से ठोस कार्रवाई की मांग

✔ **हेमलाल मुर्मू ने कहा कि राज्य में कानून**
व्यवस्था को मजबूत करने के लिए केवल आंकड़े पेश करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि दोष सिद्धि दर बढ़ाने, जांच प्रक्रिया को पारदर्शी और तकनीकी रूप से सक्षम बनाने तथा जेल और मादक पदार्थ नियंत्रण तंत्र को सुदृढ़ करने की आवश्यकता है।
उन्होंने सरकार से इन मामलों पर विस्तृत श्वेत पत्र लाने और सदन को स्थिति की वास्तविक जानकारी देने की मांग की।
सदन में उठाए गए इन मुद्दों के बाद राजनीतिक हलकों में चर्चा तेज हो गई है और अब सरकार के जवाब का इंतजार किया जा रहा है।

हाईवे पर बस और वैन के बीच जोरदार टक्कर, पांच की मौत, सात गंभीर

एजेंसी

भिंड: मध्यप्रदेश के भिंड-ग्वालियर राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 719 पर बस और वैन की आमने-सामने की भीषण भिड़ंत में पांच लोगों की मौत हो गई, वहीं 7 अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हैं, जिन्हें ग्वालियर रेफर किया गया है। शुक्रवार और शनिवार की दरमियानी रात लगभग तीन बजे हुई ये टक्कर इतनी भीषण थी कि वैन पूरी तरह पिचक गई। उसमें सवार लोग अंदर ही फंस गए। हादसा गोहद चौराहा थाना अंतर्गत छींमका गांव के पास हुआ।

गोहद चौराहा थाना प्रभारी मनीष धाकड़ के अनुसार, ईको वैन ग्वालियर से सवारियों को लेकर भिंड की ओर आ रहा था, जबकि बस ग्वालियर की ओर जा रही थी। अभी दो मृतकों की पहचान हुई है। दोनों भिंड जिले के है। इनके नाम अतुल शिवहरे निवासी फूप और जगदीश भदौरिया निवासी स्योड़ा गांव अकोड़ा है। बाकी के शिनाख्ती के प्रयास किए जा रहे हैं। पुलिस परिजन का पता लगाने के लिए दस्तावेजों और वाहन नंबर के आधार पर जांच कर रही है।

बताया जा रहा है कि जिस जगह हादसा हुआ, वहां अंधा मोड़ है। दोनों वाहनों के तेज रफ्तार में होने की आशंका जताई जा रही है। हादसे की जांच जारी है। दोनों वाहनों को सड़क से हटाकर यातायात बहाल कर दिया गया है।

एमपी के जंगल में दिखा अद्भुत नजारा, शिवलिंग पर सिर रगड़ता नजर आया बाघ,वीडियो वायरल

एजेंसी

कटनी: क्या आपने कभी किसी खूंखार जंगली जानवर को भगवान की भक्ति करते देखा है? अगर नहीं, तो मध्य प्रदेश के कटनी जिले से सामने आया एक हैरान कर देने वाला वीडियो आपको अचरज में डाल देगा। ढीमरखेड़ा तहसील के अंतर्गत आने वाले सडार के जंगलों में एक बाघ को भगवान भोलेनाथ के शिवलिंग पर अपना सिर रगड़ते हुए देखा गया है। ऐसा प्रतीत हो रहा है मानो वह महादेव से कुछ मांग रहा हो या उनके समक्ष नतमस्तक हो रहा हो। वन्यजीव और आस्था के इस अनोखे संगम का यह वीडियो अब सोशल मीडिया पर काफी तेजी से वायरल हो रहा है।

बड़े ही शांत स्वभाव से शिवलिंग के पास पहुंचा बाघ: स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार, यह दुर्लभ और अद्भुत नजारा बीते बुधवार की देर शाम का बताया जा रहा है। सडार ग्राम के समीप स्थित इस घने जंगल में महादेव का एक प्राचीन शिवलिंग स्थापित है। वायरल हो रहे इस वीडियो में साफ तौर पर देखा जा सकता है कि जंगल का राजा माने जाने वाला बाघ बड़े ही शांत स्वभाव से शिवलिंग के पास पहुंचता है। इसके बाद वह काफी देर तक शिवलिंग पर अपना सिर और जीभ रगड़ता रहता है। यह दृश्य देखकर हर कोई हैरान है।

भक्ति या विज्ञान, क्या कहते हैं वन अधिकारी: सडार और उसके आसपास के ग्रामीण इलाकों में बाघों और अन्य जंगली जानवरों की मौजूदगी कोई नई बात नहीं है। वन विभाग के अधिकारियों और स्थानीय लोगों के मुताबिक, इस पूरे क्षेत्र में वन्यप्राणियों का मूवमेंट अक्सर बना रहता है। हालांकि, इंसानी बस्तियों के इतने करीब आकर एक बाघ का इस तरह का शांत व्यवहार पूरे इलाके में चर्चा का विषय बन गया है। जहां आम लोग और श्रद्धालु इसे चमत्कार और बाघ की शिवभक्ति से जोड़कर देख रहे हैं, वहीं वन अधिकारियों का वैज्ञानिक दृष्टिकोण इसके उलट है। अधिकारियों का मानना है कि बाघ और अन्य जंगली जानवर अक्सर अपने इलाके की पहचान के लिए गंध छोड़ने या शरीर की खुजली मिटाने के लिए पत्थरों या ठोस वस्तुओं पर अपना सिर और शरीर रगड़ते हैं।

इलाके में दहशत का माहौल, वन विभाग ने जारी किया अलर्ट

: इस घटना के बाद जहां एक ओर लोग इस वीडियो को चमत्कार मानकर लगातार शेयर कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर सडार और आसपास के ग्रामीण इलाकों में दहशत का माहौल भी व्याप्त हो गया है। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए पान उमरिया रेंज के अधिकारी अजय मिश्रा ने बताया कि यह घटना सडार गांव से महज 400 मीटर की दूरी पर हुई है। वन विभाग की गश्ती टीम निरंतर बाघ के मूवमेंट पर नजर बनाए हुए है। इसके साथ ही सुरक्षा की दृष्टि से ग्रामीणों को जंगल की तरफ बिल्कुल ना जाने और पूरी तरह से सतर्क व सावधान रहने की सख्त हिदायत दी गई है।

बांग्लादेश ने दो महीने के बाद दिल्ली में बहाल की वीजा सर्विस
तनाव के चलते रोक दी थी सेवाएं

एजेंसी/ ढाका: भारत-बांग्लादेश रिश्तों में नरमी की शुरूआत होती दिख रही है। बांग्लादेश हाई कमीशन ने शुक्रवार को दिल्ली में भारतीय नागरिकों के लिए वीजा सेवाएं फिर से शुरू कर दीं। यह फैसला बांग्लादेश के नए प्रधानमंत्री तारिक रहमान के पद संभालने के तीन दिन बाद आया है। दोनों देशों के बीच दिसंबर में तनाव बढ़ने के बाद वीजा और काउंसलर सेवाएं रोक दी गई थीं। अब इसे रिश्तों में सुधार की दिशा में पहला कदम माना जा रहा है। एक रिपोर्ट के मुताबिक सभी कैटेगरी की वीजा सेवाएं भारतीयों के लिए बहाल कर दी गई हैं। इससे एक दिन पहले भारत के एक वरिष्ठ काउंसलर अधिकारी ने भी कहा था कि नई दिल्ली जल्द ही बांग्लादेश में सभी वीजा सेवाएं बहाल करेगी।

जेएमएम नेता सह पूर्व जिप अध्यक्ष राकेश महतो की हत्या
खांखी जंगल में मिली अधजली लाश, दोषियों की तलाश में जुटी पुलिस

मेट्रो रेज संवाददाता

गिरिडीह: जिले से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। जिला परिषद के पूर्व अध्यक्ष राकेश महतो की हत्या कर दी गई है। उनका अधजला शव जंगल से बरामद हुआ है। घटना के बाद इलाके में शोक और आक्रोश का माहौल है।

पेड़ों के पत्तों से शव को जलाया : पूर्व जिला परिषद अध्यक्ष राकेश महतो का अधजला शव निमियाघाट थाना क्षेत्र के खांखी जंगल में मिला है। बताया जा रहा है कि हत्या से पहले उनके साथ मारपीट की गई थी। हत्या के बाद शव को पेड़ों के पत्तों से जलाने की भी कोशिश की गई। घटना की सूचना मिलते ही डुमरी के एसडीपीओ सुमित कुमार पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और जांच शुरू कर दी। निमियाघाट और डुमरी थाना पुलिस भी मामले की छानबीन में जुटी है। डुमरी क्षेत्र के एक बड़े और लोकप्रिय राजनीतिक नेता थे राकेश महतो: राकेश महतो डुमरी क्षेत्र के एक बड़े और लोकप्रिय राजनीतिक नेता थे। वे वर्ष 2016 में जिला परिषद अध्यक्ष बने थे। उनकी हत्या की खबर से पूरे क्षेत्र में मातम और गुस्सा देखा जा रहा है। झारखंड मुक्ति मोर्चा के जिलाध्यक्ष ने घटना पर नाराजगी जताते हुए पुलिस से जल्द कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने कहा कि राकेश महतो पार्टी के सक्रिय नेता थे और जनता के बीच काफी लोकप्रिय थे।

इधर, जिले के एसपी डॉ बिमल कुमार ने एसडीपीओ को मामले की तेजी से जांच कर दोषियों की जल्द गिरफ्तारी के निर्देश दिए हैं। पुलिस का कहना है कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है और जल्द ही सच्चाई सामने लाई जाएगी।

अज्ञात वाहन ने बाइक में मारी टक्कर, महिला की मौत

भाई के तिलक समारोह से परिवार के साथ घर लौट रही थी महिला

बोकारो : जिले के सेक्टर 12 थाना क्षेत्र के उकरीद मोड़ लकड़ी गोला के पास एक दर्दनाक सड़क हादसे में 30 वर्षीय पुष्पा देवी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनके पति गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस सूत्रों ने बताया कि यह हादसा उस समय हुआ जब पुष्पा देवी अपने पति और दो छोटे बच्चों के साथ मायके से भाई के तिलक समारोह में शामिल होकर सेक्टर-3 स्थित अपने घर लौट रही थीं। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि तेज रफ्तार किराना सामान से लदी एक गाड़ी ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि पुष्पा देवी ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। उनके पति को गंभीर चोटें आई हैं और उन्हें तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया। हादसे के समय दोनों बच्चे- एक लड़का और एक लड़की-सौभाग्यवश सुरक्षित बच गए।
घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर अन्तपरीक्षण के लिए चास अनुमंडलीय अस्पताल भेजकर मामले की जांच कर रही है। हादसे के बाद मृतका के परिजन आक्रोशित हो उठे और मुआवजे की मांग को लेकर सड़क जाम कर दिया। सड़क जाम होने से आसपास के इलाके में लंबा ट्रैफिक जाम लग गया और राहगीरों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। पुलिस अधिकारियों ने परिजनों को समझाने का प्रयास किया और उचित कार्रवाई तथा मुआवजे का आश्वासन दिया।

देश में बड़े आतंकी हमले का हाई अलर्ट
लाल किला और प्रसिद्ध मंदिर लश्कर के निशाने पर, खुफिया एजेंसियों ने दी चेतावनी

एजेंसी

नई दिल्ली : भारत को एक बार फिर दहलाने के लिए सरहद पार से नापाक साजिशें रची जा रही हैं। देश की राजधानी समेत कई प्रमुख धार्मिक नगरियों को लेकर सुरक्षा एजेंसियों ने एक बेहद गंभीर अलर्ट जारी किया है। खुफिया विभागों को मिले पुख्ता इनपुट्स इशारा कर रहे हैं कि पाकिस्तानी आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा खून-खराबे की एक बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में है। इस बार आतंकियों के सीधे निशाने पर देश की ऐतिहासिक धरोहरों के साथ-साथ हिंदुओं के प्रमुख आस्था केंद्र हैं, ताकि देश का माहौल बिगाड़ा जा सके।

ऐतिहासिक इमारतों और धार्मिक स्थलों पर मंडरा रहा खतरा: खुफिया रिपोर्ट के मुताबिक, इस आतंकी संगठन का मुख्य उद्देश्य भीड़भाड़ वाले इलाकों और पवित्र धार्मिक स्थलों को निशाना बनाकर देश के सांप्रदायिक सौहार्द को गहरी चोट पहुंचाना है। आतंकवादी दिल्ली के ऐतिहासिक लाल किले के आसपास के क्षेत्रों और घनी आबादी वाले चांदनी चौक इलाके में मौजूद मंदिरों को इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस के जरिए निशाना बनाने की कोशिश कर सकते हैं। राजधानी के अलावा उत्तर प्रदेश के अयोध्या, वाराणसी और मथुरा जैसे शहरों के प्रसिद्ध और प्राचीन मंदिर भी आतंकियों के हिट लिस्ट में शामिल बताए जा रहे हैं, जिसके बाद इन सभी जगहों की सुरक्षा चाक-चौबंद कर दी गई है।

इस्लामाबाद ब्लास्ट का बदला लेने की साजिश: अलर्ट में इस बात का भी सनसनीखेज खुलासा हुआ है कि भारत में दहशत फैलाने की यह साजिश असल में बदले की आग का नतीजा है। बताया जा रहा है कि बीते 6 फरवरी को पाकिस्तान के इस्लामाबाद स्थित एक मस्जिद में हुए जोरदार धमाके के बाद से ही लश्कर के ऑपरेटिव पूरी तरह से बौखलाए हुए हैं। इसी घटना का बदला लेने के लिए वे भारत के किसी बड़े और संवेदनशील हिस्से में बड़ा आतंकवादी हमला करने की योजना बना रहे हैं, ताकि आम जनता के बीच खौफ का माहौल पैदा किया जा सके।

दिल्ली पुलिस और केंद्रीय एजेंसियों ने कसा सुरक्षा का शिकंजा: इस बेहद संवेदनशील इनपुट के मिलने के तुरंत बाद देश की तमाम सुरक्षा एजेंसियां हाई अलर्ट पर आ गई हैं। दिल्ली पुलिस और केंद्रीय सुरक्षा बलों ने राजधानी के संवेदनशील इलाकों, खासकर पुरानी दिल्ली में अपनी चौकसी और गश्त कई गुना बढ़ा दी है। लाल किले के आसपास के क्षेत्रों के साथ-साथ सभी प्रमुख धार्मिक जगहों और टूरिस्ट हब पर अतिरिक्त जवानों को तैनात किया गया है। किसी भी तरह की संदिग्ध गतिविधि को रोकने के लिए वाहनों की सघन चेकिंग का अभियान तेज कर दिया गया है और एंटी-सैबोटेज (तोड़फोड़ विरोधी) जांच भी लगातार की जा रही है, ताकि आतंकियों के हर मंसूबे को समय रहते नाकाम किया जा सके।

ट्रम्प ने सभी देशों पर लगाया 10 प्रतिशत नया टैरिफ

इससे 3 घंटे पहले सुप्रीम कोर्ट ने पिछला आदेश रद्द किया, इससे भारत का 18 प्रतिशत टैरिफ खत्म

एजेंसी

वाशिंगटन: अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने उच्चतम न्यायालय द्वारा उनके व्यापक टैरिफ कार्यक्रम के बड़े हिस्से को खारिज किए जाने के बाद जवाबी कार्रवाई करते हुए एक नया आदेश जारी किया है, जिसके तहत दुनिया भर से होने वाले आयात पर 10 प्रतिशत वैश्विक शुल्क लगाया जाएगा। उन्होंने कहा कि इसके साथ ही समायोजन प्रक्रिया शुरू हो गई है। अमरीका के उच्चतम न्यायालय ने श्री ट्रंप के पहले के व्यापक टैरिफ कार्यक्रम को यह कहते हुए निरस्त कर दिया था कि अंतरराष्ट्रीय आपातकालीन आर्थिक शक्तियां अधिनियम (आईईईपीए) राष्ट्रपति को ऐसे व्यापक आयात शुल्क लगाने का अधिकार नहीं देता और यह अधिकार कांग्रेस के पास है। नए टैरिफ व्यापार अधिनियम, 1974 की धारा 122 के तहत लगाए गए हैं और यह लगभग तुरंत प्रभावी होंगे। ये अधिकतम 150 दिनों तक लागू रहेंगे। यह कदम श्री ट्रंप के संरक्षणवादी व्यापार एजेंडे का हिस्सा बताया जा रहा है, जिसका उद्देश्य भुगतान संतुलन घाटे और कथित अनुचित व्यापार प्रथाओं से निपटना है। न्यायाधीशों को आनी चाहिए शर्म: श्री ट्रंप ने उच्चतम न्यायालय के फैसले को बेहद निराशाजनक करार देते हुए कहा कि उनके पहले के टैरिफ के खिलाफ मतदान करने वाले न्यायाधीशों को शर्म आनी चाहिए। छह-तीन के बहुमत वाले इस फैसले से आईईईपीए के तहत पहले लगाये गये अरबों डॉलर के टैरिफ अमान्य हो गये हैं, जिससे सरकार को 130 अरब से 175 अरब डॉलर तक की राशि वापस करनी पड़ सकती है। उन्होंने कहा कि धारा 122 के तहत 10 प्रतिशत शुल्क समायोजन प्रक्रिया की शुरूआत है और अदालत द्वारा रद्द किये गये टैरिफ के स्थान पर वैकल्पिक उपायों का इस्तेमाल किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े टैरिफ (धारा 232) और व्यापार उपचार उपाय (धारा 301) पहले की तरह लागू रहेंगे।

विधानसभा में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा

झारखंड के विकास मॉडल को दूसरे राज्य अपना रहे हैं

संवाददाता

रांची : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा है कि राज्य सरकार के कार्य कागजों पर नहीं, बल्कि धरातल पर दिख रहे हैं। पहले हम दूसरे राज्यों के कार्यों को सराहते हुए उन्हें अपने राज्य में अपनाते थे। अब दिन पलट गये हैं। झारखंड के डेवलपमेंट का मॉडल दूसरे राज्य अपना रहे हैं। यह छोटी बात नहीं है। कहावत है कि पेड़ लगायेंगे बबूल का, तो आम कहां से फलेगा। लेकिन विपक्ष द्वारा राज्य में लगाये गये बबूल के पेड़ों को हटा कर हमने आम के वृक्ष लगाये। अब उसका लाभ राज्य के हर व्यक्ति को मिल रहा है। वह सदन में राज्यपाल के अभिभाषण पर हुई चर्चा के बाद सदन में बोल रहे थे।

झारखंड में बनेगा अंगदान कानूनः मौके पर उन्होंने झारखंड सरकार द्वारा अंगदान पर कानून बनाने की घोषणा की। श्री सोरेन ने कहा कि दुर्घटना में ब्रेनडेड हो गयी 10 महीने की बच्ची आलिन शेरिन अब्राहम का अंगदान उसके परिवार ने किया। उसकी माता शेरिन अब्राहम और पिता अरुण अब्राहम ने अपने जिगर के टुकड़े को देश के लिए समर्पित कर दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार झारखंड में अंगदान को लेकर कानून बनायेगी और इसका लाभ आम लोगों तक पहुंचाने के लिए काम करेगी।

सरकार की उपलब्धियों को मानने लगा है विपक्षः इसके पहले सीएम हेमंत सोरेन सदन में विपक्ष को धन्यवाद दिया। कहा कि सदन में विपक्ष के गिने-चुने लोग ही मौजूद हैं। ऐसा लगता है विपक्ष ने भविष्य में होनेवाली स्थिति को पहले ही भांप लिया है। विपक्ष की उपस्थिति देखकर लग रहा है कि वह भी सरकार की उपलब्धियों को मानने लगा है। इसी कारण विपक्ष ने अभिभाषण में किसी तरह का संशोधन प्रस्ताव भी नहीं लाने की जरूरत नहीं समझी। राज्यपाल ने जिन चीजों को सदन के समक्ष रखा, वह सभी चीजें राज्य की जनता के सामने हैं।

देश की सभी डबल इंजन की सरकारें ध्वस्त होंगीः सीएम ने कहा कि सबने राज्य ने डबल इंजन की सरकार का हाल देखा। कई दूसरे राज्य अभी देख भी रहे हैं। काफी जल्द देश की सभी डबल इंजन की सरकारें ध्वस्त होंगी। कई चुनौतियों के बाद भी हमने संविधान और परंपराओं को मजबूत करते हुए लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा की। अगर नीयत साफ और संकल्प दृढ़ हो, तो सरकार सीमित संसाधनों में भी काफी काम कर सकती है। 25 सालों के झारखंड में हमने जो लकीर खींची है, उसे मिटाना विपक्ष के बस की बात नहीं है।

राज्य सरकार के कार्यों से विपक्ष घबरायाः मुख्यमंत्री ने कहा कि सदन में हम विपक्ष की बात संयम से सुनते हैं, लेकिन दिल्ली में विपक्ष के नेता को बोलने से रोक दिया जाता है। राज्य सरकार के कार्यों से विपक्ष घबरा गया है। उन्होंने कहा कि हमने झारखंड को अग्रणी बनाने का संकल्प लिया है। यह बहुत बड़ी चुनौती है। केंद्र के साथ हमारे संबंध भी बहुत खुले तौर पर सबके सामने हैं, लेकिन इच्छाशक्ति और दृढ़ संकल्प के साथ हर असंभव काम संभव हो सकता है। सरकार की मूल जिम्मेवारी गरीब-गुरबा का सहारा बनना है और हम पूरी सफलता के साथ यह काम कर रहे हैं।

केंद्र को किसान और मजदूर के भविष्य की चिंता नहींः श्री सोरेन ने कहा कि देश व राज्य का विकास धरातल पर काम करने से होता है। झाखंड सरकार गांव से चलने वाली सरकार है। हम जानते हैं कि गांव मजबूत होगा, तभी शहर और राज्य मजबूत होगा। दिल्ली में फर्जी एआइ समिट किया जा रहा है। चीन से लाकर सामान वहां दिखाया जा रहा है। विपक्ष के शीर्ष नेताओं की यही हालत है। पूरा देश गिरवी रखा जा रहा है। केंद्र को किसान, मजदूर के भविष्य की चिंता नहीं है। चर्चा धान क्रय के भविष्य पर होनी चाहिए। नमक, तेल, दाल, चावल, आटा सब बाहर से मंगायेंगे, तो यहां के किसान क्या करेंगे। किसान फिर से आत्महत्या करने के लिए मजबूर होंगे। देश के 80% रोज कमाने-खाने वाले लोगों के बारे में नहीं सोचा जा रहा है।

न्यूज IN ब्रीफ

जीविका के लिए चना बेचना गैर कानूनी कैसे?

मुरीः आज सुबह रेलवे कॉलोनी में पुलिस एक अधेड़ महिला के पीछे दौड़ रही थी। इस दृश्य को देख कर एक व्यक्ति ने पुलिस से पूछा कि क्या हुआ। पुलिस ने कहा केस बनाना था। इनसे रुकने को कहा तो ये भाग रही है । आखिरकार पुलिस ने महिला को पब्लिक एरिया से पकड़ लिया। इस भगदौड़ में महिला की टोकरी में रखा जमीन पर गिर जाता है। पुलिस महिला के पीछे क्यों भग रही थी, क्यों उसे पकड़ी । इस संबंध में जब लोगों ने पुलिस सेपूछा तो पुलिस नेकहा कि महिला स्टेशन क्षेत्र में चना बेचती है । पुलिस की इस बात से लोगों में काफी नाराजगी है। उनका कहना था कि जीविका के लिए चना बेचना कहां से गलत है।

ग्रामीणों से सावधानी बरतने का आह्वान

बोकारोः जिले के बेरमो अनुमंडल के सुदूरवर्ती क्षेत्र गोमिया और झुमरा पहाड़ के आसपास हाथियों के आतंक से आधा दर्जन लोगों की मौत होने के बाद जिला प्रशासन ने सतकर्ता दिखाते हुए लोगों और उसकी सुरक्षा के लिए निर्देश जारी किया है। वन विभाग के कर्मचारी हाथियों पर निगरानी बनाए हुए हैंः बोकारो के उपायुक्त अजय नाथ ने संबंधित विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक कर स्पष्ट कहा है कि हर हाल में उक्त इलाके के लोगों की जान - माल और उसके फसल की सुरक्षा की जाए। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि वन विभाग के कर्मचारी हाथियों पर निगरानी बनाए हुए है और लोगों को सतर्क रहने की अपील कर रहा है। सूत्रों ने बताया कि निगरानी बनाए जाने के बावजूद गोमिया प्रखंड के पचमो पंचायत के झुमरा गांव में बीते रात्रि हाथियों की झुंड ने उनके फसल को नष्ट कर दिया। जिला प्रशासन द्वारा प्रभावित इलाके में जंगली हाथियों पर निगरानी के लिए ड्रोन से निरीक्षण किया जा रहा है और लोगों को इसकी सूचना उपलब्ध कराई जा रही है। स्थानीय लोगों के अनुसार जिले के झुमरा गांव में पांच हाथी का झुंड देखा गया है, जो बलथरवा गांव की ओर बढ़ रहा है। वन विभाग और स्थानीय प्रशासन ने पूर्व की सूचना पर सभी क्षेत्रवासियों को सतर्क रहने का निर्देश दिया है।

प्रशासन ने की अपील : बीती रात यह झुंड बलथरवा या वापस झुमरा की दिशा में जा सकता है। बोकारो, हजारीबाग और रामगढ़ जिलों की विशेष टीमें दो शिफ्टों में हाथियों पर नजर रख रही हैं। अधिकारियों ने कहा कि टीमों के प्रयासों के साथ ग्रामीणों की व्यक्तिगत सतकर्ता ही सुरक्षा का आधार बनेगी। प्रशासन से सहयोग की अपील करते हुए स्वयं सावधानी बरतने का आह्वान किया गया है। शाम - रात में घर से बाहर न निकलने के साथ हाथी दिखने पर पक्के मकान या पक्की छत पर शरण लेने, हाथियों को उकसाने से बचने और पास नहीं आने, शोर न मचाने, पत्थर न मारने की अपील लोगों से की गई है।

पश्चिमी विक्षोभ के असर से बदला मौसम : 24 और 25 को होगी बारिश

रांची : झारखंड में मौसम एक बार फिर करवट लेने वाला है। पश्चिमी विक्षोभ के असर से राज्य के कई हिस्सों में 24 और 25 फरवरी को बादल छाए रहेंगे और कुछ जगहों पर हल्की बारिश के आसार हैं।

दक्षिणी और मध्य जिलों में गरज-चमक के साथ बूंदाबांदीः मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार दक्षिणी और मध्य जिलों में गरज-चमक के साथ बूंदाबांदी हो सकती है। राजधानी रांची सहित खूंटी, गुमला, सिमडेगा, पश्चिमी सिंहभूम और सरायकेला-खरसावां में हल्की बारिश की संभावना जताई गई है। वहीं बोकारो, रामगढ़ और हजारीबाग जैसे मध्य जिलों में बादलों की आवाजाही बढ़ेगी। इन इलाकों में कुछ स्थानों पर गरज के साथ मौसम बदल सकता है। हालांकि राज्य के उत्तर-पूर्वी और उत्तर-पश्चिमी जिलों में फिलहाल तेज या व्यापक बारिश की संभावना नहीं है। यहां सुबह के समय हल्का कुहासा देखने को मिल सकता है। दिन में महसूस होगी हल्की गर्मी : मौसम विभाग का कहना है कि बादल रहने के बावजूद दिन के तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ोतरी हो सकती है। दक्षिणी झारखंड में हल्की बारिश से शाम का मौसम सुहावना रहेगा, लेकिन दिन में हल्की गर्मी महसूस हो सकती है। विभाग ने लोगों को सलाह दी है कि गरज-चमक के दौरान खुले मैदान या पेड़ों के नीचे खड़े न हों।

अपहरण के बाद नाबालिग लड़कियों के साथ दुष्कर्म

गुमलाः जिले के कामडारा थाना क्षेत्र से एक बेहद गंभीर मामला सामने आया है। अरहरा गांव की दो नाबालिग लड़कियों के अपहरण के बाद उनके साथ सामूहिक दुष्कर्म किए जाने की घटना से इलाके में सनसनी फैल गई है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। जानकारी के मुताबिक, यह घटना कामडारा थाना क्षेत्र के सालेगुटू पंचायत अंतर्गत कोयल नदी तट स्थित बालाघाट इलाके में हुई। बताया गया है कि सिमडेगा जिले के बानो थाना क्षेत्र से सफेद रंग की बोलेरो गाड़ी में सवार कुछ युवक बारात में शामिल होने लापा बक्सपुर गांव आए थे। बारात से लौटते समय इन युवकों ने अरहरा गांव के पास एक स्कूटी पर सवार दो नाबालिग लड़कियों और दो युवकों को देखा। आरोप है कि बोलेरो सवार युवकों ने स्कूटी का पीछा किया और अरहरा चौक के पास उन्हें रोक लिया। इसके बाद उन्होंने जबरन लड़कियों को गाड़ी में बैठाने की कोशिश की। इस दौरान एक युवक मौके से भागने में सफल रहा, जबकि दो नाबालिग लड़कियों और एक अन्य युवक को अगवा कर बालाघाट ले जाया गया। वहां चारों आरोपियों ने बारी-बारी से दोनों लड़कियों के साथ दुष्कर्म किया। वहीं, घटना की सूचना के आधार पर पुलिस ने अलग-अलग स्थानों पर दबिश देकर चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। घटना में प्रयुक्त बोलेरो वाहन को भी जब्त कर लिया गया है। सभी आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

एनटीटीएफ आरडी टाटा तकनीकी केंद्र के 5 प्रशिक्षुओं का प्लेसमेंट

जमशेदपुर : गोलमुरी स्थित प्रतिष्ठित तकनीकी संस्थान एनटीटीएफ आरडी टाटा तकनीकी केंद्र के प्रशिक्षुओं ने एक बार फिर अपनी तकनीकी कुशलता और प्रतिभा का लोहा मनवाया है। संस्थान में आयोजित हालिया प्लेसमेंट ड्राइव के दौरान देश की जानी-मानी कंपनी लोहिया कॉरपोरेशन ने पांच होनहार प्रशिक्षुओं का चयन कर उन्हें नियुक्ति प्रदान की है। सफलता हासिल करने वाले इन प्रशिक्षुओं में डैनियल अंजुम, आदित्य कुमार, सूरज शर्मा, यशराज कुमार और निधि कुमारी शामिल हैं।इन सभी चयनित प्रशिक्षुओं को कंपनी की ओर से 3.75 लाख रुपये का वार्षिक पैकेज ऑफर किया गया है, जो उनके करियर की एक शानदार शुरूआत मानी जा रही है। इस बड़ी उपलब्धि से न केवल चयनित छात्र, बल्कि पूरे संस्थान में उत्साह और हर्ष का माहौल है।

गुमला विभागीय कार्यों की जानकारी एमआइएस पोर्टल पर करें अपलोड : उपायुक्त

आकांक्षी प्रखंड डुमरी में संचालित विभागीय योजनाओं की प्रगति की समीक्षा बैठक

संवाददाता

गुमला : नीति आयोग के आकांक्षी जिला कार्यक्रम अंतर्गत आकांक्षी प्रखंड डुमरी में संचालित विभिन्न विभागीय योजनाओं की प्रगति की समीक्षा बैठक शुक्रवार को समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में उपायुक्त प्रेरणा दीक्षित की अध्यक्षता में हुई। बैठक में एडीपी व एबीपी अंतर्गत नीति आयोग द्वारा निर्धारित प्रमुख संकेतकों के आधार पर विकास कार्यों की बिंदुवार समीक्षा की गयी। स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा में उपायुक्त ने मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य संकेतकों पर ध्यान देने का निर्देश दिया। उन्होंने गर्भवती महिलाओं को पौष्टिक आहार, समय पर एएनसी एक व एएनसी चार जांच तथा शत प्रतिशत संस्थागत प्रसव सुनिश्चित करने की बात कही। उपायुक्त ने कम वजन वाले नवजात शिशुओं की पहचान व समुचित प्रबंधन, पूर्ण टीकाकरण, टीबी उन्मूलन अभियान तथा सिकल सेल एनीमिया की शत-प्रतिशत जांच व उपचार को प्राथमिकता देने के निर्देश दिया। शिक्षा विभाग की समीक्षा में उपायुक्त ने शौचालय, पेयजल, जलमीनार एवं विद्युत आपूर्ति जैसी आधारभूत सुविधाओं को सुदृढ़ करने के लिए ठोस कदम उठाने को कहा। उपायुक्त ने सभी विद्यालयों व आंगनबाड़ी केंद्रों में स्वच्छ पेयजल एवं स्वच्छता सुविधाओं को दुरुस्त रखने पर बल दिया। साथ ही फाउंडेशनल लर्निंग को प्राथमिकता देते हुए शिक्षकों को नवाचारी शिक्षण पद्धतियां अपनाने व बच्चों के अधिगम स्तर में सुधार के लिए सशक्त प्रयास करने के निर्देश दिया। एलडीएम/बैंक प्रबंधन को बीसी के माध्यम से अधिकाधिक महिलाओं के बैंक खाते खोलने तथा पशुपालन विभाग को पशुओं के नियमित टीकाकरण, पशु बीमा योजनाओं के प्रचार-प्रसार व पशुपालकों को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने सभी विभागों को अपने-अपने विभागीय कार्यों की अद्यतन जानकारी एमआइएस पोर्टल पर अनिवार्य रूप से अपलोड करने का निर्देश दिया। उन्होंने डाटा की गुणवत्ता, समयबद्ध अद्यतन व नियमित मॉनिटरिंग पर विशेष ध्यान देने की बात कही, ताकि नीति आयोग को सटीक व समय पर सूचना उपलब्ध करायी जा सके। उपायुक्त ने कहा कि डुमरी प्रखंड को एक आदर्श आकांक्षी प्रखंड बनाने के लिए सभी विभागों को समन्वित, योजनाबद्ध ल परिणामोन्मुख कार्यशैली अपनानी होगी। उन्होंने कहा कि किसी प्रकार की लापरवाही या शिथिलता स्वीकार नहीं की जायेगी। बैठक में उपविकास आयुक्त गुमला, जिला योजना पदाधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी डुमरी, जिला पशुपालन पदाधिकारी, एलडीएम गुमला, जिला शिक्षा पदाधिकारी, स्वास्थ्य विभाग, कृषि विभाग समेत अन्य संबंधित पदाधिकारी व कर्मी उपस्थित थे।

दारूल कजा ने वर्ष 2026 के लिए सदका-ए-फित्र की राशि की निर्धारित

रांची : इमारत शरिया के तहत दारूल कजा रांची ने वर्ष 2026 के लिए सदका-ए-फित्र की राशि निर्धारित कर दी है। दारूल कजा के काजी अनवर कासमी ने जानकारी देते हुए बताया कि इस वर्ष प्रति व्यक्ति कम से कम 65 रुपये सदका-ए-फित्र अदा करना अनिवार्य है। उन्होंने बताया कि जो लोग गेहूं के रूप में सदका-ए-फित्र अदा करना चाहते हैं, वे प्रति व्यक्ति एक किलो छह सौ बानवे ग्राम (1 l692 किलोग्राम) गेहूं दें। वहीं जो लोग उसकी नकद कीमत अदा करना चाहें, वे वर्ष 2026 के लिए न्यूनतम 65 रुपये प्रति व्यक्ति के हिसाब से भुगतान करें।

काजी अनवर कासमी ने आगे कहा कि जिन लोगों को आर्थिक गुंजाइश हो, वे गेहूं के अलावा जौ, पनीर, किशमिश या खजूर के रूप में भी सदका-ए-फित्र अदा करें, ताकि जरूरतमंदों को अधिक लाभ मिल सके। इन वस्तुओं का वजन प्रति व्यक्ति तीन किलो तीन सौ चौरासी ग्राम (3 l384 किलोग्राम) निर्धारित किया गया है।

नकद राशि के रूप में यदि जौ दिया जाए तो न्यूनतम 175 रुपये, खजूर के लिए 1280 रुपये, किशमिश के लिए 1464 रुपये तथा पनीर के लिए 1354 रुपये प्रति व्यक्ति अदा करने होंगे। यह दरें रांची शहर के औसत बाजार मूल्य के आधार पर तय की गई हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि रांची के अलावा अन्य स्थानों पर स्थानीय बाजार दर के अनुसार 1 l692 किलोग्राम गेहूं अथवा 3 l384 किलोग्राम जौ, पनीर, किशमिश या खजूर की कीमत के आधार पर राशि अदा की जाए। यह न्यूनतम राशि है, इससे अधिक देना चाहें तो दे सकते हैं।ज्ञात हो कि सदका-ए-फित्र हर उस मुसलमान पर अनिवार्य है जो मालिक-ए-निसाब हो। इसे अपनी ओर से तथा अपनी नाबालिग संतान की ओर से ईद की नमाज से पहले अदा करना जरूरी है, ताकि जरूरतमंदों को समय पर सहायता मिल सके।

निकाय चुनाव को लेकर वाहन जांच अभियान

संवाददाता

नौडीहा बाजारः नगर निकाय चुनाव को लेकर शुक्रवार को नौडीहा बाजार थाना पुलिस ने क्षेत्र के थाना चेक पोस्ट पर वाहन चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान छतरपुर-डुमरिया मुख्य सड़क से गुजरने वाली सभी छोटी-बड़ी वाहनों को सघन तलाशी ली गयी। दो पहिये वाहनों के हेलमेट डिक्की ड्राइविंग लाइसेंस चारपहिया वाहनों के स्विफ्ट बेल्ट डीके ड्राइविंग लाइसेंस तथा गाड़ी के कागजात समेत इत्यादि को सघन तलाशी ली गयी। ।थाना प्रभारी अमित कुमार द्विवेदी ने बताया की झारखंड नगर निकाय चुनाव में सुरक्षा को लेकर थाना क्षेत्र एव बिहार सटे सीमावर्ती क्षेत्रों में संघन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। अवैध गतिविधियों पर विशेष नजर रखी जा रही है और यह अभियान लगातार चलेगा।

सड़क हादसे में पत्नी की मौत, पति गंभीर

बोकारोः बीएस सिटी थाना क्षेत्र के लकड़ी गोला के समीप शुक्रवार की शाम सड़क हादसे में एक महिला की मौत हो गयी, जबकि उसके पति और दो बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गये। घायलों को सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना के बाद आक्रोशित लोगों ने महिला के शव के साथ लकड़ी गोला के समीप मुख्य मार्ग को जाम कर दिया। सूचना पर सिटी इंस्पेक्टर सुदामा कुमार दास मौके पर पहुंचे। उन्होंने लोगों को शांत कराना चाहा, लेकिन वे नहीं माने। तनावपूर्ण स्थिति देख पांच थानों की पुलिस घटनास्थल पर पहुंच गयी। पुलिस ने बताया कि लकड़ी गोला के पास एक तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में सेक्टर तीन निवासी पुष्पा देवी की मौत हो गयी, जबकि उनके पति राजेश कुमार और दो छोटे बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गये। परिवार जरीडीह थाना क्षेत्र के जैनामोड़ के बाराडीह से सेक्टर तीन लौट रहा था। बाराडीह में पुष्पा का मायका है। राजेश प्राइवेट कर्मचारी हैं। हादसे के बाद लोगों ने सभी घायलों को तुरंत सदर अस्पताल पहुंचाया। मृतका के जीजा मदन कुमार ने प्रशासन से दोषी ट्रक चालक के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने ट्रक जब्त कर उसके चालक को हिरासत में ले लिया है। देर रात तक सड़क जाम थी। घटनास्थल पर सेक्टर चार के इंस्पेक्टर संजय कुमार, सेक्टर छह की इंस्पेक्टर संगीता कुमारी, सेक्टर 12 के इंस्पेक्टर सुभाष चंद्र सिंह, माराफारी इंस्पेक्टर आजाद खान बड़ी संख्या में पुलिस फोर्स के साथ डटे हुए थे। मृतका के जीजा मदन कुमार के अनुसार, ट्रक को क्रेन डब्ल्यूबी 18एक्स 0885 लेकर जा रहा था। इसी दौरान ट्रक के पिछले चक्के से बाइक में टक्कर लग गयी। ट्रक प। बंगाल के पानागढ़ का है। मृतक के परिजन व ग्रामीण ट्रक मालिक को बुलाने व मुआवजे की मांग को लेकर सड़क पर बैठे हैं।

मातृभाषा का मान, झारखंड की पहचान, तकनीकी युग में भाषाई अस्मिता की पुकार

तेजी से बदलते तकनीकी दौर में जहाँ दुनिया एक डिजिटल गांव में बदलती जा रही है, वहीं मातृभाषाएँ अस्तित्व के संकट से जूझ रही हैं। संवाद के माध्यम बदल गए हैं मोबाइल, सोशल मीडिया और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित उपकरण अब भाषा के प्रयोग की दिशा तय कर रहे हैं। ऐसे समय में मातृभाषा दिवस केवल एक औपचारिक तिथि नहीं, बल्कि भाषाई अस्मिता, सांस्कृतिक स्मृति और लोकज्ञान को बचाने का चेतावनी दिवस बन गया है, विशेषकर झारखंड जैसे बहुभाषी प्रदेश के लिए।

भारत भाषाई विविधता का अद्भुत देश रहा है। पिछले दशकों के जनगणना और भाषाई सर्वेक्षणों से स्पष्ट है कि अनेक छोटी भाषाएँ या तो लुप्त हो चुकी हैं या विलुप्ति के कगार पर हैं। यह गिरावट केवल संख्या का परिवर्तन नहीं, बल्कि सांस्कृतिक विरासत के क्षरण का संकेत है। झारखंड में बोली जाने वाली कुड़ुख, मुंडारी, संताली, हो, खड़िया, मालतो, असुर, बिरहोर जैसी जनजातीय भाषाएँ तथा नागपुरी, खोरठा, कुरमाली, पंचपरगनिया जैसी सदानी भाषाएँ लोकजीवन की आत्मा रही हैं। इन भाषाओं में प्रकृति, श्रम, उत्सव और सामुदायिक जीवन की जीवित परंपरा बसती है।

तकनीक की दुनिया बाजार से संचालित होती है। जिन भाषाओं का उपभोक्ता आधार बड़ा है, उन्हीं के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म, ऐप, सॉफ्टवेयर और कंटेंट विकसित होते हैं। झारखंडी भाषाओं की डिजिटल उपस्थिति सीमित होने के कारण नई पीढ़ी का झुकाव बड़ी भाषाओं की ओर बढ़ रहा है। परिणाम यह है कि घरों में भी मातृभाषा का प्रयोग घट रहा है और वह केवल बुजुर्ग पीढ़ी तक सिमटती जा रही है।

भाषा के कमजोर होने के पीछे सामाजिक कारण भी कम नहीं हैं। शहरीकरण, पलायन, रोजगार की बाध्यता, एकभाषिक शिक्षा व्यवस्था, और उपभोक्तावादी जीवन

शैली ने मातृभाषाओं के प्रयोग को कम किया है। जब भाषा रोजगार और प्रतिष्ठा से नहीं जुड़ती, तो उसके प्रति समाज का भरोसा भी डगमगाने लगता है। यही चुनौती आज झारखंडी भाषाओं के सामने है।

फिर भी परिदृश्य पूरी तरह निराशाजनक नहीं है। विश्वविद्यालयों और शोध संस्थानों में जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषाओं पर अध्ययन, लोक साहित्य का संकलन, मातृभाषा में पत्र-पत्रिकाओं का प्रकाशन, और सांस्कृतिक आयोजनों की बढ़ती संख्या आशा जगाती है। कई युवा रचनाकार डिजिटल मंचों पर अपनी मातृभाषा में कविता, गीत और कहानी प्रस्तुत कर रहे हैं, यह भाषाई पुनर्जागरण का संकेत है।

यूनेस्को लगातार यह रेखांकित करता रहा है कि मातृभाषा आधारित शिक्षा बच्चों की समझ, आत्मविश्वास और रचनात्मकता को मजबूत करती है। वैश्विक स्तर पर यह स्वीकार किया गया है कि सतत विकास के लक्ष्य तभी सार्थक होंगे, जब शिक्षा और ज्ञान स्थानीय भाषाओं में उपलब्ध हों। मातृभाषा में प्रारंभिक शिक्षा न केवल सीखने को सरल बनाती है, बल्कि सांस्कृतिक जुड़ाव भी मजबूत करती है।

मातृभाषा केवल बोलने का माध्यम नहीं, बल्कि सोचने का आधार है। यह व्यक्ति को उसकी जड़ों से जोड़ती है। लोककथाएँ, कहावतें, कृषि ज्ञान, वन परंपरा, लोक चिकित्सा, ये सब मातृभाषाओं के माध्यम से ही पीढ़ी दर पीढ़ी सुरक्षित रहते हैं। भाषा जाती है तो उसके साथ पूरा जीवन-दर्शन भी चला जाता है।

मातृभाषा दिवस का संदेश स्पष्ट है कि भाषाई विविधता को बचाना ही सांस्कृतिक लोकतंत्र को बचाना है। जरूरत है कि परिवार में मातृभाषा का प्रयोग बढ़े, विद्यालयों में मातृभाषा आधारित शिक्षा को बढ़ावा मिले, और तकनीकी मंचों पर झारखंडी भाषाओं के लिए डिजिटल संसाधन विकसित किए जाएँ।

जब हम अपनी मातृभाषा में बोलने, लिखने और सृजन करने पर गर्व करेंगे, तभी वह आने वाली पीढ़ियों तक जीवित और सम्मानित रूप में पहुँच सकेगी। मातृभाषा बचेगी, तो पहचान बचेगी, संस्कृति बचेगी, और भविष्य भी समृद्ध होगा।

डॉ बीरेन्द्र कुमार महतो 'गोतिया'
असिस्टेंट प्रोफेसर
यूनिवर्सिटी डिपार्टमेंट ऑफ नागपुरी

झारखंड विधानसभा बजट सत्र में बोलते हुए मुख्यमंत्री ने कहा-

जेपीएससी की कट ऑफ उम्र सीमा 2026 के बदले अगस्त 2022 की जायेगी

मेट्रो रेज संवाददाता

रांची: झारखंड लोक सेवा आयोग की संयुक्त सिविल सेवा परीक्षा 2025 में उम्र सीमा में छूट को लेकर चल रहे विवाद के बीच राज्य सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने घोषणा की है कि 14वीं संयुक्त सिविल सेवा परीक्षा के लिए कट-ऑफ डेट वर्ष 2022 निर्धारित की जाएगी।

सरकार के इस निर्णय से उन अभ्यर्थियों को बड़ी राहत मिली है, जो पूर्व निर्धारित कट-ऑफ डेट के कारण अधिकतम आयु सीमा पार करने की स्थिति में परीक्षा में शामिल नहीं हो पा रहे थे। लंबे समय से अभ्यर्थी आयु सीमा में छूट और कट-ऑफ डेट संशोधन की मांग कर रहे थे।

क्या है पूरा मामला

दरअसल, संयुक्त सिविल सेवा परीक्षाझ2025 (14वीं खढरउ) के लिए निर्धारित कट-ऑफ डेट को लेकर अभ्यर्थियों में असंतोष था। उनका कहना था कि भर्ती प्रक्रिया में देरी और पूर्व वर्षों में परीक्षा आयोजित नहीं होने के कारण कई अभ्यर्थी उम्र सीमा पार कर गए। इसको लेकर अभ्यर्थियों ने प्रदर्शन भी किया और न्यायालय का दरवाजा खटखटाया।

मामला उच्च न्यायालय पहुंचा, जहां कुछ अभ्यर्थियों को राहत भी मिली थी। हालांकि अंतिम समाधान के रूप में सरकार के स्तर से कट-ऑफ डेट में संशोधन की घोषणा की गई, जिससे व्यापक स्तर पर उम्मीदवारों को लाभ मिलेगा।

हजारों अभ्यर्थियों को राहत

कट-ऑफ डेट वर्ष 2022 किए जाने से हजारों अभ्यर्थी अब परीक्षा में शामिल हो सकेंगे। प्रतियोगी छात्रों और विभिन्न छात्र संगठनों ने सरकार के इस फैसले का स्वागत किया है और इसे युवाओं के हित में महत्वपूर्ण कदम बताया है।

आगे की प्रक्रियाः अब अभ्यर्थियों की नजर जेपीएससी की आधिकारिक अधिसूचना पर है, जिसमें संशोधित कट-ऑफ डेट और अन्य शर्तों को स्पष्ट किया जाएगा। आयोग द्वारा जल्द ही विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए जाने की संभावना है।

सरकार के इस निर्णय को राज्य के युवाओं के लिए सकारात्मक पहल के रूप में देखा जा रहा है, जिससे 14वीं खढरउ परीक्षा को लेकर चल रहा विवाद काफी हद तक समाप्त होने की उम्मीद है।

मंत्री दीपिका पांडेय सिंह की पहल लाई रंग

एसएफसी की अनुशंसा पर पहली बार पंचायतों को मिलेगा 605 करोड़

रांची: झारखंड विधानसभा में प्रस्तुत 6,450 करोड़ के तृतीय अनुपूरक बजट को ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग की मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने राज्य के ग्रामीण इतिहास में एक निर्णायक और दूरगामी प्रभाव वाला कदम बताया है। उन्होंने कहा कि यह बजट केवल वित्तीय प्रावधान नहीं, बल्कि झारखंड के गाँवों की तकदीर और तस्वीर बदलने का सशक्त संकल्प है। मंत्री ने कहा, यह झारखंड के स्वर्णिम ग्रामीण विकास की आधारशिला है। विकास अब कागजों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि गाँव-गाँव तक पहुँचेगा और धरातल पर दिखाई देगा।

प्रमुख प्रावधानः तृतीय अनुपूरक बजट में ग्रामीण क्षेत्रों के सर्वांगीण विकास के लिए महत्वपूर्ण राशि स्वीकृत की गई है—

ग्रामीण कार्य विभाग को 1,717 .58 करोड़ की ऐतिहासिक राशि प्रदान की गई है। इससे ग्रामीण सड़कों, पुल-पुलियों और आधारभूत संरचना को मजबूती मिलेगी। दूरस्थ एवं पिछड़े इलाकों में कनेक्टिविटी बेहतर होगी, जिससे शिक्षा, स्वास्थ्य

और व्यापार के नए अवसर खुलेंगे। पंचायती राज विभाग के लिए 658 करोड़ का प्रावधान किया गया है। इससे पंचायतों को वित्तीय और प्रशासनिक रूप से सशक्त बनाने में मदद मिलेगी तथा ग्राम सभाओं की भूमिका और प्रभावशीलता बढ़ेगी।

ग्रामीण विकास विभाग को 594 .88 करोड़ की राशि स्वीकृत की गई है। इससे ग्रामीण आजीविका मिशन, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं और महिला स्वयं सहायता समूहों को गति मिलेगी।

पंचायतों के लिए

ऐतिहासिक निर्णय

मंत्री ने विशेष रूप से उल्लेख किया कि राज्य में पहली बार स्टेट फाइनेंस कमीशन की अनुशंसा पर पंचायतों के लिए 605 करोड़ की स्वीकृति दी गई है। उन्होंने इसे ग्राम स्वशासन को वास्तविक अर्थों में सशक्त करने वाला ऐतिहासिक निर्णय बताया। इस पहल के लिए मंत्री ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व और दूरदृष्टि की सराहना की तथा वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर के सहयोग के प्रति आभार व्यक्त किया।

सरकार की प्राथमिकता स्पष्टः मंत्री ने कहा कि राज्य के शीर्ष विभागों में ग्रामीण कार्य, ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग को प्रमुख स्थान मिलना इस बात का संकेत है कि सरकार की प्राथमिकता समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक विकास पहुँचाना है।

उन्होंने भरोसा जताया कि यह तृतीय अनुपूरक बजट झारखंड के इतिहास में मील का पत्थर साबित होगा। पंचायतें परिवर्तन की धुरी बनेंगी और सशक्त ग्रामीण समाज राज्य के उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव रखेगा।

विधानसभा बजट सत्र में आउटसोर्सिंग कर्मियों का मुद्दा गूंजा

रांचीः राज्य विधानसभा के बजट सत्र के दौरान आउटसोर्सिंग कर्मियों के मानदेय से जुड़ा मुद्दा जोरदार तरीके से सदन में उठा। विभिन्न दलों के विधायकों ने इस विषय पर सरकार का ध्यान आकर्षित करते हुए कहा कि आउटसोर्सिंग के माध्यम से कार्यरत कर्मचारियों को उनका पूरा मानदेय नहीं मिल पा रहा है।

चर्चा के दौरान वित्त मंत्री ने स्वीकार किया कि कई मामलों में एजेंसियों द्वारा निर्धारित सीमा से अधिक कमीशन काट लिया जाता है, जिसके कारण कर्मचारियों को वास्तविक भुगतान का लाभ नहीं मिल पाता। मंत्री ने कहा कि सरकार इस व्यवस्था में पारदर्शिता लाने के लिए ठोस कदम उठाने जा रही है।

बिचौलियों की मनमानी पर लगेगी रोकः सरकार ने घोषणा की है कि अब आउटसोर्सिंग एजेंसियों की मनमानी पर रोक लगाने के लिए स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी किए जाएंगे। निर्धारित कमीशन की सीमा तय की जाएगी और शेष पूरी राशि सीधे कर्मचारियों के खाते में हस्तांतरित करने की व्यवस्था बनाई जाएगी। इसके लिए एक सशक्त निगरानी तंत्र भी विकसित किया जाएगा ताकि किसी प्रकार की गड़बड़ी की संभावना समाप्त हो सके।

आरक्षण नीति का होगा कड़ाई से पालनः सरकार ने यह भी स्पष्ट किया कि भविष्य में आउटसोर्सिंग के माध्यम से होने वाली सभी नियुक्तियों में राज्य की आरक्षण नीति का सख्ती से पालन सुनिश्चित किया जाएगा। मंत्री ने कहा कि सामाजिक न्याय और समान अवसर सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और किसी भी स्तर पर आरक्षण प्रावधानों की अनदेखी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

सरकार की इस घोषणा के बाद आउटसोर्सिंग कर्मियों में उम्मीद की नई किरण जगी है। लंबे समय से मानदेय में कटौती और अनियमितताओं को लेकर शिकायतें उठती रही हैं। यदि घोषित नियम प्रभावी ढंग से लागू होते हैं तो हजारों कर्मचारियों को सीधा लाभ मिल सकता है।

झारखंड विधानसभा के बजट सत्र का चौथा दिन

राजेश कच्छप ने बैकलॉग नियुक्ति का उठाया मुद्दा,मंत्री ने रिक्त पदों को भरने का दिया भरोसा

मेट्रो रेज संवाददाता

रांचीः झारखंड विधानसभा के बजट सत्र के चौथे दिन खिजरी विधायक राजेश कच्छप ने राज्य में लंबित बैकलॉग नियुक्तियों का मुद्दा सदन में जोरदार ढंग से उठाया। उन्होंने कहा कि अनुसूचित जनजाति (एसटी), अनुसूचित जाति (एस) और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के लिए आरक्षित हजारों पद वर्षों से खाली पड़े हैं, जिन्हें हर नई भर्ती प्रक्रिया में फिर से गिना तो जाता है, लेकिन उन्हें भरने के लिए ठोस पहल नहीं की जाती।

विधायक ने कहा कि आरक्षित वर्गों के युवाओं को लंबे समय से रोजगार के अवसर नहीं मिल पा रहे हैं, जिससे उनमें निराशा बढ़ रही है। उन्होंने सरकार से स्पष्ट नीति बनाने और समयबद्ध एवं पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया

सुनिश्चित करने की मांग की, ताकि लंबित बैकलॉग नियुक्तियों का स्थायी समाधान निकाला जा सके।

राजेश कच्छप ने सदन में यह भी कहा कि यदि समय रहते इस दिशा में ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो सामाजिक न्याय की अवधारणा कमजोर होगी। उन्होंने मांग की कि विभागवार रिक्तियों का आंकड़ा सार्वजनिक किया जाए और विशेष अभियान चलाकर बैकलॉग पदों को भरा जाए।

वहीं, सरकार की ओर से जवाब देते हुए संबंधित मंत्री ने कहा कि विभिन्न विभागों में 50,000 से अधिक बैकलॉग रिक्तियों की बात सही नहीं है। मंत्री ने स्पष्ट किया कि सरकार चरणबद्ध तरीके से रिक्त पदों को भरने की प्रक्रिया पर कार्य कर रही है और वास्तविक आंकड़ों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सदन में इस मुद्दे पर पक्ष और विपक्ष के बीच संक्षिप्त चर्चा भी हुई। विपक्षी सदस्यों ने बैकलॉग नियुक्तियों को लेकर सरकार पर ढिलाई बरतने का आरोप लगाया, जबकि सरकार ने आश्वासन दिया कि आरक्षित वर्गों के हितों की रक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

अब देखना होगा कि सरकार इस दिशा में क्या ठोस निर्णय लेती है और लंबित बैकलॉग नियुक्तियों को भरने के लिए कब तक प्रभावी कार्ययोजना सामने आती है।

वरीय पुलिस अधीक्षक कार्यालय, राँची

सर्वसाधारण के लिए सूचना

अज्ञात अपराधकर्मी

इण्डियन ओवरसीज बैंक, डुमरदगा के ए0टी0एम0 मशीन के साथ छेड़छाड़ कर अवैध तरीके से पैसा निकासी करते हुए एक अज्ञात अपराधकर्मी को CCTV FOOTAGE में देखा गया है। इस संबंध में सदर थाना काण्ड संख्या–247/2024, दिनांक–08.06.2024, धारा–419/420/427/468/34 भा0द0वि0 दर्ज कर अज्ञात अपराधकर्मी की खोजबीन की जा रही है।

उपरोक्त अज्ञात अपराधकर्मी आपके क्षेत्र में या आपके आसपास नजर आते हैं तो इसके संबंध में कृपया नीचे अंकित मोबाईल नम्बर/फोन नम्बर पर सूचना उपलब्ध करा सकते है। इनकी खोजबीन हेतु जनसाधारण का सहयोग अपेक्षित है।

अतः सभी जन साधारण से अनुरोध है कि यदि अज्ञात अपराधकर्मी कहीं मिलते/ दिखते है तो इसके संबंध में वरीय पुलिस अधीक्षक के कार्यालय में या निम्नांकित फोन नम्बर पर संपर्क कर इसकी सूचना दें।

पुलिस उपाधीक्षक,सदर राँची। — 9431102090
थाना प्रभारी, सदर, रॉची — 9431706160

वरीय पुलिस अधीक्षक,
राँची

PR 373403 (Police)25-26*D

जयराम महतो ने डुमरी क्षेत्र में हुए सनसनीखेज हत्या का मामला उठाया

हत्याकांड की उच्चस्तरीय जांच कराने की मांग

मेट्रो रेज संवाददाता

रांची: विधानसभा सत्र में विधायक जयराम महतो ने डुमरी क्षेत्र में हुए सनसनीखेज मामले को लेकर आवाज उठाई। उन्होंने सरकार से इस हत्याकांड की उच्चस्तरीय जांच कराने की मांग की। घटना शनिवार सुबह की है जिसने पूरे इलाके को हिला कर रख दिया। जिला परिषद के पूर्व अध्यक्ष राकेश महतो की बेरहमी से हत्या का मामला है। उनका शव खांखी जंगल से बरामद हुआ, जिसके बाद पूरे इलाके में शोक और तनाव का माहौल बन गया।

हत्या की भयावह स्थिति

जानकारी के मुताबिक, हमलावरों ने राकेश महतो के साथ पहले बुरी तरह मारपीट की और बाद में उनकी हत्या कर

दी। हत्या के बाद अपराधियों ने साक्ष्य मिटाने के लिए शव को पेड़ के पत्तों के ढेर में रखकर जलाने का प्रयास किया। जंगल में अधजला शव मिलने की खबर फैलते ही स्थानीय लोगों की भारी भीड़ घटनास्थल पर जमा हो गई।

पुलिस ने त्वरित कार्रवाई की

घटना की गंभीरता को देखते हुए एसपी डॉ. बिमल कुमार ने तुरंत संज्ञान लिया। उन्होंने डुमरी एसडीपीओ सुमित कुमार को दोषियों की जल्द गिरफ्तारी और गहन जांच के निर्देश दिए। डुमरी एसडीपीओ और निमियाघाट पुलिस बल घटनास्थल पर पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

इलाके में तनाव का माहौल

हत्या के बाद डुमरी और आसपास के इलाकों में तनाव फैल गया है। पुलिस ने सुरक्षा कड़ी कर दी है और इलाके में सतर्कता बढ़ा दी गई है। स्थानीय लोग भी इस घटना से हक्का-बक्का हैं और दोषियों की शीघ्र गिरफ्तारी की उम्मीद कर रहे हैं।

गणपत पैलेस मंदिर में धूमधाम से हुई भगवान शिव और पार्वती की प्राण प्रतिष्ठा

उमड़े श्रद्धालु, भंडारे के साथ होगा समापन

मेट्रो रेज संवाददाता

रांची : राजधानी के बहु बाजार के निकट गणपत नगर स्थित गणपत पैलेस एवं गौरी सावित्री हेरिटेज के प्रांगण में एक भव्य और सुंदर शिव - पार्वती मंदिर का निर्माण कराया गया है। मंदिर में भगवान शिव और पार्वती की प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को लेकर प्राण प्रतिष्ठा यज्ञ का आयोजन किया गया है। कलश यात्रा और अन्य पूजा अनुष्ठान के साथ यज्ञ प्रारंभ हुआ। यज्ञ के तीसरे दिन शुक्रवार को विभिन्न पूजा

अनुष्ठान के बाद मंदिर में भगवान शिव पार्वती की प्राण प्रतिष्ठा की गई। इस दौरान हर हर महादेव की जयकारे से पूरा परिसर गूंजता रहा। शनिवार को विभिन्न पूजा अनुष्ठानों और भंडारे के साथ यज्ञ का समापन होगा.

प्राण प्रतिष्ठा यज्ञ के दौरान संध्या प्रतिदिन भजन- कीर्तन और प्रवचन का कार्यक्रम चल रहा है। गणपत पैलेस परिसर में भव्य और सुंदर मंदिर का निर्माण समाजसेवी जितेंद्र सिंह और पंकज सिंह ने कराया है। मंदिर परिसर में धार्मिक आयोजन के लिए एक सुसज्जित हॉल का भी निर्माण कराया गया है। प्राण प्रतिष्ठा यज्ञ में यजमान की भूमिका रूपनारायण सिंह पत्नी के साथ निभा रहे हैं। वाराणसी से आए विद्वान पंडित यज्ञ संपन्न करा रहे हैं। शुक्रवार को प्राण प्रतिष्ठा के साथ साथ कई धार्मिक अनुष्ठान का आयोजन हुआ। शनिवार को धार्मिक अनुष्ठान और भंडारे के साथ यज्ञ की पूणार्हुति होगी। प्राण प्रतिष्ठा यज्ञ के दौरान भजन कीर्तन में हर दिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हो रहे हैं।

अवैध शराब फैक्ट्री पर छापेमारी भारी मात्रा में स्पिरिट व शराब बनाने के उपकरण बरामद

रांची: राजधानी रांची में नगर निकाय चुनाव से ठीक पहले प्रशासन ने अवैध शराब कारोबार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एक संगठित गिरोह का भंडाफोड़ किया है। उत्पाद विभाग की टीम ने ओरमांझी थाना क्षेत्र में संचालित एक अवैध शराब फैक्ट्री पर छापेमारी कर भारी मात्रा में स्पिरिट और शराब बनाने के उपकरण बरामद किए हैं। जानकारी के अनुसार, गुप्त सूचना के आधार पर उत्पाद विभाग की विशेष टीम ने छापेमारी अभियान चलाया। कार्रवाई के दौरान मौके से करीब 15 हजार लीटर से अधिक स्पिरिट जब्त की गई, जिसका उपयोग अंग्रेजी शराब तैयार करने में किया जा रहा था। इसके अलावा नकली ब्रांडेड शराब बनाने के लिए इस्तेमाल होने वाली बोतलें, ढक्कन, लेबल, पैकेजिंग सामग्री, ड्रम, मिक्सिंग मशीन सहित अन्य उपकरण भी बरामद किए गए।

विभागीय अधिकारियों ने बताया कि जब्त सामग्री की अनुमानित कीमत 25 लाख रुपये से अधिक आंकी गई है। प्रारंभिक जांच में यह बात सामने आई है कि चुनाव के दौरान अवैध शराब की खपत बढ़ने की आशंका को देखते हुए इस फैक्ट्री में बड़े पैमाने पर शराब तैयार की जा रही थी।

Jharkhand Education Project Council

JSCA, Stadium Road, Sector-3, Dhurwa, Ranchi – 834004
Phone : 0651-2444501, 2444502, Fax – 2444506,
e-mail: jepcranchi1@gmail.com

Letter. No.: JEPC/ QU/40/121/2025/861 — Date: 19/02/2026

e-Procurement Notice

Jharkhand Education Project Council invites proposal for Selection of Agency for Implementation of Science & Maths Circle activities/ Exposure visit within and outside the state/ Career Guidance and counselling under PM-SHRI and Science Exhibition / Quiz Competition / Exposure visit outside the state /School Mentoring by HEI (Secondary) under Rashtriya Aviskar Abhiyan (RAA) under Samagra Shiksha Abhiyan. The detail Bid document can be seen in the portal https://gem.gov.in/ with Bid Reference number – GEM/2026/B/7261503 only. Interested bidder can submit their bid through the portal www.gem.gov.in.

Sd/-
(Shashi Ranjan)
State Project Director

PR 373370 Jharkhand Education Project Council(25-26)D

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, गुमला

Email-eedwsd.gumla@gmail.com

अति–अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना सं० – 31/2025–26

DMFT मद

1. विभाग का नाम :– पेयजल एवं स्वच्छता विभाग झारखण्ड़।
2. विज्ञापनदाता का पदनाम एवं पता :– कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, गुमला।
3. परिमाण विपत्र बिक्री की अंतिम तिथि एवं समय :– 02.03.2026 के अपराहन 1.00 बजे तक (छुटटी के दिनो को छोड़कर)
4. निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय :– 05.03.2026 को 2.00 बजे अपराह्न तक।
5. निविदा खोलने की संभावित तिथि एवं समय :– 05.03.2026 के 4.00 बजे अपराह्न।
6. निविदा परिमाण विपत्र बिक्री का स्थान :– (क) कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, गुमला। (ख) सहायक अभियन्ता, पेयजल एवं स्व0 अवर प्रमण्डल सं0–1 गुमला।
7. निविदा प्राप्ति का स्थान :– (क) कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता, प्रमण्डल, गुमला।

कार्य की विवरणी

क्र0 सं0	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य समाप्ति की अवधि
1	रायडीह प्रखण्ड अंतर्गत पंचायत सिलम, ग्राम सिलम में जलापूर्ति योजना का कार्य।	5,85,612.00	12,000.00	1250.00	02 Month

निविदा की नियम एवं शर्ते :– कार्यालय सूचना पट पर उपलब्ध है।
:– प्राक्कलित राशि आवश्यकतानुसार घट/बढ़ सकती है।

कार्यपालक अभियंता,
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल,
गुमला।

PR 373400 Drinking Water and Sanitation(25-26)D

सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

युवाओं की भूमिका निर्णायक

मातृभाषा की मदद से न केवल क्षेत्रीय भाषाओं के बारे में जानने-समझने में सहायता मिलती है बल्कि एक-दूसरे से बातचीत करना भी आसान हो जाता है। यही वजह है कि भाषा की विविधता को विस्तार से जानने के लिए कई देशों ने इस विषय पर मिलकर काम करने का निर्णय लिया है, जिसके तहत एक क्षेत्र का व्यक्ति किसी दूसरे क्षेत्र के व्यक्ति की मातृभाषा को न केवल जान पाएगा बल्कि उसे सीख भी सकेगा। मानव जीवन में भाषा महत्व को देखते हुए यूनेस्को द्वारा हर साल 21 फरवरी को वैश्विक स्तर पर ह्वअंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवसह्न मनाता जाता है। विभिन्न क्षेत्रों की संस्कृति व बौद्धिक विरासत की रक्षा करने, भाषायी तथा सांस्कृतिक विविधता एवं बहुभाषावाद का प्रचार करने और दुनियाभर की विभिन्न मातृभाषाओं के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा उनके संरक्षण के लिए यह उत्सव मनाने का दिवस है। साथ ही यह भाषाओं की विविधता और बहुभाषिता के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने का भी समय है। अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस मनाने का एक महत्वपूर्ण कारण बहुभाषिता को बढ़ावा देना भी है। बहुभाषिता एक से अधिक भाषा बोलने की क्षमता है, जो कई मायनों में फायदेमंद हो सकती है। यह लोगों को विभिन्न संस्कृतियों को समझने में मदद कर सकती है और उन्हें बेहतर संचारक भी बना सकती है।

अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस प्रतिवर्ष एक महत्वपूर्ण थीम के साथ मनाया जाता है। वर्ष 2026 का विषय है ह्वबहुभाषी शिक्षा पर युवाओं की रायह्न, जो भाषाई विविधता को बढ़ावा देने के लिए प्रौद्योगिकी की रक्षा, पुनर्जीवन और उपयोग में युवाओं की आवश्यक भूमिका को उजागर करता है, यह सुनिश्चित करते हुए कि शिक्षा प्रणाली समावेश को बढ़ावा देने के लिए शिक्षार्थियों की मातृभाषाओं को पहचानती और उनका समर्थन करती है। 2025 में यह दिवस ह्वभाषाएं मायने रखती हैं: अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस का रजत जयंती समारोहह्न विषय के साथ मनाया गया था। अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस 2024 और 2023 की थीम क्रमशः ह्वबहुभाषी शिक्षा अंतर पीढ़ीगत शिक्षा का एक स्तंभ हैह्न तथा ह्वबहुभाषी शिक्षाः शिक्षा को बदलने की आवश्यकताह्न थी। इससे पहले 2022 की थीम ह्वबहुभाषी शिक्षण के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोगः चुनौतियाँ और अवसरह्न थी, जबकि 2021 के मातृभाषा दिवस की थीम थी ह्वशिक्षा और समाज में समावेशन के लिए बहुभाषावाद को प्रोत्साहनह्न।

संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा वर्ष 2019 को स्वदेशी भाषाओं के अंतरराष्ट्रीय वर्ष के रूप में घोषित किया गया था। यूनेस्को द्वारा मातृभाषा दिवस मनाने की घोषणा 17 नवम्बर 1999 को की गई थी और पहली बार वर्ष 2000 में इस दिन को अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के रूप में मनाया गया था। सही मायनों में इस दिवस को मनाए जाने की शुरूआत अपनी मातृभाषा के लिए बांग्ला भाषा बोलने वालों के प्यार के कारण ही हुई थी। 21 फरवरी को ही यह दिवस मनाए जाने का सुझाव कनाडा में रहने वाले बांग्लादेशी रफीकुल इस्लाम ने दिया था, जिन्होंने बांग्ला भाषा आन्दोलन के दौरान ढाका में 1952 में हुई नृशंस हत्याओं को स्मरण करने के लिए यह दिन प्रस्तावित किया था। भाषा के इस बड़े आन्दोलन में मारे गए युवाओं की स्मृति में ही यूनेस्को द्वारा वर्ष 1999 में निर्णय लिया गया कि प्रतिवर्ष 21 फरवरी को दुनियाभर में मातृभाषा दिवस के रूप में मनाया जाएगा।

विश्वभर में इस दिन अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के अवसर पर भाषा तथा संस्कृति से जुड़े विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं और शिक्षा तथा साहित्य से जुड़े लोग विभिन्न भाषाओं को लेकर चर्चा करने के साथ-साथ किसी भी भाषा को सरल व सुगम बनाने के लिए परामर्श भी देते हैं। संयुक्त राष्ट्र के आंकड़ों के मुताबिक दुनियाभर में बोली जाने वाली करीब सात हजार भाषाओं में से 90 प्रतिशत भाषाएं बोलने वाले लोग एक लाख से भी कम हैं। चिंता की बात यह है कि दुनियाभर में बोली जाने वाली सभी भाषाओं में से अब 40 प्रतिशत से अधिक भाषाएं लुप्तप्राय हैं।

संयुक्त राष्ट्र के मुताबिक केवल कुछ सौ भाषाओं को ही शिक्षा प्रणालियों और सार्वजनिक क्षेत्र में जगह मिली है और वैश्विक आबादी के करीब 40 प्रतिशत लोगों ने ऐसी भाषा में शिक्षा प्राप्त नहीं की, जिसे वे बोलते अथवा समझते हैं। डिजिटल दुनिया में तो वैश्विक स्तर पर सौ से भी कम भाषाओं का उपयोग किया जाता है। वैश्वीकरण के इस दौर में बेहतर रोजगार के अवसरों के लिए विदेशी भाषा सीखने की होड़ मातृभाषाओं के लुप्त होने के पीछे एक प्रमुख कारण माना जाता है। लुप्त हो रही भाषाओं के संरक्षण के लिए भारत में ह्वलुप्तप्राय भाषाओं की सुरक्षा और संरक्षणह्न योजना भी चलाई जा रही है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग देश में उच्च शिक्षा पाठ्यक्रमों में क्षेत्रीय भाषाओं को बढ़ावा देने तथा ह्वलुप्तप्राय भाषाओं के लिए केन्द्रीय विश्वविद्यालयों में केन्द्र की स्थापनाह्न योजना के तहत कई केन्द्रीय विश्वविद्यालयों को सहयोग करता है।

भारत की राष्ट्रीय शिक्षा नीति में मातृभाषाओं के विकास पर काफी ध्यान दिया गया है, जिसमें सुझाव दिया गया है कि जहां तक संभव हो, कम से कम पांचवीं कक्षा तक तो शिक्षा का माध्यम मातृभाषा अथवा क्षेत्रीय भाषा ही होना चाहिए। शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 के अनुसार भी शिक्षा का माध्यम, जहां तक व्यावहारिक हो, बच्चे की मातृभाषा ही होनी चाहिए। दरअसल, प्राथमिक स्तर पर मातृभाषा में शिक्षा दिए जाने से यह छात्रों को उनकी पसंद के विषय तथा भाषा को सशक्त बनाने में मददगार साबित होगा और यह भारत में बहुभाषी समाज के निर्माण, नई भाषाओं को सीखने की क्षमता इत्यादि में भी मदद करेगा। प्राथमिक स्तर पर मातृभाषा में शिक्षा की सुविधा के लिए संविधान के अनुच्छेद 350ए में स्पष्ट है कि देश के प्रत्येक राज्य और स्थानीय प्राधिकारी का प्रयास होगा कि वह भाषायी अल्पसंख्यक समूहों के बच्चों को शिक्षा के प्राथमिक चरण में मातृभाषा में शिक्षा प्राप्त करने के लिए पर्याप्त सुविधाएं प्रदान करें। बहरहाल, हालांकि आज भारत सहित कई बड़े देशों में भाषा को सरल एवं सुगम बनाने के लिए कई प्रकार की योजनाएं तैयार की जा रही हैं और छात्रों को विभिन्न भाषाओं की जानकारी मिल सके, इस उद्देश्य से कई विश्वविद्यालयों में भाषा को लेकर नए कोर्स भी तैयार किए जा रहे हैं लेकिन भाषाओं के संरक्षण के लिए गंभीर वैश्विक प्रयासों की सख्त आवश्यकता है।

पृथ्वी की निचली कक्षा में अदृश्य की निगरानी

> पांच वर्षों के भीतर यह संख्या 70,000 तक पहुंचने की उम्मीद है। देशों के लिए चुनौती अब केवल भीड़ और टक्कर के जोखिम का प्रबंधन करना नहीं रह गई है, बल्कि यह सुनिश्चित करना भी है कि उनकी संपत्तियां शत्रुतापूर्ण या दुष्ट तत्वों द्वारा जानबूझकर किए जाने वाले हस्तक्षेप से सुरक्षित रहें।

कृतिका शर्मा

पृथ्वी की निचली कक्षा के शांत, निर्वात-भरे विस्तार में छुपा-छुपी का एक उच्च-दांव वाला खेल चल रहा है। आज अरबों डॉलर के उपग्रहों से लेकर अंतरिक्ष मलबे के नुकीले टुकड़ों तक 24,000 से अधिक वस्तुएं शून्य में तेजी से दौड़ रही हैं। पांच वर्षों के भीतर यह संख्या 70,000 तक पहुंचने की उम्मीद है। देशों के लिए चुनौती अब केवल भीड़ और टक्कर के जोखिम का प्रबंधन करना नहीं रह गई है, बल्कि यह सुनिश्चित करना भी है कि उनकी संपत्तियां शत्रुतापूर्ण या दुष्ट तत्वों द्वारा जानबूझकर किए जाने वाले हस्तक्षेप से सुरक्षित रहें।

विवादित वातावरण में केवल रडार पर किसी वस्तु को देखना ही नहीं, बल्कि उसके इरादे को समझना भी आवश्यक है। जब कोई उपग्रह नहीं चाहता कि उसे पाया जाए, या जब वह कोई अप्रत्याशित युद्धाभ्यास करता है, तो पारंपरिक जमीनी-आधारित ट्रैकिंग अक्सर विफल हो जाती है। इस अंतर को पाटने के लिए, अमेरिका के रक्षा विभाग की डिफेंस इनोवेशन यूनिट ने यूएस स्पेस फोर्सेजझइंडो-पैसिफिक और स्पेस डोमेन अवेयरनेस टूल्स, एप्लिकेशन्स एंड प्रोसेसिंग लैब के साथ साझेदारी में तथा भारत की इनोवेशन्स फॉर डिफेंस एक्सीलेंस के समर्थन से, ह्वड्यूल होराइजन्सः यूएस-इंडिया सैटेलाइट ट्रैकिंग चैलेंजह्न शुरू किया, जो अंतरिक्ष-डोमेन जागरूकता की अगली पीढ़ी को आगे बढ़ाने का एक द्विपक्षीय प्रयास है।

समस्या को समझने के लिए कल्पना कीजिए कि बिना कैमरों या जीपीएस के एक रेगिस्तान में एक स्वचालित वाहन चलाया जा रहा है। उसके स्थान की पुष्टि करने का एकमात्र तरीका यह है कि उसके किसी निश्चित, स्थिर चेकपॉइंट से गुजरने का इंतजार किया जाए। अब इसमें 17,000 मील प्रति घंटे की गति से चल रहे हजारों अन्य वाहनों को जोड़ दीजिए। यदि कोई वाहन अचानक मुड़ जाता है, तो वह प्रभावी रूप से प्रणाली के लिए ह्वखोह्न जाता है।

यही पारंपरिक अंतरिक्ष स्थितिजन्य जागरूकता की वास्तविकता है। मानक तरीके पूर्वानुमेय कक्षीय गणित पर निर्भर करते हैं। यदि कोई उपग्रह ह्वस्क्रिप्टह्न के अनुसार चलता है तो हमें पता होता है कि वह कहां है, लेकिन आधुनिक विरोधी छुपाव और छलपूर्ण युद्धाभ्यास का उपयोग करके गायब हो जाते हैं। जैसे ही कोई उपग्रह अपने अनुमानित मार्ग से विचलित होता है उसे फिर से हासिल करने में घंटे या दिन लग सकते हैं, जिससे महत्वपूर्ण अवसंरचना असुरक्षित हो जाती है।

अमेरिका-भारत ह्वड्यूल होराइजन्सह्न चैलेंज की विजेता दिगंतरा इंडो-पैसिफिक में ह्वब्लाइंड स्पॉट्सह्न को समाप्त करने वाली सैटेलाइट ट्रैकिंग प्रणाली के साथ अंतरिक्ष सुरक्षा को मजबूत कर रही है। ड्यूल होराइजन्स चैलेंज के विजेताओं में से एक, बेंगलुरु स्थित स्टार्ट-अप दिगंतरा के संस्थापक अनिरुद्ध शर्मा एक बड़े भौगोलिक जोखिम की ओर इशारा करते हैं। अमेरिका वर्तमान में ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका में प्राथमिक सेंसर बनाए रखता है। शर्मा कहते हैं, ह्वइनके बीच एक बहुत बड़ा अंतर है।ह्न वे यह भी कहते हैं कि दिगंतरा इस क्षेत्र में उपग्रह गतिविधि को ट्रैक करने के लिए अमेरिकी एजेंसियों के साथ काम कर रही है।

दिगंतरा का विजेता समाधान, स्पेक्ट्रे इन ब्लाइंड स्पॉट्स को उजागर करने का लक्ष्य रखता है। जमीन से आकाश की ओर दृष्टिकोण बदलकर, स्पेक्ट्रे कक्षा से अंतरिक्ष वस्तुओं को ट्रैक करता है। शर्मा बताते हैं, ह्वपरंपरागत रूप से प्रणालियां जमीनी-आधारित होती हैं। हमारा समाधान कक्षा से ट्रैक करता है, जिसका अर्थ है कि हम वायुमंडलीय विकृतियों और रेंज से जुड़ी समस्याओं को पार कर जाते हैं।ह्न अंतरिक्ष में एक गतिशील प्लेटफॉर्म का उपयोग करके, दिगंतरा संपत्तियों पर एक सतत ह्वदृश्यह्न प्राप्त करता है, जिससे अधिक बार डेटा संग्रह और कहीं अधिक सटीकता संभव होती है।

जहां अधिकांश व्यावसायिक कंपनियां आकाश में मौजूद वस्तुओं की जानकारी के लिए अमेरिकी रक्षा विभाग के ह्वकैटलॉगह्न पर निर्भर करती हैं, वहीं दिगंतरा अपना स्वयं का स्वतंत्र भंडार बना रही है। इसके सेंसर सॉफ़्टबॉल जितनी छोटी वस्तुओं का भी पता लगा सकते हैं, जो खुफि या जानकारी की एक विशिष्ट परत प्रदान करते हैं। इस स्वतंत्रता ने स्टार्ट-अप को प्रतिस्पर्धी नहीं, बल्कि एक महत्वपूर्ण साझेदार बनाया है।

दिगंतरा वर्तमान में अमेरिका के साथ डेटा-साझाकरण समझौते के तहत काम करती है, जिससे उसकी विशिष्ट ब्लाइंड-स्पॉट डेटा को मौजूदा अमेरिकी सैन्य कैटलॉग के साथ प्रभावी रूप से जोड़ा जाता है। इंटरऑपरेबिलिटी इसकी सफलता का ह्वप्लग-एंड-प्लेह्न रहस्य है। स्पेक्ट्रे को मौजूदा मिशन नेटवर्क में निर्बाध रूप से एकीकृत होने के लिए डिजाइन किया गया है, जिससे कमांडरों को बिना अपने सॉफ़्टवेयर को नए सिरे से बनाए वास्तविक समय का डेटा मिल सकता है। अब अमेरिका में कार्यालयों और इंडो-पैसिफि क में गहरे संबंधों के साथ, दिगंतरा एक सिस्टम्स इंटीग्रेटर के रूप में स्थापित है।

दिगंतरा की सफलता अमेरिका-भारत समन्वय का एक उदाहरण है। शर्मा कहते हैं, ह्वहम अमेरिकी बाजार में विस्तार के हिस्से के रूप में अपने अमेरिकी कार्यालय में और निवेश करने की योजना बना रहे हैं। हम एक समर्पित टीम और सुविधा का निर्माण कर रहे हैं, जो सैटेलाइट और पेलोड असेंबली के साथ-साथ मिसाइल रक्षा अनुप्रयोगों पर केंद्रित होगी। हाल ही में अमेरिका आधारित एक कार्यक्रम के लिए हमारे चयन ने हमें यह निवेश करने और इस पहल को शुरू करने का आत्मविश्वास और आधार दिया है।ह्न

(अमेरिकी राजदूतावास, नई दिल्ली)

पहरियाणा में एचआईवीः पहचान मजबूत, रोकथाम अभी अधूरी

> यह पहल इस बात का भी संकेत है कि राज्य ने एचआईवी को अब केवल ह्वसीमित समुदायोंह्न या हाशिये के समूहों से जोड़कर देखने के पुराने और संकीर्ण नजरिये से आगे बढ़कर एक व्यापक सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौती के रूप में स्वीकार किया है

डॉ. सत्यवान सौरभ

वित्त वर्ष 2025-26 में हरियाणा सरकार द्वारा 12.4 लाख से अधिक लोगों की एचआईवी जांच और 5877 पॉजिटिव मामलों की पहचान- यह तथ्य पहली दृष्टि में सार्वजनिक स्वास्थ्य तंत्र की सक्रियता, प्रशासनिक इच्छाशक्ति और नीति-स्तरीय गंभीरता का प्रमाण प्रतीत होता है। इतने बड़े पैमाने पर स्क्रीनिंग किसी भी राज्य के लिए न तो सरल होती है और न ही सहज। इसके लिए वित्तीय संसाधन, प्रशिक्षित मानवबल, संस्थागत ढांचा और निरंतर निगरानी की आवश्यकता होती है। इस दृष्टि से देखें तो यह उपलब्धि हरियाणा की स्वास्थ्य व्यवस्था की क्षमता और प्राथमिकताओं को दशार्ती है।

यह पहल इस बात का भी संकेत है कि राज्य ने एचआईवी को अब केवल ह्वसीमित समुदायोंह्न या ह्वहाशिये के समूहोंह्न से जोड़कर देखने के पुराने और संकीर्ण नजरिये से आगे बढ़कर एक व्यापक सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौती के रूप में स्वीकार किया है लेकिन यही आंकड़े जब गहराई से पढ़े जाते हैं, तो वे एक साथ यह चेतावनी भी देते हैं कि संक्रमण की सामाजिक, आर्थिक और व्यवहारिक जड़ें अभी भी मजबूत बनी हुई हैं। सवाल यह नहीं है कि कितने लोगों की जांच हुई, बल्कि यह है कि संक्रमण को जन्म देने वाले कारणों पर कितनी प्रभावी रोक लगी।

राज्य में 104 एकीकृत परामर्श एवं परीक्षण केंद्र और 24 एंटी-रेट्रोवायरल थेरेपी (एआरटी) केंद्रों का संचालन इस बात का संकेत देता है कि जांच के बाद मरीजों को इलाज की निरंतर श्रृंखला से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। 40,000 से अधिक लोगों का नियमित उपचार यह स्पष्ट करता है कि नीति केवल घोषणाओं और कागजी योजनाओं तक सीमित नहीं है। एचआईवी जैसे दीर्घकालिक और आजीवन प्रबंधन की मांग करने वाले रोग में इलाज की निरंतरता उतनी ही महत्वपूर्ण होती है जितनी प्रारंभिक पहचान। इस मोर्चे पर हरियाणा की स्थिति अपेक्षाकृत मजबूत दिखती है, जो कई अन्य राज्यों के लिए एक सीख भी हो सकती है।

इस अभियान का सबसे सकारात्मक और दूरगामी प्रभाव गर्भवती महिलाओं की बड़े पैमाने पर जांच में दिखाई देता है। 5.65 लाख से अधिक गर्भवती महिलाओं की स्क्रीनिंग और 613 पॉजिटिव मामलों की पहचान यह दशार्ती है कि मां से बच्चे में संक्रमण रोकने को गंभीरता से प्राथमिकता दी जा रही है। चिकित्सा विज्ञान यह स्पष्ट कर चुका है कि यदि समय रहते एचआईवी संक्रमित गर्भवती महिला को उपचार और परामर्श मिल जाए तो नवजात को संक्रमण से लगभग पूरी तरह बचाया जा सकता है। यह केवल एक चिकित्सा सफलता नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय का भी प्रश्न है, क्योंकि एचआईवी-मुक्त शिशु को उस कलंक और भेदभाव का सामना नहीं करना पड़ता, जो आज भी संक्रमित बच्चों के जीवन को सीमित कर देता है।

दिसंबर 2021 से लागू 2250 रुपये प्रतिमाह की वित्तीय सहायता योजना, जिसके तहत अब तक 54.3 करोड़ रुपये वितरित किए जा चुके हैं, यह संकेत देती है कि राज्य सरकार बीमारी को केवल चिकित्सा समस्या के रूप में नहीं देख रही। एचआईवी से प्रभावित व्यक्ति अक्सर रोजगार, सामाजिक स्वीकार्यता और आर्थिक स्थिरता- तीनों से वंचित हो जाता है। बीमारी के साथ जुड़ा सामाजिक भय और भेदभाव उसकी आजीविका के अवसरों को भी सीमित कर देता है। ऐसे में यह वित्तीय सहायता इलाज के साथ जीवन की बुनियादी गरिमा बनाए रखने का एक प्रयास है। भले ही मौजूदा आर्थिक परिस्थितियों में यह राशि अपर्याप्त प्रतीत हो।

फिर भी, कुल जांच के मुकाबले 0.47 प्रतिशत की पॉजिटिविटी दर को हल्के में नहीं लिया जा सकता। सार्वजनिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ लंबे समय से यह मानते आए हैं कि एचआईवी के मामले अक्सर वास्तविक संख्या से कम रिपोर्ट होते हैं। सामाजिक कलंक, भय, गोपनीयता को लेकर आशंका और जानकारी की कमी के कारण बड़ी संख्या में लोग स्वैच्छिक जांच से बचते हैं। ऐसे में सामने आए 5877 मामले संभवतः समस्या की पूरी तस्वीर नहीं, बल्कि उसका एक सीमित हिस्सा मात्र हैं। यह दर राज्य में मौजूद उन सामाजिक कारकों की ओर भी संकेत करती है, जो संक्रमण को बढ़ावा देते हैं- जैसे नशीली दवाओं का बढ़ता दुरुपयोग, असुरक्षित यौन व्यवहार, तेज शहरीकरण और प्रवासी श्रमिकों की अस्थिर जीवन-स्थितियां।

यौनकर्मी, ट्रक चालक, निर्माण श्रमिक और नशीली दवाओं के आदी लोग आज भी संक्रमण की श्रृंखला में सबसे अधिक जोखिम में हैं। इनके लिए चलाई जा रही लक्षित परियोजनाएं और ओपिओइड प्रतिस्थापन केंद्र निःस्संदेह सही दिशा में कदम हैं, लेकिन इनकी पहुंच और प्रभाव अभी भी सीमित दिखाई देता है। नशे की समस्या को केवल उपचार या दवा वितरण तक सीमित रखना पर्याप्त नहीं होगा। जब तक इसे सामाजिक पुनर्वास, रोजगार के अवसरों और मानसिक स्वास्थ्य समर्थन से नहीं जोड़ा जाता, तब तक एचआईवी नियंत्रण अधूरा ही रहेगा।

इस पूरी लड़ाई में सबसे बड़ी और सबसे अदृश्य बाधा आज भी कलंक है। लोग बीमारी से कम और समाज की प्रतिक्रिया से अधिक डरते हैं। एचआईवी आज भी नैतिकता, चरित्र और ह्वगलतीह्न के साथ जोड़कर देखा जाता है, जबकि यह एक चिकित्सकीय स्थिति है। यही सोच लोगों को जांच से दूर रखती है, इलाज में देरी कराती है और संक्रमण को चुपचाप फैलने का अवसर देती है। रेड रिबन क्लब, रेडियो जिंगल और सोशल मीडिया अभियानों से जागरूकता बढ़ी है, लेकिन ग्रामीण इलाकों और पारंपरिक सामाजिक संरचनाओं तक यह संदेश अभी भी पूरी मजबूती से नहीं पहुंच पाया है।

एचआईवी नियंत्रण को केवल स्वास्थ्य विभाग की जिम्मेदारी मानना एक बड़ी रणनीतिक भूल होगी। सुरक्षित प्रवास, श्रमिक कल्याण, नशामुक्ति, लैंगिक समानता और वैज्ञानिक यौन शिक्षा, ये सभी विषय सीधे इस समस्या से जुड़े हैं। प्रवासी श्रमिकों के लिए कार्यस्थल पर जांच, परामर्श और इलाज की व्यवस्था न केवल संक्रमण को नियंत्रित कर सकती है, बल्कि उनकी उत्पादकता और सामाजिक सुरक्षा भी बढ़ा सकती है। परिवहन, श्रम, शिक्षा और महिला एवं बाल विकास विभागों के साथ समन्वय के बिना कोई भी प्रयास स्थायी परिणाम नहीं दे सकता।

भारत के ह्वएड्स मुक्तह्न लक्ष्य को हासिल करने में राज्यों की भूमिका निर्णायक है। राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन द्वारा तय की गई रणनीतियों को जमीनी स्तर पर लागू करने में हरियाणा जैसे संसाधन-संपन्न और प्रशासनिक रूप से सक्षम राज्य अगर संतुलित दृष्टिकोण अपनाते हैं, तो वे केवल आंकड़ों में सफलता हासिल नहीं करेंगे, बल्कि नीति-मॉडल के रूप में भी उभर सकते हैं।

अंततः, हरियाणा का एचआईवी जांच अभियान निःस्संदेह एक बड़ी उपलब्धि है। इसने यह साबित किया है कि राजनीतिक इच्छाशक्ति और प्रशासनिक प्रतिबद्धता के साथ बड़े पैमाने पर सार्वजनिक स्वास्थ्य हस्तक्षेप संभव हैं, लेकिन यह सफलता तभी पूर्ण मानी जाएगी जब इसके साथ जुड़ी चेतावनियों को गंभीरता से सुना जाए। यदि राज्य कलंक तोड़ने, रोकथाम को इलाज जितनी प्राथमिकता देने और संक्रमण के सामाजिक कारणों पर ईमानदारी से काम करने में सफल होता है, तो आज के आंकड़े कल की सफलता की कहानी बनेंगे। अन्यथा, यही आंकड़े भविष्य के एक बड़े और गहरे संकट का शुरूआती संकेत बनकर रह जाएंगे।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

क्यों यह दक्षिणमुखी ज्योतिर्लिंग बदल देता है भाग्य

अकाल मृत्यु वह मरे, जो काम करे चांडाल का, काल भी उसका क्या बिगाड़े जो भक्त हो महाकाल का।' काल यानी समय और काल यानी मृत्यु। समय और मृत्यु दोनों ही जिसके आगे नतमस्तक हो जाती हैं, उनको उज्जैन के महाकाल के नाम से जाना जाता है। भगवान महाकाल के दर्शन करने से व्यक्ति का सोया हुआ भाग्य खुल जाता है। उज्जैन का महाकाल मंदिर एकमात्र ऐसा ज्योतिर्लिंग है, जो दक्षिण दिशा की ओर मुख किए हुए हैं। माना जाता है कि दक्षिण दिशा मृत्यु के देवता यमराज की दिशा है। भगवान महाकाल मृत्यु से परे होने की वजह से इस दिशा में विराजमान हैं।

स्वयंभू शिवलिंग

वहीं, उज्जैन के महाकालेश्वर शिवलिंग को स्वयंभू माना जाता है,

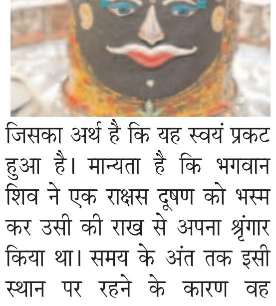

जिसका अर्थ है कि यह स्वयं प्रकट हुआ है। मान्यता है कि भगवान शिव ने एक राक्षस दूषण को भस्म कर उसी की राख से अपना श्रृंगार किया था। समय के अंत तक इसी स्थान पर रहने के कारण वह 'महाकाल' कहलाए।

उज्जैन महाकाल 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक है। यह इस मंदिर में शिवलिंग की स्थापना किसी व्यक्ति ने नहीं की है। यहां पर भगवान महाकाल एक ज्योति के रूप में स्वयं स्थापित हुए हैं। उज्जैन को पृथ्वी की नाभि भी कहा जाता है। प्राचीन काल में उज्जैन गणित और विज्ञान की रिसर्च केंद्र हुआ करता था। जिसकी वजह यह है कि दुनियाभर में मानक समय की गणना करने वाली कर्क रेखा इस स्थान से होकर गुजरती है।

पुराणों में वर्णन

बता दें कि स्कंदपुराण के अवंती खंड में भगवान महाकाल का विवरण मिलता है। पुराणों में भी महाकाल मंदिर का उल्लेख किया गया है। वहीं कालिदास ने मेघदूतम के पहले भाग में महाकाल मंदिर का उल्लेख मिलता है। शिवपुराण के मुताबिक नंद से आठ पीढ़ी पहले एक गोप नामक बालक ने महाकाल की प्राण-प्रतिष्ठा की थी। महाकाल मंदिर का इतिहास कई शताब्दियों में फैला है। इसके निर्माण और पुनर्निर्माण में कई राजवंशों का योगदान रहा है। समय-समय पर विभिन्न राजाओं ने मंदिर का जीर्णोद्धार और विस्तार किया है। वर्तमान समय में मंदिर का स्वरूप मराठा शासकों द्वारा दिए गए योगदान का परिणाम है।

यहां राजा नहीं बिताते हैं रात

बताया जाता है कि उज्जैन पृथ्वी के नाभि केंद्र पर स्थित है। इसी नाभि पर महाकालेश्वर मंदिर विराजमान है। इस कारण से यह सबसे शक्तिशाली मंदिर है। उज्जैन के वास्तविक राजा भगवान महाकाल हैं। इसलिए किसी भी राजा या उच्च पदस्थ व्यक्ति को रात में मंदिर के आसपास नहीं रुकने की परंपरा रही है। माना जाता है कि महाकाल मंदिर के पास जो भी रुकता है, उसका अनिष्ट हो जाता है। क्योंकि देश के चौथे प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई जब महाकाल मंदिर के दर्शन के बाद रात में यहां रुके थे, तो उसके अगले दिन ही उनकी सरकार गिर गई थी। इसी तरह से कर्नाटक के सीएम वीएस येदियुरप्पा भी उज्जैन में रुके थे।

टिप्स

आलू के चिप्स काले नहीं पड़ेंगे

होली का त्योहार रंग और तरह-तरह पकवान के लिए जाना जाता है। चिप्स-पापड़ के बिना होली का त्योहार भी अधूरा लगता है। जैसे ही धूप तेज होने लगी है लोगों की छतों पर आलू के चिप्स सूखते हुए नजर आ जाते हैं। कई घरों में चिप्स-पापड़ बनने शुरू हो गए हैं। हर कोई आलू के चिप्स बनाते समय कुछ न कुछ गलती कर ही देता है। अक्सर होता है कि, जब चिप्स को उबालते हैं, तो यह टूटने लगते हैं। यदि आलू कद्दूकस करते समय खुला छोड़ दिया जाए, तो इनका रंग सफेद से काला हो जाता है। यदि आप पहली बार आलू के चिप्स बनाने जा रहे हैं, तो यह लेख आपके लिए काफी मददगार साबित होगा।

चिप्स बनाने के लिए किस तरह के आलू चूनें?

अगर आप आलू चिप्स बनाने जा रहे हैं, तो सही आलू का चुनाव करना बहुत ही जरुरी होता है। यह एकदम सच है कि चिप्स अच्छे तभी बनेंगे जब आलू का सही चयन किया गया हो।

- ✔ चिप्स बनाने के लिए हमेशा पुराने आलू का चुनाव करें।
- ✔ दरअसल, नए आलू में स्टार्च अधिक होता है, जिससे चिप्स काले या लाल पड़ जाते हैं।
- ✔ आलू बड़े साइज के और बिना दाग-धब्बे वाले होने चाहिए।

आलू का चिप्स बनाने का आसान तरीका

- ✔ आलू को छीलने के बाद तुरंत ही इसे पानी से भरे बर्तन में डालें।
- ✔ चिप्स को काटते समय भी स्लाइस को सीधे पानी में ही गिरने दें।
- ✔ चिप्स को काटने के बाद इनमें 4 से 5 बार साफ पानी से तब तक धोएं, जब तक कि पानी बिल्कुल साफ न दिखने लगे।
- ✔ जब चिप्स को पानी में भिगोते हैं तो उस समय एक छोटा टुकड़ा फिटकरी का डाल दें।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।
प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website : www.metrorays.in**
email : metrorays.ranchi@gmail.com

न्यूज IN ब्रीफ

नगर परिषद वार्ड नंबर 14 के विकास के लिए पंकज कुमार मंडल ने कसी कमर

साहिबगंज : नगर परिषद चुनाव की सरगर्मी के बीच वार्ड नंबर 14 से कर्मठ और जुझारू प्रत्याशी पंकज कुमार मंडल ने अपना चुनावी अभियान तेज कर दिया है। आज क्षेत्र के विभिन्न मोहल्लों में जनसंपर्क करते हुए उन्होंने जनता से अपने पक्ष में मतदान करने की अपील की पंकज कुमार मंडल ने घोषणा की कि उनका चुनाव चिन्ह ₹मोतियों का हार हैजो एकता और वार्ड की सुंदरता का प्रतीक है। उन्होंने मतदाताओं से क्रमांक संख्या 4 पर मुहर लगाकर उन्हें भारी मतों से विजयी बनाने का आग्रह किया।पंकज कुमार मंडल के मुख्य संकल्प स्वच्छ साहिबगंज, सुंदर वाडः वार्ड 14 की गलियों और नालियों की नियमित सफाई सुनिश्चित करना।भ्रष्टाचार मुक्त शासनः सरकारी योजनाओं का लाभ सीधे जरूरतमंदों तक बिना किसी भेदभाव के पहुँचाना।स्वास्थ्य और शिक्षा वार्ड स्तर पर स्वास्थ्य सुविधाओं में सुधार और बच्चों के लिए बेहतर परिवेश तैयार करना। सुरक्षित वार्ड मुख्य चौराहों पर सीसीटीवी और बेहतर लाइट की व्यवस्था करना।

₹मेरा लक्ष्य वार्ड संख्या 14 को साहिबगंज का सबसे विकसित और आदर्श वार्ड बनाना है। 'मोतियों का हार' सिर्फ एक चिन्ह नहीं बल्कि वार्ड की खुशहाली को पिरोने का मेरा वादा है।पंकज कुमार मंडल ने अपील करते हुए कहा कि क्रमांक संख्या 4 पर मोहर लगाकर अपने हक और हकूक की आवाज बुलंद करें।

आवेदन के आधार पर मामले की छानबीन की जा रही है

साहिबगंज : जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र के महादेवगंज अंबाडीहा निवासी सितारा परवीन ने अपने पड़ोसी के ऊपर मारपीट करने का आरोप लगाते हुए जिरवाबाड़ी थाने में शिकायत दर्ज करवाई है। आवेदन में बताया कि मेरा पड़ोसी अशफाक के घर में छह से सात बकरी है। उसका बकरी बार-बार मेरे घर में घुसकर खाना पीना एवं अनाज खा लेता है।यही बात अशफाक को बोलने गई तो वह उसके परिवार के लोग बोले तो वह लोग मिलकर लाठी डांटे से मेरे साथ मारपीट करने लगे जिससे मेरा पैर टूट गया। इधर थाना प्रभारी ने बताया कि आवेदन के आधार पर मामले की छानबीन की जा रही है।

दो बाइक की भीषण टक्कर में दोनों बाइक सवारी युवा के गंभीर रूप से घायल

साहिबगंज : मुफस्सिल थाना क्षेत्र के महादेवगंज बलुवा दियारा सड़क में दो बाइक की भीषण टक्कर में दोनों बाइक सवारी युवा के गंभीर रूप से घायल हो गया।दो घायल तालझारी थाना क्षेत्र के सकरीगली निवासी मनोज कुमार सिंह एवं महादेवगंज निवासी पंकज कुमार यादव हैं। दोनों घायलों को स्थानीय लोगों की मदद से इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती करवाया गया और इसकी जानकारी घायलों के स्वजनों को दी गई। घायल मनोज ने बताया कि मैं अपने भाई के साथ महादेवगंज की ओर गया था भाई को छोड़कर वापस आ रहा था इसी दौरान विपरीत दिशा से आ रहे दूसरा बाइक सवार पंकज के बाइक में टक्कर हो गई जिससे दोनों घायल हो गए स्थानीय लोगों की मदद से इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती करवाया गया जहां डॉक्टर ने तुरंत प्राथमिक उपचार शुरू किया।

प्रतिपुष्टि उपायुक्त कार्यालय को समर्पित करें : हेमंत

साहिबगंज : अपने कार्यालय प्रकोष्ठ में उपायुक्त हेमंत सती ने जिले के शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों से मुलाकात कर उनके समस्याओं से अवगत हुए। इसके साथ ही उपायुक्त द्वारा उपस्थित सभी लोगों से एक-एक कर उनकी समस्याएं सुनी एवं आश्वस्त किया कि संज्ञान में आए हुए सभी शिकायतों की जांच कराते हुए जल्द से जल्द सभी समस्याओं का समाधान किया जाएगा। इसके साथ ही जनता दरबार के दौरान विभिन्न आवेदन शिकायत के रूप में आए जो कि जिले के विभिन्न विभागों से संबंधित थे। ऐसे में जनता दरबार में सभी शिकायतकताओं की समस्याओं को सुनने के बाद उपयुक्त ने संबंधित विभाग के पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी आवेदनों का भौतिक जांच करते हुए उसका समाधान जल्द से जल्द करें। साथ ही उन्होंने सभी संबंधित पदाधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि इन शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करते हुए अपना प्रतिपुष्टि उपायुक्त कार्यालय को समर्पित करें। ताकि शिकायतों के निष्पादन में आसानी हो सके।ज्ञात हो कि हर सप्ताह मंगलवार एवं शुक्रवार को उपायुक्त कार्यालय में जनता दरबार का आयोजन किया जाता है।

प्रशिक्षण कार्यक्रमों से पंचायतों की कार्यक्षमता में वृद्धि होगी : राजेंद्र

साहिबगंज : जिला के बरहरवा प्रखंड अंतर्गत मयूरकोला पंचायत में राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान के तहत आयोजित चार दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुक्रवार को सफलतापूर्वक समापन हो गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में पंचायत स्तर पर कार्यरत जनप्रतिनिधियों और कर्मियों को पंचायत प्रशासन विकास योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन लेखा-जोखा संधारण व जनहितकारी योजनाओं में पारदर्शिता सुनिश्चित करने संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम में विभिन्न पंचायतों के मुखिया पंचायत सचिव एवं पंचायत सहायकों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। समापन अवसर पर मुखिया एलिजाबेथ बेसरा एवं सोना किस्कू सहित सचिव राजेंद्र प्रसाद शाह, सुधीर प्रसाद शाह, बीपीआरओ अरुण शाह, ऑपरेटर गणेश गुप्ता तथा पंचायत सहायक अमित कुमार, टीपू सुल्तान, अपूर्व चक्रवर्ती, सीमाली कुमारी और सुभाष ठाकुर सहित अन्य उपस्थित रहे। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को शासन की योजनाओं को जमीनी स्तर पर प्रभावी ढंग से लागू करने, सामाजिक अंकेक्षण की प्रक्रिया, वित्तीय प्रबंधन की पारदर्शिता डिजिटल कार्य प्रणाली के संचालन की विस्तृत जानकारी दी गई।अधिकारियों ने बताया कि ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रमों से पंचायतों की कार्यक्षमता में वृद्धि होगी और ग्रामीण विकास को नई गति मिलेगी।

त्योहारों में विधि-व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा : डीसी

अश्लील गानों और डीजे पर पूर्ण प्रतिबंध सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ होगी कार्रवाई : एसपी

संवाददाता

साहिबगंज : रमजान और होली के पावन त्योहारों को शांति, सदभाव और सुरक्षा के साथ संपन्न कराने हेतु जिला प्रशासन ने कमर कस ली है। समाहरणालय सभागार में उपायुक्त हेमंत सती की अध्यक्षता में महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में पुलिस अधीक्षक अमित कुमार सिंह समेत जिले के वरीय पदाधिकारी और शांति समिति के सदस्य उपस्थित रहे।संवेदनशील क्षेत्रों पर रहेगी तीसरी आँख की नजर बैठक को संबोधित करते हुए उपायुक्त हेमंत सती ने स्पष्ट किया कि त्यौहारों के दौरान विधि-व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने सभी प्रखंड विकास पदाधिकारियों अंचलाधिकारियों और थाना प्रभारियों को निर्देश दिया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में लगातार गश्त करें और असामाजिक तत्वों पर कड़ी निगरानी रखें।दंडाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति जिले के सभी संवेदनशील और प्रमुख स्थानों पर पर्याप्त संख्या में दंडाधिकारियों और पुलिस बल के जवानों की तैनाती के निर्देश दिए गए हैं।फ्लैग मार्च और निगरानी

पुलिस अधीक्षक ने सभी थाना प्रभारियों को अपने क्षेत्रों में फ्लैग मार्च करने और स्थानीय शांति समितियों के साथ निरंतर संवाद बनाए रखने को कहा है। कड़े प्रतिबंध और छापेमारी के निर्देश त्यौहार की गरिमा बनाए रखने के लिए प्रशासन ने कड़े रुख अख्तियार किए हैं।अश्लील गाने और डीजे पर रोकहोली के दौरान डीजे बजाने और अश्लील व भड़काऊ गाने बजाने पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। नियमों का उल्लंघन करने वाले संचालकों पर तत्काल कार्रवाई की जाएगी और उपकरण जब्त किए जाएंगे।अवैध शराब पर नकेल उपायुक्त ने उत्पाद विभाग और पुलिस को निर्देश दिया है कि अवैध शराब के अड्डों पर सघन छापेमारी की जाए। त्यौहारों के दौरान शराब की अवैध बिक्री और भंडारण पर शून्य सहिष्णुता की नीति अपनाई जाएगी।सोशल मीडिया की निगरानी साइबर सेल को सक्रिय कर दिया गया है। फेसबुक, व्हाट्सएप और इंस्टाग्राम जैसे प्लेटफॉर्म पर भड़काऊ पोस्ट, अफवाह या विद्वेष फैलाने वाली सामग्री डालने वालों को चिन्हित कर दंड प्रक्रिया संहित की सुसंगत धाराओं के तहत जेल भेजा जाएगा।सांप्रदायिक सौहार्द सर्वोपरि उपायुक्त ने अपील की है कि साहिबगंज जिला हमेशा से गंगा-जमुनी तहजीब का उदाहरण रहा है। रमजान और होली का संयोग आपसी प्रेम का प्रतीक है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि बिजली, पानी और साफ-सफाई जैसी बुनियादी सुविधाओं में कोई कमी न आए ताकि श्रद्धालुओं और आम जनता को असुविधा न हो।

बैठक में उपस्थित वरीय अधिकारी इस महत्वपूर्ण बैठक में उप विकास आयुक्त सतीश चंद्रा, परियोजना निदेशक आईटीडीए संजय कुमार दास, अपर समाहर्ता गौतम भगत, अनुमंडल पदाधिकारी साहिबगंज अमर जॉन आईन्द, अनुमंडल पदाधिकारी राजमहल सदानंद महतो, वन प्रमंडल पदाधिकारी तथा अन्य जिला स्तरीय पदाधिकारी एवं पुलिस बल के अधिकारी मुख्य रूप से उपस्थित थे।

ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते के तहत बरहरवा स्टेशन से पांच नाबालिगों का हुआ रेस्क्यू

संवाददाता

साहिबगंज/बरहरवा : रेलवे परिसर में बाल सुरक्षा एवं यात्री संरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से बरहरवा रेलवे स्टेशन पर ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते के तहत विशेष अभियान चलाया गया। यह अभियान मालदा मंडल के मंडल रेल प्रबंधक मनीष कुमार गुप्ता के मार्गदर्शन तथा मंडल सुरक्षा आयुक्त, आरपीएफ, मालदा आशीम कुमार कुल्लू के पर्यवेक्षण में संपन्न हुआ।अभियान के दौरान आरपीएफ पोस्ट बरहरवा की टीम ने स्टेशन के सकुर्लेटिंग एरिया में सघन जांच अभियान चलाया। इस क्रम में पाँच नाबालिग बालक असुरक्षित एवं संदिग्ध परिस्थिति में पाए गए। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए आरपीएफ जवानों ने तत्परता दिखाते हुए सभी बालकों को सुरक्षित अभिरक्षा में लिया।प्राथमिक पूछताछ एवं आवश्यक औपचारिकताओं की पूर्ति के बाद रेस्क्यू किए गए सभी नाबालिगों को आगे की देखभाल, परामर्श एवं वैधानिक प्रक्रिया हेतु बाल संरक्षण इकाई ह्लबाल संरक्षण मंथन, बरहरवा को सुपुर्द कर दिया गया।

रेलवे अधिकारियों ने बताया कि ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते का उद्देश्य स्टेशन परिसर में भटक रहे, लापता अथवा असुरक्षित बच्चों की पहचान कर उन्हें सुरक्षित संरक्षण उपलब्ध कराना है। यह कार्रवाई आरपीएफ की सतर्कता, मानवीय संवेदनशीलता और रेलवे परिसरों को सुरक्षित एवं संरक्षित बनाए रखने की प्रतिबद्धता को दशार्ती है।

रमजान के पहले जुमा की नमाज अकीदत के साथ अदा की गई

संवाददाता

साहिबगंज/उधवा : रमजान के पहले जुमा की नमाज शुक्रवार को अकीदत के साथ अदा की गई। जानकारी के अनुसार प्रखंड के उधवा, इंग्लिश, कटहलबाड़ी, बेगमगंज, चांदशहर, प्राणपुर, पियारपुर समेत अन्य मस्जिदों में रमजानुल मुबारक के पहले जुमा की नमाज अदा की गई। नमाज अदा करने के बाद रोजेदारों ने अमन चैन की दुआएं मांगी। कई मस्जिदों में लोगों की भीड़ उमड़ गई। मस्जिदों का प्रांगण नमाजियों से खचाखच भरा था। जुमा को लेकर व्यापक इंतजाम किए गए थे। पहला जुमा को लेकर मुस्लिम समुदाय के लोगों के बीच खासा उत्साह देखने को मिला।पहला जुमा की नमाज अदा करने के लिए समय से पहले ही सज-धज कर लोग तैयार होकर मस्जिद की ओर बढ़े। वही जुमा मस्जिदों के इमाम साहब ने उपस्थित लोगों को बताया की इस मुकद्दस महीना को अल्लाह के करीब पहुंचाने का महीना है। इस महीने में रोजा रखकर पांचों वक्त नमाज अदा कर अल्लाह के करीब पहुंच सकते है। इस पाक महीना में अल्लाह की नेक रहमते बरकत बंदों पर बरसती है। रोजा का मतलब सिर्फ भूखे प्यासे रहना नही है। रोजा के जरिए इंसानों में तकवा व परहेजगारी आ सके। नफ्स पर नियंत्रण का नाम ही रोजा है। रोजा एक ऐसा फर्ज इबादत है जो अल्लाह को बेहद पसंद है। इसी पाक महीने में कुरान पाक नाजिल की गई थी। इसलिए इसे जश्न ए कुरान का महीना कहा जाता है। इस पाक महीने में की जाने वाली हर नेकी का शवाब सत्तर गुणा बढ़ा दिया जाता है। अल्लाह ने फरमाया है की इस पाक महीने में जो बंदे गरीब लाचार असहाय लोगों को जकात देते है। अल्लाह उनपर मेहरबान होते है।

दंत चिकित्सक डॉ. देवजीत रहे नदारद मरीज परेशान

संवाददाता

साहिबगंज : सीएस व डीएस के निर्देश के बाद भी कुछ डॉक्टर अपनी ड्यूटी समय पर नहीं पहुंच रहे तो कोई नदारद पाए जाते है।ऐसा ही मामला एक बार फिर सदर अस्पताल के दंत विभाग में देखने को मिला।दोपहर करीब 12 बजे अपने ड्यूटी से नदारद रहे।उनकी कुर्सी खाली रही।हालांकि इस दौरान डॉ. सारिका व डेंटल हाइजेनिष्ट ओटी में मरीज को देख रहे थे।दरअसल सदर अस्पताल में तीन दंत चिकित्सक है। इसमें दंत चिकित्सक डॉ.भारती कुमारी छुट्टी पर है।इस बीच दंत चिकित्सक देवजीत राम अपने ड्यूटी से गायब रहे। इस दौरान सिर्फ एक डॉ.सागरिका व डेंटल हाइजेनिष्ट के भरोसे डेंटल विभाग चल रहा है।वही मरीजों का आरोप है कि यहां तीन दंत चिकित्सक होने के बावजूद मरीजों को इसका लाभ नहीं मिल पा रहा है।इसके चलते मरीज को इलाज में काफी विलंब हो रहा है।

सभी कार्य निर्धारित मानकों के अनुरूप ही संपन्न किए जाएं : हेमंत सती

संवाददाता

साहिबगंज : उपायुक्त साहिबगंज हेमंत सती द्वारा आज साहिबगंज कॉलेज परिसर में नव निर्मित पुस्तकालय भवन एवं छात्रावास का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने निर्माण कार्यों की प्रगति गुणवत्ता व उपलब्ध सुविधाओं का जायजा लिया तथा संबंधित अधिकारियों एवं कार्य एजेंसी को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।उपायुक्त ने पुस्तकालय भवन में विद्यार्थियों के लिए पर्याप्त बैठने की व्यवस्था, प्रकाश एवं वेंटिलेशन की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि पुस्तकालय विद्यार्थियों के अध्ययन का प्रमुख केंद्र होता है। इसलिए इसकी गुणवत्ता एवं सुविधाओं में किसी प्रकार की कमी नहीं रहनी चाहिए।छात्रावास निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने परिसर की साफ-सफाई पर विशेष जोर दिया। उन्होंने छात्रावास प्रबंधन को नियमित सफाई पेयजल शौचालयों की स्वच्छता व सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ रखने के निर्देश दिए। साथ ही छात्रों के लिए अनुकूल एवं सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करने पर बल दिया।उपायुक्त ने संबंधित पदाधिकारियों को निर्माण कार्य समयबद्ध रूप से पूर्ण करने का निर्देश देते हुए कहा कि सभी कार्य निर्धारित मानकों के अनुरूप ही संपन्न किए जाएं, ताकि विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक सुविधाएं उपलब्ध हो सकें।

भागलपुर से बोरियो आ रहा ट्रक संतुलन खोने से पलटा

साहिबगंज : बोरियो-बोआरीजोर मुख्य पथ के दनवार चेक नाका के पास भागलपुर से बोरियो आ रहा ट्रक संतुलन खोने से पलट गया।हादसे में चालक एवं खलासी घायल हो गए। मिली जानकारी के अनुसार भागलपुर से ट्रांसपोर्ट का समान लेकर ट्रक बोरियो की ओर आ रहा था।दनवार चेक नाका के समीप संतुलन खो देने से ट्रक पलट गया।दुघर्टना में चालक प्रवीण यादव 45 बिहार के भागलपुर जिला के थाना सबौर निवासी एवं खलासी सुभाष कुमार राय 35 आंशिक रूप से घायल हो गए।घटना की सूचना मिलते हीं पुअनि सिद्धार्थ शंकर टोप्पो एवं एएसआई सुधीर कुमार तिवारी घटना स्थल पहुंच कर दोनों घायलों को बोरियो सीएचसी में भर्ती कराया।

संजना की मौत कैसे हुई है या स्पष्ट नहीं हो पा रहा है : परिजन

साहिबगंज : नगर थाना क्षेत्र के रसूलपुर दहला निवासी संजना कुमारी 24 वर्ष की संदेहास्पद मौत हो गई।स्वजनों ने इलाज के इलाज के लिए सदर अस्पताल लेकर पहुंचे जहां डाक्टर ने मृत घोषित कर दिया।स्वजन संजना के शव को अपने साथ लेकर घर चले गए। संजना की मौत कैसे हुई है या स्पष्ट नहीं हो पा रहा है। बताया जा रहा है कि संजना बाजार गई थी फिर वह घर वापस आई वह घर में गीर गई जिससे अचानक उसकी तबीयत ज्यादा बिगड़ गई स्वजनों ने आनन-फानन में इलाज के लिए सदर अस्पताल लेकर पहुंचे लेकिन रास्ते में संजना की मौत हो गई।

चोरी की घटना में संलिप्त पूर्व में रहे लोगों का डाटा तैयार कर उस पर नजर बनाए रखें : एसपी

संवाददाता

साहिबगंज : पुलिस लाइन के पुलिस अधीक्षक कार्यालय स्थित सभागार कक्ष में शुक्रवार को नगर निकाय चुनाव होली और रमजान के मद्देनजर मासिक अपराध नियत्रंण गोष्ठी की बैठक हुई। इसकी अध्यक्षता एसपी अमित कुमार सिंह ने की। अपराध गोष्ठी में एसपी ने थाना प्रभारियों को संबोधित करते हुए अपराध नियंत्रण सम्बंधी टिप्स दिए। उन्होंने कहा कि अपराध नियंत्रण के लिए पुलिस को पूरी तरह सतर्क रहने की जरूरत है। किसी भी हाल में कोताही नहीं बरतें। एसपी ने नशा उत्पादों पर रोक लगाने, मोटरसाइकिल की चोरी व घरों में चोरी पर रोक लगाने का विशेष निर्देश दिया। कहा कि रात्रि गश्ती पर विशेष फोकस करें। गश्ती के दौरान संदिग्ध लोगों की जांच करें। चौक, चैराहों व सन्नाटों में बेवजह खड़े लोगों से पूछताछ करें। हर गली मोहल्लों में पेट्रोलिंग करें। चोरी की घटना में संलिप्त पूर्व में रहे लोगों का डाटा तैयार कर उस पर नजर बनाए रखें। उन्होंने थाना में लंबित कांडों की समीक्षा करते हुए जल्द से जल्द निष्पादन करने का निर्देश दिया। एसपी ने लाल वारंटियों को गिरफ्तार करने, सुचारू रूप से वाहन जांच अभियान चलाने, अवैध लॉटरी, जुआ के अड्डे व गांजे जैसे अवैध कारोबार पर नकल कसने का निर्देश दिया। उन्होंने जेल से छूटने वाले लोगों को चिन्हित कर उन पर पैनी नजर बनाए रखने का निर्देश दिया। साथ ही लोगों से बेहतर तालमेल बनाने, थानों में उनकी समस्या सुनने, सूचना तंत्र को मजबूत बनाने, जमीनी विवाद पर त्वरित कार्रवाई करने का निर्देश दिया। मौके पर सदर डीएसपी विजय कुशवाहा, सदर एसडीपीओ किशोर तिर्की, बरहरवा एसडीपीओ नितिन खंडेलवाल, राजमहल एसडीपीओ विमलेश कुमार त्रिपाठी, सभी पुलिस निरीक्षक सहित जिले के सभी थाना प्रभारी मौजूद थे।

दुबई चैम्पियनशिप 2026: एलिना स्वितोलिना ने कोको गॉफ को हराकर फाइनल में बनाई जगह, जेसिका पेगुला से होगा मुकाबला

एजेंसी

दुबई : दुबई में खेले जा रहे दुबई चैम्पियनशिप 2026 के महिला एकल सेमीफाइनल में शुक्रवार रात यूक्रेन की स्टार खिलाड़ी एलिना स्वितोलिना ने अमेरिका की कोको गॉफ को 6-4, 6-7(13), 6-4 से हराकर फाइनल में प्रवेश कर लिया। अब खिताबी मुकाबले में उनका सामना जेसिका पेगुला से होगा। एलिना स्वितोलिना ने विश्व नंबर चार कोको गॉफ के खिलाफ हालिया जीत की लय को बरकरार रखा। पिछले महीने ऑस्ट्रेलियन ओपन के क्वार्टरफाइनल में सीधे सेटों में जीत दर्ज करने के बाद यह उनकी गॉफ पर लगातार दूसरी जीत है। लगभग तीन घंटे तक चले इस रोमांचक मुकाबले में दोनों खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। पहले सेट में दो बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन कोको गॉफ डबल फॉल्ट से जूझती नजर आईं, जिसका फायदा उठाते हुए स्वितोलिना ने 6-4 से सेट अपने नाम कर लिया। दूसरे सेट में गॉफ ने जोरदार वापसी की और अपने जुझारू खेल का प्रदर्शन करते हुए मुकाबले को टाईब्रेक तक पहुंचाया। 15-13 के रोमांचक टाईब्रेक में गॉफ ने चार मैच प्वाइंट बचाकर मुकाबला बराबरी पर ला दिया, जिससे दर्शकों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला।

निर्णायक तीसरे सेट में मुकाबला बेहद करीबी रहा। नौवां गेम अहम साबित हुआ, जो कई बार ड्यूस तक पहुंचा। आखिरकार स्वितोलिना ने संयम बनाए रखते हुए 5-4 की बढ़त बनाई और फिर सर्विस होल्ड करते हुए मैच अपने नाम कर लिया। मैच के बाद स्वितोलिना ने कहा, ह्लइतनी कड़ी टक्कर के बाद मैं शब्दों में अपनी भावना व्यक्त नहीं कर सकती। मैंने हर पॉइंट ऐसे खेला जैसे कोई कल नहीं है। फाइनल में दोबारा पहुंचना मेरे लिए बेहद खास है। कोको एक बड़ी फाइटर हैं और मुझे उनकी वापसी की उम्मीद थी। उदूसरे सेमीफाइनल में जेसिका पेगुला ने अपनी हमवतन अमांडा अनिसिमोवा को 1-6, 6-4, 6-3 से हराकर फाइनल में जगह बनाई। अब खिताबी मुकाबले में स्वितोलिना और पेगुला के बीच रोमांचक भिड़ंत देखने को मिलेगी।

कतर ओपन: वर्ल्ड नंबर 1 कार्लोस अल्काराज ने डिफेंडिंग चैंपियन आंद्रेई रुबलेव को हराकर फाइनल में बनाई जगह

एजेंसी

दोहा : कतर ओपन टेनिस टूनार्मेंट में वर्ल्ड नंबर 1 स्पेन के कार्लोस अल्काराज ने शुक्रवार रात डिफेंडिंग चैंपियन आंद्रेई रुबलेव को 7-6(3), 6-4 से हराकर फाइनल में प्रवेश कर लिया। वर्ष 2026 में अल्काराज की यह लगातार 11वीं जीत है। पिछले 13 टूनार्मेंट में यह उनका 12वां फाइनल है, जो उनकी निरंतरता और शानदार फॉर्म को दशार्ता है। पहले सेट में रुबलेव ने कड़ी टक्कर दी। 0-3 से पिछड़ने के बाद उन्होंने मुकाबले को टाईब्रेक तक पहुंचाया, लेकिन बैकहैंड पर की गई 14 अनफोर्स्ड गलतियां उनके लिए नुकसानदायक साबित हुईं। टाईब्रेक में अल्काराज ने संयम बनाए रखा और 6-3 की बढ़त हासिल की। इसी दौरान निराश रुबलेव ने गुस्से में अपना रैकेट घुटने पर मार दिया, जिससे उसकी स्ट्रिंग भी टूट गई। अंततः अल्काराज ने शानदार फोरहैंड के साथ पहला सेट अपने नाम कर लिया। दूसरे सेट में अल्काराज ने दो बार सर्विस ब्रेक कर 5-3 की बढ़त बनाई और मैच जीतने के लिए सर्व कर रहे थे। हालांकि रुबलेव ने तीन मैच प्वाइंट बचाते हुए वापसी की कोशिश की, लेकिन अल्काराज ने अगली ही गेम में फिर ब्रेक हासिल कर लिया। छठे मैच प्वाइंट पर रुबलेव का बैकहैंड बाहर चला गया और अल्काराज ने मुकाबला अपने नाम कर लिया। 22 वर्षीय अल्काराज ने मैच के बाद कहा कि उन्हें अपनी क्षमताओं पर पूरा भरोसा है और हर मुकाबले में बेहतर बनने की कोशिश ही उनकी सफलता का आधार है। हाल के चार ग्रैंड स्लैम में वे फाइनल तक पहुंचे हैं और उनमें से तीन खिताब जीत चुके हैं। दूसरे सेमीफाइनल में याकुब मेन्सिक का सामना आर्थर फिल्स से होगा। अब सभी की निगाहें फाइनल मुकाबले पर टिकी हैं, जहां अल्काराज खिताब जीतने के इरादे से उतरेंगे।

माइक टायसन के खिलाफ एग्ज़िबिशन मुकाबले के बाद संन्यास तोड़ेंगे फ्लॉयड मेवेदर

लॉस एंजेलिस : पूर्व विश्व चैंपियन मुक्केबाज फ्लॉयड मेवेदर ने शुक्रवार को घोषणा की है कि वह माइक टायसन के खिलाफ एग्ज़िबिशन मुकाबले के बाद पेशेवर बॉक्सिंग में वापसी करेंगे। 48 वर्षीय मेवेदर ने 2017 में 50 मुकाबलों में अपराजित रहते हुए संन्यास लिया था, हालांकि इसके बाद उन्होंने कई प्रदर्शनी मुकाबलों में हिस्सा लिया। मेवेदर ने एक बयान में कहा कि उनके पास अभी भी बॉक्सिंग में नए रिकॉर्ड बनाने की क्षमता है। उन्होंने दावा किया कि माइक टायसन के साथ होने वाले मुकाबले से लेकर अपने अगले पेशेवर फाइट तक, उनके इवेंट्स सबसे ज्यादा दर्शक, वैश्विक प्रसारण और कमाई दर्ज करेंगे। रिपोर्ट्स के अनुसार, उनका पहला पेशेवर मुकाबला इस गर्मी में प्रस्तावित है, हालांकि प्रतिद्वंद्वी के नाम की घोषणा अभी नहीं की गई है। विस्तृत जानकारी आने वाले हफ्तों में साझा की जाएगी। मनी के नाम से मशहूर मेवेदर कभी दुनिया के सबसे ज्यादा कमाई करने वाले खिलाड़ी रहे हैं। वर्ष 2015 में उनकी कमाई 300 मिलियन अमेरिकी डॉलर बताई गई थी। अपने करियर के चरम पर उन्हें पाउंड-फॉर-पाउंड श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ माना जाता था और उन्होंने एक दशक से अधिक समय तक वेल्टरवेट डिवीजन में दबदबा बनाए रखा।

हालांकि, मेवेदर का करियर विवादों से भी जुड़ा रहा। उनकी रक्षात्मक शैली को लेकर आलोचना हुई और कुछ लोगों ने उन पर कठिन प्रतिद्वंद्वियों से बचने के आरोप लगाए। घरेलू हिंसा के मामलों में उन्हें जेल की सजा भी काटनी पड़ी। इसके बावजूद उनकी फिटनेस, अनुशासन और खेल समझ ने उन्हें रिंग में सम्मान दिलाया। मेवेदर का आखिरी पेशेवर मुकाबला 2017 में यूएफसी स्टार कॉनर मैकग्रेगर के खिलाफ था। इसके बाद उन्होंने कई एग्ज़िबिशन फाइट लड़ीं, जिनमें अगस्त 2024 में मेक्सिको में जॉन गोटी तृतीय पर जीत भी शामिल है। रिपोर्ट्स के अनुसार, माइक टायसन के साथ उनका एग्ज़िबिशन मुकाबला 25 अप्रैल को कांगो में हो सकता है, हालांकि तारीख और स्थान की आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है। 59 वर्षीय ह्यआयरन माइकह्न टायसन ने नवंबर 2024 में टेक्सास में यूट्यूबर से पेशेवर मुक्केबाज बने जेक पॉल के खिलाफ मुकाबला लड़ा था, जिसमें उन्हें एकतरफा हार का सामना करना पड़ा। उस मुकाबले को करीब 70 हजार दर्शकों ने स्टेडियम में देखा, जबकि दुनिया भर में लाखों लोगों ने प्रसारण के जरिए मुकाबला देखा।

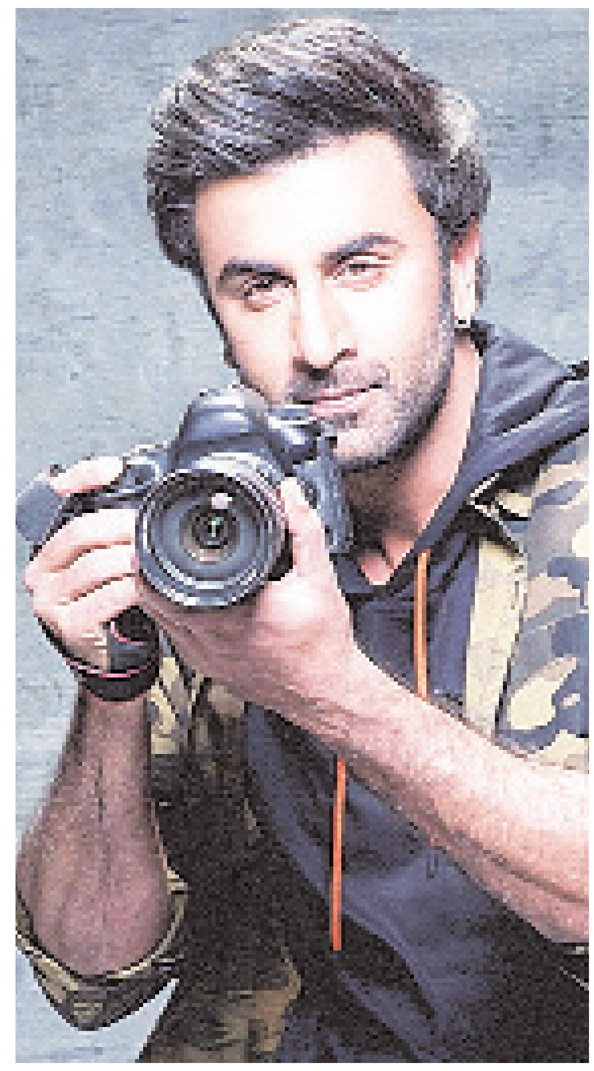

रणबीर कपूर ने फैंस को सुनाई बुरी खबर

नहीं बनेगा उनकी इस ब्लॉकबस्टर फिल्म का सीक्वल

बॉलीवुड के मशहूर अभिनेता रणबीर कपूर ने हाल ही में सोशल मीडिया पर एक लाइव सेशन में अपने फैंस से बातचीत की. हालांकि उन्होंने एक ऐसी खबर सुनाई जिसने उनके फैंस का दिल तोड़ दिया. उन्होंने अपनी एक ब्लॉकबस्टर फिल्म पर बड़ा बयान दिया है.

बॉलीवुड में लगातार सीक्वल का दौर जारी है. एक के बाद एक हिंदी सिनेमा में सीक्वल पर सीक्वल बन रहे हैं. हालिया दिनों की बात करें तो 'बॉर्डर' के 29 सालों के बाद 'बॉर्डर 2' पिछले महीने ही रिलीज हुई. 2025 में आई ब्लॉकबस्टर फिल्म 'धुरंधर' का सीक्वल अगले महीने यानी मार्च में दस्तक देने जा रहा है. वहीं, संजय मिश्रा और नीना गुप्ता की फिल्म 'वध' का सीक्वल 'वध 2' भी हाल ही में रिलीज हुआ है. इनके अलावा आने वाले वक्त में और भी कई सीक्वल देखने को मिलेंगे.

बॉलीवुड अभिनेता रणबीर कपूर के पास भी उनकी दो शानदार फिल्मों के सीक्वल हैं. रणबीर कपूर ने साल 2022 में अपनी पत्नी और दिग्गज एक्ट्रेस आलिया भट्ट के साथ 'ब्रह्मास्त्र' फिल्म में काम किया था. फैंस को लंबे वक्त से इसके सीक्वल का इंतजार है. वहीं, साल 2023 में रणबीर ब्लॉकबस्टर फिल्म 'एनिमल' में नजर आए थे. रणबीर इसका भी सीक्वल लाने वाले हैं, जिसे 'एनिमल पार्क' नाम दिया गया है. हालांकि, फैंस को उनकी एक और बेहतरीन फिल्म के सीक्वल का इंतजार था. लेकिन, रणबीर ने उसे लेकर फैंस नहीं आएगा इस बेहतरीन फिल्म का सीक्वल.

संजू, ब्रह्मास्त्र, ए दिल है मुश्किल और एनिमल जैसी फिल्मों से दर्शकों के दिलों में अहम जगह बनाने वाले रणबीर कपूर इस जनरेशन के सबसे बेहतरीन एक्टर में से एक माने जाते हैं. हाल ही में अभिनेता ने अपने वेंचर ऋ्रयस के इंस्टाग्राम अकाउंट पर लाइव आकर अपनी शानदार फिल्म 'ये जवानी है दीवानी' पर एक बड़ा बयान दिया. ये जवानी है दीवानी साल 2013 में आई थी जिसमें उनकी जोड़ी अभीनेत्री दीपिका पादुकोण के साथ बनी थी. लाइव सेशन में अभिनेता से उनकी पुरानी फिल्मों के सीक्वल के बारे में सवाल किया गया था. खासकर फैंस ये जवानी है दीवानी के सीक्वल पर अपडेट चाहते थे, लेकिन उन्हें निराशा झेलनी पड़ी है. रणबीर ने इसे लेकर कहा, 'बहुत से लोग पार्ट 2 चाहते हैं, लेकिन नई फिल्में, नए डायरेक्टर और नए आइडिया बहुत हैं जिन पर काम करना है. मुझे लगता है ये जवानी है दीवानी का अंत बहुत परफेक्ट था. इसलिए मुझे नहीं लगता कि इसमें पार्ट 2 की जरूरत है. '

ब्लॉकबस्टर निकली थी फिल्म

ये जवानी है दीवानी 31 मई 2013 को रिलीज हुई थी. इस रोमांटिक कॉमेडी फिल्म का डायरेक्शन अयान मुखर्जी ने किया था और करण जौहर इसके प्रोड्यूसर थे. 75 करोड़ में बनी फिल्म दुनियाभर में 318 करोड़ रुपये कमाकर ब्लॉकबस्टर साबित हुई थी.

हस्तर की दुनिया में लौटेगा खौफ!

विलेन के रोल में दिखेंगे अक्षय खन्ना या नवाजुद्दीन? सोहम शाह ने कसी कमर

साल 2018 में रिलीज हुई फिल्म 'तुम्बाड' ने अपनी अनोखी कहानी, शानदार विजुअल्स और हस्तर के खौफ से दर्शकों के रोंगटे खड़े कर दिए थे. ये फिल्म वक्त के साथ एक ऐसी कल्ट क्लासिक बन गई कि 2024 में जब इसे दोबारा रिलीज किया गया, तो इसने नए रिकॉर्ड बना डाले. अब इसके सीक्वल 'तुम्बाड 2' को लेकर एक बहुत बड़ी खबर सामने आ रही है. फिल्म के एक्टर और प्रोड्यूसर सोहम शाह ने इस बार फिल्म को और भी ग्रैंड बनाने के लिए पेन स्टूडियोज के जयंतीलाल गडा के साथ हाथ मिलाया है. पेन स्टूडियोज वही बैनर है जिसने 'आरआरआर' और 'गंगूबाई काठियावाड़ी' जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्में दी हैं, जिससे साफ है कि इस बार हस्तर की दुनिया पहले से कहीं ज्यादा बड़ी और भयानक होने वाली है. 'तुम्बाड 2' की कहानी इस बार पहले से कहीं ज्यादा डार्क और कॉम्प्लिकेटेड होने वाली है और फिल्म की सबसे बड़ी हाईलाइट इसका 'विलेन' होगा.

कैसा होगा फिल्म का नया शैतान?

फिल्म से जुड़े करीबी सूत्रों की मानें तो मेकर्स इस बार एक ऐसे दमदार विलेन की तलाश में हैं जो स्क्रीन पर सोहम शाह के किरदार विनायक राव को कड़ी टक्कर दे सके. इस रोल के लिए बॉलीवुड के दो बेहतरीन कलाकारों अक्षय खन्ना और नवाजुद्दीन सिद्दीकी के नामों पर विचार किया जा रहा है. ये दोनों ही अभिनेता अपने किरदारों में जान दाल देते हैं और यही 'तुम्बाड' जैसी फिल्म की जरूरत है.

मेकर्स का उद्देश्य सिर्फ एक डरावना विलेन पेश करना नहीं है, बल्कि वे एक ऐसा 'लेयर्ड' किरदार चाहते हैं जिसकी अपनी सोच और गहराई (डेप्थ) हो. अक्षय खन्ना अपनी शांत लेकिन परफेक्ट एक्टिंग के लिए मशहूर हैं, वहीं नवाजुद्दीन सिद्दीकी किसी भी डार्क किरदार में जान फूंकने का हुनर रखते हैं. जानकारी के मुताबिक कि फिल्म की टीम एक ऐसे चेहरे की तलाश में है जो डरावना होने के साथ-साथ दर्शकों के दिलों में डर पैदा कर सके. हालांकि अभी तक कास्टिंग को लेकर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है, लेकिन इन दो नामों ने फैंस के बीच फिल्म को लेकर एक्साइटमेंट सातवें आसमान पर पहुंचा दी है.

बड़े पैमाने पर तैयार हो रहा है तुम्बाड यूनिवर्स

सोहम शाह के लिए 'तुम्बाड 2' सिर्फ एक अगली फिल्म नहीं है, बल्कि ये उनके उस सिनेमाई यूनिवर्स का विस्तार है जिसे उन्होंने बरसों की मेहनत से बनाया है. पेन स्टूडियोज के आने से फिल्म को न केवल बड़े प्रोडक्शन का साथ मिला है.

भारत में पहली बार धमाल मचाने आ रहे कान्ये वेस्ट

दिल्ली में होगा ऐतिहासिक कॉन्सर्ट

भारत में लाइव म्यूजिक और इंटरनेशनल कॉन्सर्ट्स का क्रेज लगातार बढ़ता जा रहा है। इस कड़ी में अब लोगों के बीच अमेरिकी रैपर और सॉन्गराइटर कान्ये वेस्ट के लाइव परफॉर्मेंस को लेकर जमकर उत्साह है। यह कॉन्सर्ट कान्ये के करियर का भारत में पहला शो होगा। कान्ये वेस्ट का यह कॉन्सर्ट 29 मार्च को राजधानी दिल्ली में आयोजित किया जाएगा। आयोजन के तौर पर जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम को चुना गया है। यह शो तकनीक, विजुअल्स और साउंड के स्तर पर भारत के सबसे भव्य कॉन्सर्ट्स में से एक होगा। कान्ये वेस्ट का म्यूजिक करियर हमेशा से एक्सपेरिमेंट और बदलावों से भरा रहा है। उन्होंने हिप-हॉप को पारंपरिक 'गैंगस्टर रैप' से बाहर निकालकर एक नई पहचान दी। अटलांटा में जन्मे और शिकागो में पले-बढ़े कान्ये ने कॉलेज की पढ़ाई बीच में छोड़कर म्यूजिक को करियर चुना।

शुरुआती दौर में उन्होंने बतौर म्यूजिक प्रोड्यूसर काम किया और मशहूर रैपर जे-जेड के लेबल रॉक-ए-फेला रिकॉर्ड्स से जुड़े। यहीं से उनकी 'चिपमंक सोल' प्रोडक्शन स्टाइल को पहचान मिली। रिकॉर्डिंग आर्टिस्ट के तौर पर कान्ये का डेब्यू एल्बम 'द कॉलेज ड्रॉपआउट' बेहद सफल रहा और इसे आलोचकों से भी खूब सराहना मिली। इसके बाद उनका दूसरा

एल्बम 'लेट रजिस्ट्रेशन' आया, जिसने उन्हें और ऊंचाइयों पर पहुंचा दिया। उन्होंने करियर में 'स्लो जैम्ज', 'गोल्ड डिगर', 'स्ट्रॉन्गर' और 'ई.टी.' जैसे कई चार्टबस्टर गाने दिए। वह तीन अलग-अलग दशकों में बिलबोर्ड हॉट 100 चार्ट पर टॉप करने वाले पहले रैपर भी बने। कान्ये वेस्ट का नाम दुनिया के सबसे ज्यादा रिकॉर्ड बेचने वाले म्यूजिक आर्टिस्ट्स में शामिल है। अब तक उनके लगभग 160 मिलियन रिकॉर्ड्स बिक चुके हैं। वह 24 ग्रैमी अवॉर्ड जीत चुके हैं और सबसे ज्यादा सम्मान पाने वाले कलाकारों में 13वें स्थान पर हैं।

उन्हें टाइम मैगजीन ने दुनिया के 100 सबसे प्रभावशाली लोगों की सूची में शामिल किया है। रोलिंग स्टोन ने उनके छह एल्बम्स को '500 ग्रेटेस्ट एल्बम्स ऑफ ऑल टाइम' में जगह दी और उन्हें '100 ग्रेटेस्ट सॉन्गराइटर्स ऑफ ऑल टाइम' में भी शामिल किया।

कार्तिक आर्यन की फिल्म में To&ic की एक्ट्रेस बनेगी हीरोइन?

रुक्मिणी वसंत से हो रही बातचीत

कार्तिक आर्यन इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'नागजिला' की शूटिंग में बिजी हैं. इसके अलावा, कार्तिक आर्यन के पास अगला प्रोजेक्ट भी है, जिसमें वो निखिल नागेश भट्ट की फिल्म में नजर आ सकते हैं. कार्तिक आर्यन और निखिल नागेश भट्ट की फिल्म पर एक अहम अपडेट मिला है.

कार्तिक आर्यन दिसंबर 2025 में 'तू मेरी मैं तेरा मैं तेरा तू मेरी' फिल्म लेकर आए थे, जिसमें उनके साथ अनन्या पांडे नजर आई थीं. फिल्म ने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर सिर्फ 30.90 करोड़ रुपये की कमाई की और फ्लॉप रही. इ, फिल्म के फ्लॉप होने के बाद कार्तिक आर्यन अपनी नई फिल्मों पर जुट गए हैं. कार्तिक के खाते में चार ऐसी फिल्में हैं, जिनके जरिए वो 2026 और 2027 में बॉक्स ऑफिस पर धमाका कर सकते हैं. इन्हीं में से एक है 'किल' के डायरेक्टर संग कार्तिक आर्यन की अपकमिंग फिल्म. काफी वक्त से इस फिल्म की चर्चा है. करण जौहर की 'तू मेरी मैं तेरा मैं तेरा तू मेरी' के बाद कार्तिक आर्यन अपने अपकमिंग प्रोजेक्ट्स में बिजी हैं. हाल ही में खबर आई थी कि कार्तिक आर्यन जल्द ही साल 2023 की हिट फिल्म 'किल' के डायरेक्टर निखिल नागेश भट्ट की अगली फिल्म में नजर आ सकते हैं.

किरदार अवनी से मिली नई ताकत: शनाया कपूर

फिल्मी दुनिया में किसी भी कलाकार के लिए खुद को साबित करना और आलोचनाओं से जूझना आसान नहीं होता। ऐसा ही अनुभव अभिनेत्री शनाया कपूर ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए साझा किया। इस पोस्ट में उन्होंने नई फिल्म 'तू या मैं' और अपने किरदार 'अवनी' को लेकर दिल की बातें रखीं। इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए शनाया कपूर ने कहा, '''तू या मैं' मेरे जीवन में उस वक्त आई, जब मैं खुद को लेकर पूरी तरह आश्वस्त नहीं थी। मेरे अंदर आत्मविश्वास की कमी थी और मैं खुद से सवाल करती रहती थी। ऐसे समय में इस फिल्म और इस किरदार का मिलना मेरे लिए किसी सहारे से कम नहीं था। इस फिल्म ने मुझे सिर्फ एक भूमिका नहीं दी, बल्कि खुद पर भरोसा करना भी सिखाया।'' अपने किरदार के बारे में शनाया ने कहा, ''अवनी ने मुझे बहुत कुछ सिखाया। फिल्म में अवनी एक ऐसी लड़की है, जो मुश्किल हालात में भी हार नहीं मानती और जानलेवा परिस्थितियों का सामना करती है। अवनी मगरमच्छों से लड़ती है। अवनी के इसी अंदाज ने मुझे डर से लड़ना सिखाया। इस किरदार ने मुझे निडर और आत्मनिर्भर बनने की प्रेरणा दी। मैं अभी भी अवनी के मजबूत व्यक्तित्व तक पहुंचने की कोशिश कर रही हूं। यह सफर मेरे लिए बेहद खास है. अपनी पोस्ट में शनाया ने दर्शकों के प्रति आभार जताया। उन्होंने कहा, ''करियर की शुरुआत में ही दर्शकों से इतना प्यार मिलना मेरे लिए बहुत बड़ी बात है। लोगों की तारीफ, प्रतिक्रियाएं और समीक्षाएं मुझे भावुक कर देती हैं। मैं दर्शकों का धन्यवाद करती हूं कि उन्होंने मुझे अवनी के रूप में अपनाया। यह मेरे लिए किसी सपने के सच होने जैसा है।

वैन तालाब में गिरी, मासूम समेत चार की मौत

एजेंसी

कानपुर : जनपद के शिवली थानाक्षेत्र में शुक्रवार देर शाम तेरहवीं से लौट रही बेकाबू वैन तालाब में पलट गई। कार में सवार एक ही परिवार के 4 लोगों की पानी में डूबकर मौत हो गई। मरने वालों में बुजुर्ग पति-पत्नी, बेटी और दो साल का नाती शामिल हैं। औरैया में रहने वाले राजकिशोर अपने परिवार से साथ कानपुर ले कल्यानपुर थानाक्षेत्र में अपने रिश्तेदार के घर तेरहवीं कार्यक्रम में शामिल होने आये थे। कार्यक्रम होने के बाद देर शाम वापस औरैया निकल रहे थे। अभी उनकी वैन जिसमें उनको लगाकर 11 लोग सवार थे। वापसी के दौरान उनकी वैन शिवली थानाक्षेत्र के बैरी सवाई में अनियंत्रित होकर एक तालाब में गिर गई और पानी मे डूबने लगी। वहां से निकल रहे ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने गोताखोरों और ग्रामीणों की मदद से लोगों को तालाब से बाहर निकाला।सभी को तत्काल सीएचसी भेजा, जहां डॉक्टरों ने राजकिशोर, उनकी पत्नी स्नेहलता अग्निहोत्री (55), बेटी हिमांशु अग्निहोत्री (30) पत्नी अंकुर अग्निहोत्री, दो वर्षीय नाती शिव अग्निहोत्री को मृत घोषित कर दिया। अन्य घायलों कृतिका अग्निहोत्री (30), सुधा वाजपेयी (45), वाणी अग्निहोत्री (3), कान्हा (4) और सुधांशु अग्निहोत्री (24) को प्राथमिक उपचार के बाद कानपुर के हैलट अस्पताल रेफर किया गया है।

जनपद की पुलिस अधीक्षक श्रद्धा नरेंद्र पांडे ने बताया कि शिवली पुलिस को एक वैन के डूबने की सूचना मिली , पुलिस ने तत्काल उसमे फंसे अभी लोगों को बाहर निकलवा कर इलाज के लिए अस्पताल भिजवाया। जहां चार लोगों के मौत की डॉक्टर ने पुष्टि की है। अन्य लोगों का इलाज जारी है।

हाईवे पर भीषण हादसा: अहमदाबाद के एक ही परिवार के 4 लोगों की मौत

अहमदाबाद : उत्तर गुजरात में सड़क हादसों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। शनिवार तड़के उंझा-मेहसाणा हाईवे पर उनावा गांव के पास होटल कॉमफी के सामने एक सड़क दुर्घटना में अहमदाबाद के एक ही परिवार के चार सदस्यों की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार कुमावत परिवार राजस्थान में एक विवाह समारोह में शामिल होकर इको कार से अहमदाबाद लौट रहा था। इसी दौरान उनावा के पास चालक का वाहन से नियंत्रण हट गया और कार तेज रफ्तार में डिवाइडर से जा टकराई।

टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। इस हादसे में दो पुरुष, एक महिला और एक मासूम बच्चे सहित कुल चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों की पहचान रामलाल लखाजी कुमावत, कोमल मदनलाल कुमावत, कैलाशभाई रामलाल कुमावत और एक बच्चे के रूप में हुई है। वहीं, कार चालक गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के अनुसार घटना की सूचना मिलते ही उनावा पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजकर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। हादसे के कारण हाईवे पर कुछ समय के लिए यातायात प्रभावित रहा।

कर्नाटक में ट्रैक्टर पलटने से महाराष्ट्र के दो वर्षीय बच्चे समेत 4 की मौत

बागलकोट : कर्नाटक राज्य के बागलकोट जिले के जमखंडी तालुका स्थित कट्टे केरे के समीप शनिवार तड़के भीषण हादसे में दो वर्षीय मासूम सहित 4 लोगों की मौत हो गई। इस दुर्घटना में 8 अन्य लोग घायल हो गए हैं, जिन्हें नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।
जानकारी के अनुसार गन्ना कटाई कार्य के लिए मजदूरों को लेकर जा रही ट्रैक्टर-ट्रॉली अचानक अलग होकर पलट गई, जिससे यह हादसा हुआ। दुर्घटना रात लगभग 2 बजे के आसपास हुई बताई जा रही है।
मृतकों की पहचान मनीष पांडे (23), हलकी पांडे (2), लक्ष्मी चिरमडी (27) और रेखा भूके के रूप में हुई है। सभी मृतक महाराष्ट्र के यवतमाल जिला के बुसा तालुका अंतर्गत गुपवाड़ी गांव के निवासी थे। वे गन्ना कटाई कार्य के सिलसिले में जमखंडी क्षेत्र में आए थे।

घटना की सूचना मिलते ही जमखंडी पुलिस मौके पर पहुंची और निरीक्षण किया। पुलिस ने मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

मप्रः मुख्यमंत्री डॉ. यादव आज दतिया को देंगे 532 करोड़ रुपए के विकास की सौगातें

– सिंध नदी पर नव निर्मित सेतु का करेंगे लोकार्पण

एजेंसी

भोपाल : मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज शनिवार को दतिया जिले की तहसील सेवढ़ा में आयोजित कार्यक्रम में 532 करोड़ रुपये के विकास कार्यों की सौगात देंगे। जनसंपर्क अधिकारी निहारिका मीना ने बताया कि इन विकास कार्यों में मुख्य रूप से सिंध नदी पर नव निर्मित सेतु का लोकार्पण शामिल हैं। साथ ही सांदीपनि शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, बसई सहित अन्य विकास कार्यों का लोकार्पण भी होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सनकुआ धाम के समीप स्थित द्वारिकाधीश मंदिर में पूजन-अर्चन भी करेंगे। उन्होंने बताया कि कृषि उपज मंडी प्रांगण

सेवढ़ा में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव 299.32 करोड़ रुपये की लागत से पूर्ण हुए 53 विकास कार्यों का लोकार्पण और 233.24 करोड़ रुपये की लागत के 21 कार्यों का भूमिपूजन एवं शिलान्यास करेंगे। साथ ही विभिन्न शासकीय योजनाओं में हितग्राहियों को हितलाभ वितरित करेंगे।

पश्चिम बंगाल में बदलने लगा मौसम का मिजाज, अगले हफ्ते हल्की बारिश के आसार

कोलकाता : पश्चिम बंगाल में इन दिनों मौसम का मिजाज दो अलग-अलग रूप दिखा रहा है। सुबह का तापमान 20 डिग्री सेल्सियस से नीचे दर्ज किया जा रहा है, जबकि रात में पारा 30 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच रहा है। इस उतार-चढ़ाव ने आम लोगों की दिनचर्या प्रभावित कर दी है। मौसम विभाग के अनुसार मार्च से तापमान में और बढ़ोतरी की आशंका है।
इधर, बंगाल की खाड़ी में बने निम्न दबाव के प्रभाव से 23 और 24 फरवरी (सोमवार और मंगलवार) को पूर्व मेदिनीपुर के ओडिशा सीमावर्ती क्षेत्रों और झाड़ग्राम के कुछ हिस्सों में हल्की बारिश हो सकती है। ओडिशा और उससे सटे तटीय जिलों में वर्षा की संभावना अपोकृत अधिक बताई गई है। दक्षिण बंगाल के कई जिलों में इन दिनों आसमान आंशिक रूप से मेघाच्छन्न रहने के आसार हैं।
मौसम पूवार्नुमान के मुताबिक, दक्षिण बंगाल के जिलों में अगले दो से तीन दिनों में तापमान में लगभग तीन डिग्री सेल्सियस तक वृद्धि हो सकती है।

ट्रंप ने 10 फीसदी वैश्विक टैरिफ संबंधी कार्यकारी आदेश पर किए हस्ताक्षर

एजेंसी

वाशिंगटन : अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 10 प्रतिशत वैश्विक टैरिफ का आदेश जारी किया है जो तुरंत लागू होगा। मौजूदा अमेरिकी टैरिफ के अतिरिक्त लगाया गया यह शुल्क भारत सहित सभी देशों को प्रभावित करेगा। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट की तरफ से हालिया दिनों में लगाए गए टैरिफ को असंवैधानिक ठहराए जाने के बाद 21 फरवरी को राष्ट्रपति ट्रंप ने सभी देशों पर 10 फीसदी वैश्विक टैरिफ लगाने संबंधी आदेश जारी किया है।व्हाइट हाउस ने ट्रुथ सोशल पर जारी की गई ट्रंप की पोस्ट को

साझा किया है जिसमें बताया गया है कि राष्ट्रपति ने सभी देशों पर 10 प्रतिशत का वैश्विक टैरिफ लगाने संबंधी कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर कर दिया है और यह टैरिफ तुरंत प्रभाव से लागू होगा। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने एक दिन पूर्व ट्रंप की टैरिफ नीतियों को असंवैधानिक करार दिया।ट्रंप ने इसे निराशाजनक बताते हुए कहा कि सुप्रीम कोर्ट में उनकी दलीलों को सही तरह से नहीं सुना गया। ट्रंप ने कहा कि उन्हें ऐसे निर्णय की उम्मीद नहीं थी।

राजस्थान में बढ़ने लगी गर्मी, दिन में तेज धूप से सर्दी कमजोर

एजेंसी

जयपुर : राजस्थान में तापमान में लगातार बढ़ोतरी के साथ ही सर्दी अब कमजोर पड़ने लगी है। मौसम विज्ञान केंद्र जयपुर के अनुसार राज्य में अगले एक सप्ताह तक मौसम साफ रहने की संभावना है। साफ आसमान और तेज धूप के कारण दिन के तापमान में और बढ़ोतरी होगी, जिससे दिन में हल्की गर्मी का अहसास होगा। शुक्रवार को प्रदेश के छह शहरों में अधिकतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस या उससे अधिक मापा गया। वहीं न्यूनतम तापमान 11 से 17 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा। आसमान साफ रहने से अधिकांश जिलों में अच्छी धूप खिली रही और लोगों को सर्दी से राहत मिली।

पिछले 24 घंटों के दौरान पश्चिमी राजस्थान के बाड़मेर और जालोर क्षेत्र में तेज धूप के कारण अधिकतम तापमान में करीब दो

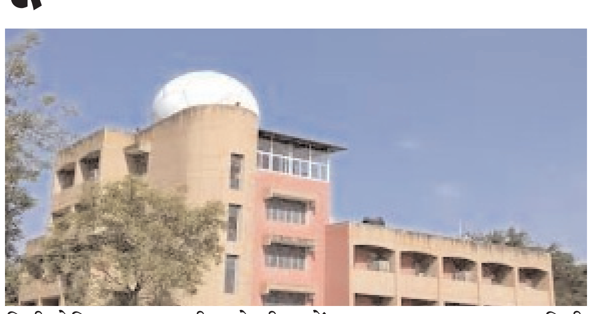

डिग्री सेल्सियस तक की बढ़ोतरी हुई। शुक्रवार को प्रदेश में सबसे अधिक तापमान 33.4 डिग्री सेल्सियस बाड़मेर में रिकॉर्ड हुआ। इसके अलावा जोधपुर में 31, फलोदी में 31.4, जैसलमेर में 30.3, पाली में 30.1 और जालोर में 31.2 डिग्री सेल्सियस अधिकतम तापमान मापा गया। इन शहरों में तापमान सामान्य से थोड़ा ऊपर रहा। जयपुर में अधिकतम तापमान 28 डिग्री सेल्सियस रहा।

प्रदेश के सभी शहरों में न्यूनतम तापमान 11 से 18 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा। बाड़मेर में न्यूनतम तापमान 17.3 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सबसे अधिक था। बीकानेर में 17.2, फलोदी में 17, जालोर में 15.3, सिरोही में 15.4, जोधपुर में 16.5, जैसलमेर में 15.6, उदयपुर में 16, चित्तौड़गढ़ में 15.4 और भीलवाड़ा में 15.3 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम तापमान मापा गया।

मौसम विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में तापमान में और बढ़ोतरी हो सकती है। फिलहाल राज्य में बारिश की कोई संभावना नहीं है और मौसम शुष्क बना रहेगा।

अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस पर ममता बनर्जी का संदेश, सभी भाषाओं को समान सम्मान देने का संकल्प

कोलकाता : अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के अवसर पर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शनिवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक भावनात्मक संदेश साझा किया। उन्होंने दुनिया भर की सभी भाषाओं के लोगों को सम्मान अर्पित करते हुए सभी भाषा-शहीदों और भाषा आंदोलनकारियों को श्रद्धांजलि दी। ममता बनर्जी ने अपने संदेश में कहा कि वे केवल रवींद्रनाथ, नजरुल, सुकांत और जीवनानंद की बंगला भाषा पर ही नहीं, बल्कि दुनिया की हर भाषा का समान रूप से सम्मान करती हैं। उन्होंने इसे गर्व की बात बताते हुए कहा कि उनके कार्यकाल में हिंदी, संथाली, कुरुख, कुड़माली, नेपाली, उर्दू, राजबंशी, कामतापुरी, पंजाबी और तेलुगु जैसी भाषाओं को सरकारी मान्यता दी गई है। साथ ही सादरी भाषा के विकास के लिए भी प्रयास किए गए हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि हिंदी अकादमी, राजबंशी भाषा अकादमी, कामतापुरी भाषा अकादमी और संथाली अकादमी की स्थापना की गई है। उन्होंने यह भी सुनिश्चित करने की बात कही कि राज्य का प्रत्येक भाषाभाषी व्यक्ति अपनी मातृभाषा में शिक्षा प्राप्त कर सके। अपने संदेश के अंत में ममता बनर्जी ने एक बार फिर संकल्प दोहराया कि किसी भी भाषा पर यदि हमला होता है, तो सभी मिलकर उसके खिलाफ खड़े होंगे।

आईजीआरएस की समीक्षा में सख्ती, लापरवाही पर अधिकारियों का वेतन रोकने के निर्देश

एजेंसी

जौनपुर : यूपी के जौनपुर में जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र सिंह ने शुक्रवार रात कलेक्ट्रेट सभागार में आईजीआरएस पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों के निस्तारण की समीक्षा करते हुए लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों पर कड़ा रुख अपनाया। बैठक के दौरान उन्होंने स्पष्ट किया कि जन शिकायतों के निस्तारण में किसी प्रकार की शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी।समीक्षा में पाया गया कि कुछ अधिकारियों ने शिकायतों की समुचित जांच किए बिना और शिकायतकताओं से संपर्क स्थापित किए बिना ही प्रकरणों का निस्तारण कर उन्हें ह्यस्पेशल क्लोजह्व कर दिया। इस पर जिलाधिकारी ने कड़ी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने उपजिलाधिकारी सदर, उपनिदेशक कृषि, अधिशासी अभियंता विद्युत, समस्त तहसीलदारों सहित संबंधित अधिकारियों का चालू माह का वेतन रोकने के निर्देश जारी किए।जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि आईजीआरएस पोर्टल पर प्राप्त प्रत्येक शिकायत का गुणवत्तापूर्ण, तथ्यपरक और समयबद्ध निस्तारण

सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि शिकायतकर्ता से आवश्यकतानुसार संपर्क कर वास्तविक स्थिति का सत्यापन करने के बाद ही रिपोर्ट पोर्टल पर अपलोड की जाए।उन्होंने चेतावनी दी कि बिना समुचित परीक्षण के शिकायतों का निस्तारण करना शासन की मंशा के विपरीत है। भविष्य में ऐसी लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारी या कर्मचारी के विरुद्ध उत्तरदायित्व तय कर कठोर कार्रवाई की जाएगी।बैठक में मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खाड़िया, अपर जिलाधिकारी (वि./रा.) परमानंद झा सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। जिलाधिकारी ने कहा कि जनसमस्याओं का त्वरित एवं संतोषजनक समाधान प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है और सभी अधिकारी पारदर्शिता एवं जवाबदेही के साथ कार्य करें।

हिमाचल ने केंद्र को भेजा 1,200 किमी सड़कों के निर्माण का प्रस्ताव

एजेंसी

शिमला : हिमाचल प्रदेश सरकार ने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना चरण-4 के दूसरे चरण में करीब 1,200 किलोमीटर अतिरिक्त ग्रामीण सड़कों का प्रस्ताव केंद्र सरकार को भेजा है। लोक निर्माण विभाग इन परियोजनाओं के विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन (डीपीआर) तैयार कर रहा है और राज्य को जल्द स्वीकृति मिलने की उम्मीद है। इसी सिलसिले में प्रदेश के लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने नई दिल्ली में केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान से मुलाकात कर राज्य में चल रही और स्वीकृत सड़क परियोजनाओं की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की।

बैठक में शिमला जिले के दुर्गम और ऊंचाई वाले डोडरा क्वार क्षेत्र की

सड़क परियोजनाएं प्रमुख रूप से उठाई गईं। मंत्री ने बताया कि पीएमजीएसवाई चरण-1 के तहत स्वीकृत डोडरा क्वार सड़क का कुछ हिस्सा कठिन भौगोलिक परिस्थितियों, दुर्गम भू-सतह, खराब मौसम और सीमित कार्य अवधि के कारण अभी तक पूरा नहीं हो सका है। उन्होंने कहा कि यह मार्ग स्थानीय ग्रामीण आबादी, सीमावर्ती क्षेत्रों में आपदा प्रबंधन, स्वास्थ्य आपातकालीन सेवाओं और जरूरी वस्तुओं की आपूर्ति के लिए बेहद अहम है। इसलिए डोडरा क्वार के लंबित सड़क पैकेजों और चरण-1 के शेष कार्यों के लिए विशेष छूट, अतिरिक्त वित्तीय सहयोग और तकनीकी सहायता देने का अनुरोध किया गया है, ताकि क्षेत्र को जल्द सर्व-मौसम सड़क सुविधा मिल सके। बैठक में यह भी जानकारी दी गई कि हिमाचल प्रदेश को पीएमजीएसवाई-क्ष के तहत करीब 1,500 किलोमीटर ग्रामीण सड़कों की मंजूरी पहले ही मिल चुकी है, जिनकी अनुमानित लागत लगभग 2,300 करोड़ रुपये है।

लोक निर्माण मंत्री ने जनप्रतिनिधियों, पंचायत प्रतिनिधियों और भूमि मालिकों से अपील की कि वे अधिक से अधिक गिफ्ट डीड उपलब्ध कराकर विभाग का सहयोग करें, ताकि सड़क निर्माण के लिए आवश्यक भूमि समय पर मिल सके और अधिक से अधिक अनकवर्ड बस्तियों को सड़क नेटवर्क से जोड़ा जा सके।

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने हिमाचल की जरूरतों के प्रति संवेदनशीलता जताते हुए आश्वस्त किया कि डोडरा क्वार के लंबित पैकेजों, पीएमजीएसवाई-क के अवशिष्ट कार्यों और जरूरी वित्तीय मंजूरियों के मुद्दे को वित्त मंत्रालय समेत संबंधित स्तरों पर प्राथमिकता से उठाया जाएगा और सकारात्मक परिणाम जल्द लाने का प्रयास होगा।

न्यूज IN ब्रीफ

भारतीय जनता युवा मोर्चा आज प्रदेश भर में करेगा कांग्रेस कार्यालयों का घेराव

भोपाल : भारतीय जनता युवा मोर्चा आज, शनिवार को दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित एआई इम्पैक्ट समिट के दौरान कांग्रेस कार्यकताओं के अर्धनग्न प्रदर्शन के खिलाफ भोपाल सहित प्रदेश भर के प्रमुख जिलों में स्थित कांग्रेस कार्यालयों का घेराव कर आक्रामक प्रदर्शन करेगा। भोपाल संभाग के अंतर्गत शनिवार को दोपहर 2 बजे प्रदेश कांग्रेस कार्यालय, शिवाजी चौराहा के पास भोपाल ग्रामीण, सीहोर, विदिशा, राजगढ़, रायसेन एवं नर्मदापुरम जिलों के कार्यकर्ता एकत्र होकर प्रदर्शन करेंगे। इसके साथ ही युवा मोर्चा के नेतृत्व में ग्वालियर, मुरैना, सागर, इंदौर, खंडवा, उज्जैन, मंदसौर, रीवा, शहडोल, जबलपुर और छिंदवाड़ा जिलों में कांग्रेस कार्यालयों का घेराव कर विरोध प्रदर्शन किया जाएगा।

भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष श्याम टेलर ने बताया कि आज पूरा विश्व भारत की तकनीकी क्षमता और कृत्रिम बुद्धिमत्ता एआई में नेतृत्व की सराहना कर रहा था, तब राहुल गांधी के इशारे पर कांग्रेस कार्यकताओं ने अपनी घटिया कार्यशैली का परिचय देते हुए भारत मंडपम में आयोजित एआई इम्पैक्ट समिट के स्थल के अंदर अर्धनग्न प्रदर्शन कर भारत की छवि धुमिल करने का प्रयास किया है। इस प्रकार के प्रदर्शन से पूरे राष्ट्र का सिर शर्म से झुका है, जिसके विरोध में शनिवार को प्रदेश भर में भारतीय जनता युवा मोर्चा द्वारा कांग्रेस कार्यालयों का घेराव कर राहुल गांधी एवं कांग्रेस के विरोध में आक्रामक प्रदर्शन किया जायेगा।

सिमराही में मद्यनिषेध पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 45 कार्टन देशी शराब के साथ दो गिरफ्तार

सुपौल : जिले के सिमराही क्षेत्र में मद्यनिषेध थाना पुलिस ने अवैध शराब कारोबार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 45 कार्टन में कुल 1350 बोतल देशी शराब बरामद की है। इस दौरान पुलिस ने एक कार को भी जब्त किया, जिसका इस्तेमाल शराब की तस्करी में किया जा रहा था। गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने वाहन जांच अभियान चलाया। जांच के दौरान संदिग्ध कार को रोका गया, जिसमें तलाशी लेने पर भारी मात्रा में देशी शराब लदी मिली। मौके पर ही दो शराब कारोबारियों को गिरफ्तार कर लिया गया।

गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि शराब की खेप कहां से लाई जा रही थी और किस इलाके में सप्लाई की जानी थी। मद्यनिषेध थाना पुलिस ने बताया कि बिहार में पूर्ण शराबबंदी कानून के तहत अवैध शराब के कारोबार में संलिप्त लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। बरामद शराब, वाहन एवं गिरफ्तार आरोपियों को न्यायिक प्रक्रिया के तहत अग्रिम कार्रवाई के लिए प्रस्तुत किया जा रहा है। जिले में लगातार हो रही कार्रवाई से अवैध शराब कारोबारियों में हड़कंप मचा हुआ है।

पुलिस कॉन्स्टेबल ने सर्विस पिस्टल से खुद को मारी गोली , मौत

बागपत : उत्तर प्रदेश के बागपत जिले में दिल्ली पुलिस के एक कॉन्स्टेबल ने खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराया है, पुलिस ने मौके से सर्विस पिस्टल बरामद की है और मामले की जांच चल रही है। मृतक दिल्ली पुलिस कांस्टेबल का नाम पीयूष है जो बागपत जनपद के आजमपुर मूलसम गांव का रहने वाला है। पीयूष को उसके पिता की मृत्यु उपरांत वर्ष 2018-19 में अनुकंपा नियुक्ति कोटे से भर्ती कराया गया था। पीयूष का बड़ा भाई विदेश में नौकरी करता है। पीयूष की अभी तक शादी भी नहीं हुई थी। जानकारी के अनुसार पियूष शुक्रवार शाम को गांव गया था। देर शाम को उसने घर पर अपनी सर्विस पिस्टल से खुद को गोली मार ली। पीयूष को गंभीर हालत में बड़ोत के एक प्राइवेट अस्पताल में परिजनों द्वारा भर्ती कराया गया था जहां से उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। देर शाम उसकी मौत हो गई । दोघट थाना पुलिस ने घटनास्थल से पीयूष की सर्विस पिस्टल बरामद की है और मामले की जांच चल रही है। दोघट थाना प्रभारी सूर्यदीप सिंह का कहना है कि पीयूष शराब का आदी हो गया था। परिजन उसको समझाते थे लेकिन वह मान नही रहा था। जानकारी में सामने आया है कि शुक्रवार को भी उसने शराब पी और नशे में खुद को गोली मार ली। शव का पोस्टमार्टम कराया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर मामले में विधिक कार्रवाई की जाएगी। घटना स्थल से पिस्टल भी बरामद कर लिया गया है जिसको फोरेंसिक जांच के लिए भेजा है।

नयाग्राम अस्पताल में अंग विकृत मरीजों के लिए विशेष ऑपरेशन

झाड़ग्राम : समाज के मुख्यधारा में अंग विकृत लोगों को पुनः शामिल करने के लिए नयाग्राम सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल ने विशेष ऑपरेशन अभियान की शुरूआत की है। इस पहल का नेतृत्व अस्पताल के वरिष्ठ चिकित्सक देवाशीष महात कर रहे हैं। जानकारी के अनुसार, कई मरीजों के हाथ या पैर प्रभावित हैं, जिससे वे सामाजिक जीवन में पीछे रह जाते हैं। अधिकांश मरीज कुष्ठ रोग से पीड़ित रहे हैं, जिसके कारण उनके अंगों में विकृति आ गई है। हालांकि शारीरिक रूप से वे स्वस्थ हैं, लेकिन अंगों की विकृति उन्हें समाज में पिछड़ने के लिए बाध्य करती है। शुक्रवार को 13 ऐसे मरीजों के लिए रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी की व्यवस्था की गई। इस ऑपरेशन में 10 विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम ने हिस्सा लिया, जिनका नेतृत्व आर. एन. भट्टाचार्य कर रहे थे। ऑपरेशन के बाद मरीज लगभग एक महीने अस्पताल में रहकर पूरी तरह उपचार प्राप्त करेंगे। शुक्रवार देर शाम अस्पताल प्रशासन ने यह भी जानकारी दी है कि सफल ऑपरेशन के बाद मरीजों को रोजगार शुरू करने के लिए 12,000 रुपये प्रदान किए जाएंगे। यह पहल राज्य सरकार के सहयोग से समाज में अंग विकृत लोगों को मुख्यधारा में लाने का एक महत्वपूर्ण प्रयास है।

मुख्यमंत्री के आदेश की अनदेखी, खीरपाई में सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा

मेदिनीपुर : पश्चिम मेदिनीपुर के खीरपाई नगरपालिका क्षेत्र में सरकारी जमीन पर अवैध कब्जे का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। केठियाखाल इलाके में राज्य सड़क किनारे स्थित सरकारी भूमि को कथित तौर पर एक निर्माण सामग्री व्यवसायी ने चारदीवारी बनाकर घेर लिया। स्थानीय छोटे व्यापारियों और आम लोगों में प्रशासन के खिलाफ गहरा रोष व्याप्त है। विरोध स्वरूप लघु व्यवसायी समिति ने विभिन्न स्थानों पर पोस्टर लगाकर नगर पालिका प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए। पोस्टरों में सवाल उठाया गया है कि सरकारी जमीन पर यह अवैध कब्जा किसके संरक्षण में हो रहा है और इसके लिए कितनी धनराशि का लेनदेन हुआ।

न्यूज IN ब्रीफ

इटखोरी महोत्सव में शान से फहराया तिरंगा

इटखोरी : झारखंड के प्रमुख पर्यटन स्थल के रूप में पहचाने जाने वाला इटखोरी महोत्सव में तिरंगा और झंडे की शान भी खूब लहराया इसे देख सबों का मन हर्षित हो आया कार्यक्रम के अनुपम प्रस्तुति और अतिथियों का भाव स्वागत जहां एक और आकर्षण के केंद्र रहे हैं वहीं पर्यटन के द्वारा मनमोहक स्थल का जायजा और परिभ्रमण भी काफी आनंदित से परिपूर्ण रहा इटखोरी महोत्सव में पर्यटन विभाग के द्वारा आकर्षक वातावरण और जन भावना के अनुरूप सुविधा अपने आप में आलोकित है।

आदर्श आचार संहिता उल्लंघन पर होगी सख्त कार्रवाई

देवघर : जिला निर्वाचन पदाधिकारी (नगरपालिका) सह उपायुक्त नमन प्रियेश लकड़ा ने जानकारी दी गई है कि नगरपालिका आम चुनाव, 2026 को लेकर कल शनिवार 21 फरवरी शाम 5 बजे से ह्यसाइलेंस पीरियडह्ण शुरू हो जाएगी, जिसके साथ ही चुनाव प्रचार-प्रसार पर पूर्णतः रोक लग जाएगी। इसके बाद न तो कोई चुनावी सभा होगी न ही जुलूस निकाले जा सकेंगे। आगे जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त ने जानकारी दी कि इस अवधि में अखबार, निजी एफएम चैनलों सहित सभी टीवी चैनलों, रेडियो एवं केबल नेटवर्क पर प्रसारित होने वाले राजनीतिक अथवा निर्वाचन प्रकृति के विज्ञापन संबंधित समिति की पूर्व अनुमति के पश्चात ही प्रसारित किए जा सकेंगे। प्रस्तावित विज्ञापन के आवेदन में विज्ञापन की प्रस्तुति लागत, प्रसारण की संख्या, प्रत्येक प्रसारण की दर एवं अनुमानित व्यय का विस्तृत विवरण देना अनिवार्य होगा। वही मतदान 23 फरवरी को सुबह 7 बजे से शाम 5 बजे तक होगी। उसके बाद 27.02.2026 को मतगणना की तारीख सुनिश्चित की गई है।

विश्वविद्यालय ने जारी किया परीक्षा कार्यक्रम

दुमका : सिदो कान्हु मुर्मू विवि, दुमका द्वारा शुक्रवार को कुल तीन परीक्षाओं का परीक्षा कार्यक्रम जारी किया गया है। इन परीक्षाओं में बिलिस सेमेस्टरझ्1 (सत्र 2025झ्26), बीबीए एवं बीसीए सेमेस्टरझ्4 (सत्र 2023झ्26) तथा बीबीए एवं बीसीए सेमेस्टरझ्1 (सत्र 2025झ्28) शामिल हैं। जारी कार्यक्रम के अनुसार, बिलिस सेमेस्टरझ्1 (सत्र 2025झ्26) की परीक्षा 12 मार्च से 16 मार्च 2026 तक आयोजित होगी। वहीं बीबीए एवं बीसीए सेमेस्टरझ्4 (सत्र 2023झ्26) की परीक्षा 12 मार्च से 30 मार्च 2026 तक चलेगी। इसके अलावा बीबीए एवं बीसीए सेमेस्टरझ्1 (सत्र 2025झ्28) की परीक्षा 11 मार्च से 25 मार्च 2026 तक आयोजित की जाएगी।

ऑनलाइन परीक्षा फॉर्म भरने की तिथि घोषित

दुमका : सिदो-कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय, दुमका द्वारा बीबीए एवं बीसीए सेमेस्टरझ्6 (सत्र 2022-25) परीक्षा 2025 हेतु ऑनलाइन परीक्षा फॉर्म भरने की तिथियों की घोषणा कर दी गई है। विश्वविद्यालय की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार, बीबीए एवं बीसीए सेमेस्टरझ्6 के छात्रझ्छात्राएं दिनांक 24 फरवरी से 2 मार्च 2026 तक बिना किसी विलंब शुल्क के ऑनलाइन परीक्षा फॉर्म भर सकते हैं। इसके बाद 3 मार्च से 5 मार्च 2026 तक ₹200/- विलंब शुल्क के साथ तथा 6 मार्च से 8 मार्च 2026 तक ₹500/- विलंब शुल्क के साथ परीक्षा फॉर्म भरने की सुविधा उपलब्ध रहेगी। सभी विद्यार्थी विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट ६६६.२ॅ४ू.ल्ल के माध्यम से ऑनलाइन परीक्षा फॉर्म भरेंगे। ऑनलाइन भुगतान की रसीद के साथ परीक्षा फॉर्म की हार्डकॉपी अपने संबंधित महाविद्यालय अथवा विभाग में जमा करना अनिवार्य होगा।

भुइयांडीह से लापता छात्रा मामले में पुलिस को मिले अहम सुराग

जमशेदपुर : भुइयांडीह से 15 वर्षीय छात्रा के लापता होने के मामले में पुलिस को अहम सुराग हाथ लगे हैं। तकनीकी जांच और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर छात्रा की संभावित लोकेशन का पता लगाया गया है, जिसके आधार पर पुलिस की टीमों ने तलाशी अभियान तेज कर दिया है। कक्षा 7 की छात्रा 11 फरवरी को परिवार के साथ भुइयांडीह में आयोजित एक कार्यक्रम में शामिल होने गई थी। कार्यक्रम समाप्त होने के बाद वह संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई। शुक्रवार सुबह करीब 5 बजे परिजनों को उसके नहीं मिलने की जानकारी हुई, जिसके बाद आसपास खोजबीन की गई, लेकिन कोई ठोस जानकारी नहीं मिल सकी। बाद में परिजनों ने स्थानीय थाने में इसकी सूचना दी।मामले की गंभीरता को देखते हुए झारखंड पुलिस ने विशेष टीम गठित कर जांच शुरू की है। पुलिस द्वारा आसपास के इलाकों में पूछताछ के साथ-साथ सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली गई। सूत्रों के अनुसार, फुटेज में छात्रा को एक विशेष दिशा की ओर जाते देखा गया है। इसी आधार पर पुलिस ने कुछ संदिग्ध व्यक्तियों से पूछताछ भी की है। थाना प्रभारी ने बताया कि, मामले में कुछ महत्वपूर्ण सुराग मिले हैं। तकनीकी साक्ष्यों और मानवीय सूचना तंत्र के आधार पर छात्रा की तलाश जारी है। जल्द ही सकारात्मक परिणाम मिलने की उम्मीद है।

पोटका की जन वितरण दुकानदार मिकी हांसदा का लाइसेंस निलंबित

जमशेदपुर : पोटका की जन वितरण प्रणाली दुकानदार मिकी हांसदा का लाइसेंस निलंबित कर दिया गया है। उस पर खाद्यान्न वितरण में अनियमितता बरतने का आरोप है। निलंबन का आदेश प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी की अनुशंसा पर जिला आपूर्ति पदाधिकारी जुल्फीकार अंसारी ने जारी किया है। मिकी हांसदा पर आरोप है कि कार्डधारकों से बायोमेट्रिक कराने के बावजूद 135.26 क्विंटल खाद्यान्न का वितरण नहीं किया गया। इस दुकान से जुड़े सभी कार्डधारकों को तत्काल पड़ोस की पीडीएस डीलर उमा गुप्ता की दुकान से संबद्ध किया गया है। इसके अलावा मां मनसा महिला समूह ग्वालकाटा की मिकी हांसदा से संबद्धता को भी समाप्त कर दिया गया है। अब मां मनसा समूह से जुड़े कार्डधारकों को भी उमा गुप्ता से संबद्ध कर दिया गया है। हालांकि उमा गुप्ता को निर्देशित किया गया है कि उन्हें संबद्ध लाभुकों को मिकी हांसदा के वजन मशीन और ई-पॉश मशीन से ही खाद्यान्न का वितरण करना है।

17 साल पुराना विशाल ट्यूमर को डॉक्टरों ने ऑपरेशन से निकाला बाहर

डॉक्टरों को किया जाएगा सम्मानित : इरफान अंसारी

संवाददाता

रांची। झारखंड के स्वास्थ्य क्षेत्र में एक और ऐतिहासिक उपलब्धि दर्ज करते हुए सदर अस्पताल, रांची के न्यूरोसर्जरी विभाग ने अत्यंत जटिल सर्जरी को सफलतापूर्वक अंजाम दिया है। माननीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी के दूरदर्शी नेतृत्व और स्वास्थ्य सेवाओं के निरंतर सुदृढ़ीकरण के प्रयासों के बीच डॉ. विकास कुमार के नेतृत्व में विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम ने 54 वर्षीय मरीज के गर्दन-पीठ (सर्वाइको-डॉर्सल) क्षेत्र में पिछले 17 वर्षों से बढ़ रहे लगभग 5 किलोग्राम वजनी विशाल ट्यूमर को सफलतापूर्वक निकाल दिया।

मरीज लंबे समय से भारीपन, तीव्र दर्द तथा दैनिक गतिविधियों में गंभीर कठिनाइयों से जूझ रहा था। ट्यूमर का आकार इतना अधिक बढ़ चुका था कि मरीज के लिए सिर झुकाना, बैठना और सोना तक मुश्किल हो गया था। यह मामला अत्यंत जटिल श्रेणी का था। मरीज पूर्व में कई बड़े अस्पतालों में परामर्श ले चुका था, जहाँ उच्च जोखिम के कारण सर्जरी से इनकार कर दिया गया था।

अंततः मरीज ने आशा की किरण के रूप में सदर अस्पताल, रांची का रुख किया। यहाँ डॉ. विकास कुमार के नेतृत्व में सर्जिकल टीम ने चुनौती स्वीकार करते हुए उन्नत तकनीक, सूक्ष्म योजना और अत्यधिक सावधानी के साथ लंबे एवं जटिल ऑपरेशन को सफलतापूर्वक पूरा किया। सर्जरी के दौरान अत्यधिक रक्तस्राव की आशंका, महत्वपूर्ण नसों एवं मांसपेशियों की सुरक्षा तथा त्वचा पुनर्निर्माण जैसी कठिन चुनौतियों का भी टीम ने कुशलतापूर्वक सामना किया।

सर्जरी के बाद मरीज की स्थिति स्थिर है और वह तेजी से स्वस्थ हो रहा है, जो चिकित्सकीय टीम की दक्षता और समर्पण का प्रमाण है।

इस उल्लेखनीय सफलता पर माननीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने कहा ह्लसदर अस्पताल, रांची लगातार उच्च स्तरीय स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। हमारी सरकार का लक्ष्य है कि आम जनता को जटिल से जटिल उपचार भी सरकारी अस्पतालों में सुलभ हो। यह उपलब्धि पूरे राज्य के लिए गर्व की बात है और हमारे डॉक्टरों की क्षमता, प्रतिबद्धता एवं आधुनिक स्वास्थ्य ढांचे का मजबूत उदाहरण है।

मंत्री डॉ. इरफान अंसारी के नेतृत्व में झारखंड में स्वास्थ्य सेवाओं के आधुनिकीकरण, विशेषज्ञ डॉक्टरों की उपलब्धता, अत्याधुनिक उपकरणों की व्यवस्था तथा आमजन तक बेहतर इलाज पहुँचाने की दिशा में लगातार प्रभावी कदम उठाए जा रहे हैं। सदर अस्पताल की यह सफलता राज्य के सरकारी स्वास्थ्य तंत्र में बढ़ते विश्वास का प्रतीक है।

डालसा चाईबासा के सचिव पहुंचे कलइया गांव, पीड़ित परिवार से की मुलाकात

मिलेगी निशुल्क विधिक सहायता और सेवाएं, मिली आर्थिक सहायता

बिनय मिश्रा

चाईबासा : प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार पश्चिम सिंहभूम चाईबासा मौहम्मद शाकिर के निर्देश पर प्राधिकार के सचिव रवि चौधरी ने शुक्रवार को कुंआरडूगी प्रखंड क्षेत्र के कलइया गांव का दौरा किया इस दौरान उन्होंने डायन हत्या से पीड़ित परिवार के सदस्यों से मुलाकात की और घटना की विस्तृत जानकारी ली, उन्होंने परिवार को आश्वासन दिया की प्राधिकार की ओर से उन्हें विधिक सहायता प्रदान की जाएगी, उन्होंने परिवार के बच्चों को खाद्य सामग्री भी प्रदान किया।

ज्ञात हो कि विगत दिनों गांव की एक महिला को उसके बच्चे समेत डायन बिसाही बताकर हत्या कर दी गई थी, उक्त मामले में गंभीर रूप से घायल मृतिका के पति कोल्हान सिंकू का इलाज सदर अस्पताल चाईबासा में चल रहा है, जिनसे गुरुवार को झालसा रांची के निर्देश पर सचिव श्री चौधरी ने मुलाकात कर उन्हें आर्थिक सहायता प्रदान की थी।

इस मौके पर श्री चौधरी ने कहा कि डायन बिसाही के नाम पर अंधविश्वास तर्कहीन, काल्पनिक और अनुचित है, यह अत्यंत गंभीर अपराध भी है, डायन प्रथा निषेध अधिनियम 2001 में दोषियों को कड़ी सजा का प्रावधान है।

उन्होंने कहा कि अक्सर देखा जाता है कि आपसी दुश्मनी के आधार पर ऐसी घटनाओं को अंजाम दिया जा रहा है, ऐसे मामलों में अपराधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने का प्रावधान है, प्राधिकार के माध्यम से हम लोग निरंतर इस विषय पर आमजनों को सजग कर रहे है, मैं लोगों से अपील करता हूं कि वे किसी भी ऐसी अप्रिय, असत्य और आधारहीन बातों के बहकावे में ना आए और ना ही अंधविश्वास में पड़े,

उन्होंने आम लोगों से अपील कि की लोगों के बीमार पड़ने पर उन्हें चिकित्सक की आवश्यकता होती है, अतः जब बीमार पड़े तब चिकित्सक से दिखाएं , सलाह और औषधि ले, इससे निश्चित लाभ होगा, इसके अलावा अन्य कोई भी तरीके से बीमार व्यक्तियों का इलाज नहीं किया जा सकता, अतः सजग रहे सचेत रहें, सावधान रहें और अंधविश्वास से दूर रहें।

वार्ड नंबर 4 में राजू प्रसाद कसेरा ने चलाया जनसंपर्क अभियान

संवाददाता

चक्रधरपुर : चक्रधरपुर नगर निकाय चुनाव को लेकर सियासी गतिविधियां तेज होती जा रही हैं। इसी क्रम में वार्ड संख्या 4 से राजू प्रसाद कसेरा ने चुनावी मैदान में उतरें हैं। उन्होंने क्रम संख्या 2 में बेबी वॉकर चुनाव चिन्ह में वोट देने की अपील जनता से की है। वार्ड नंबर 4 में राजू प्रसाद कसेरा ने पेयजल, सड़क,नाली समेत अन्य समस्याओं को लेकर जनसंपर्क अभियान चलाया।वार्ड संख्या 15 में झुग्गी झोपड़ी (भुमिहीनों) को सरकार द्वारा आवास उपलब्ध करने के लिए प्रयास करना।उन्होंने कहा वार्ड 4 के बेराजगार लोगों को व्यवसाय (व्यापार) के लिए दुकान उपलब्ध कराने के लिए प्रयास करना है। सभी विद्यार्थियों के आवासीय/जाति/आय एवं चरित्र प्रमाण पत्रों पर तत्काल हस्ताक्षर करना। वार्ड मे रह रहे वैसे लाभुक जिनका वृद्धा, विधवा एव विकलांग पेंसन नही बन पाया है उनका जल्द से जल्द दिलाने का प्रयास करना। वार्ड 4 मे जितने भी महिला समिति है उनको सरकार से कम ब्याज पर लोन उपलब्ध कराने के लिए प्रयास करना। सभी सरकारी लाभ समय पर लाभुकों को उपलब्ध कराना। सड़क एवं नाली का निर्माण उनका मुख्य उद्देश्य रहेगा ।मालूम रहे कि राजू प्रसाद कसेरा एक समाजसेवी हैं। वे अपनी समाजसेवा के कारण काफी लोगों में लोकप्रिय भी हैं। कहा जाता है कि उनके द्वार से कोई खाली नहीं जाता। वे अक्सर दिन हीन बेसहारा लोगों की मदद करते हैं।

प्रोजेक्ट बालिका+2 विद्यालय में कला गतिविधियां आयोजित

चरपोखरी : आज स्थानीय प्रोजेक्ट बालिका+2 विद्यालय चरपोखरी के कला प्रेक्षागृह में सुरक्षित शनिवार के अंतर्गत कला गतिविधियां आयोजित किया गया। कला गतिविधि में विषय से संबंधित चित्र सृजन के साथ साथ गहरी जानकारियां दिया गया। विषय था जलवायु परिवर्तन,जल संरक्षण से संबंधित विभिन्न गतिविधियों को विद्यालय में संचालित करना। छात्राओं ने एक सामूहिक प्रयास कर चित्र सृजन व विषय के प्रसांगिकता को गहरी कलात्मकता से अपने चित्र धरातल को रंगीन बनाया। प्रभारी प्रधानाध्यापक अजय राय ने इस अवसर पर छात्राओं के बीच कला गतिविधियों को लेकर अपनी सार्थक व विचार साझा किया। संबोधन क्रम में श्री राय ने कहा जल संरक्षण जीवन बचाने के लिए बहुत जरूरी है छात्राओं का चित्र संदेश जन-जन तक पहुंचाना चाहिए। वहीं वरिष्ठ संगीत शिक्षक प्रमोद कुमार, मनोज कुमार, सुकेश कुमार ने छात्राओं द्वारा सृजित चित्र की सार्थकता को सराहा। विषय व चित्र के बीच मूर्त अमूर्त की गहरी खाका को कला में बालपन की निश्छल प्रवृत्ति को देख शिक्षकों ने प्रशंसा किया। सराहनीय चित्र सृजन में मुख्य छात्रा सोनम कुमारी, किरण कुमारी, अनुष्का कुमारी,सुरूची कुमारी के चित्रों में विषय के प्रसांगिकता साफ दिखा। संस्कृत शिक्षक सुनित त्रिपाठी चित्रों का अवलोकन करते हुए बोले यह जीवन बेहतरी के लिए बेहतर पल है, जहां चित्र सृजन के साथ समाज में व्यापक संदेश जाए। इस कला आयोजन को संयोजित किया था चित्रकार कला शिक्षक रौशन राय ने। अपने संबोधन में कहा बाल चित्र में गहरी वेदना होती है, जहां रंगों के साथ खाका गत होकर विषय संवाद के लिए प्रेरक बन पड़ता है। विद्यालयों में कला गतिविधियां विद्यालय के साथ वहां के छात्र-छात्राओं व शिक्षकों को एक खाका में या एकरूपता में बांधे रखता है। छात्राओं द्वारा सृजित चित्र में होली के आगमन का स्वागत भी दिखा।अंत में छात्राओं ने चित्र को प्रदर्शित कर एक एक समाजिक संदेश दिया कि जल संरक्षण जीवन के लिए बहुत जरूरी है।

निर्वाचन कार्य अत्यंत महत्वपूर्ण एवं संवेदनशील दायित्व है : जिला निर्वाचन पदाधिकारी

संवाददाता

दुमका : नगरपालिका (आम) निर्वाचन-2026 के तहत 23 फरवरी को होने वाले मतदान को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से जिला पंचायती राज कार्यालय, दुमका के सभागार में जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त अभिजीत सिन्हा की अध्यक्षता में शुक्रवार को मतदान पदाधिकारियों का जिला स्तरीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में उपायुक्त श्री सिन्हा ने उपस्थित मतदान पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि निर्वाचन कार्य अत्यंत महत्वपूर्ण एवं संवेदनशील दायित्व है। सभी पदाधिकारी अपने कर्तव्यों का निर्वहन पूरी सजगता, निष्पक्षता एवं जिम्मेदारी के साथ करें। उन्होंने कहा कि मतदान प्रक्रिया के प्रत्येक चरण मतदान सामग्री प्राप्ति, मॉक पोल, मतदाता पहचान सत्यापन, मतदान की गोपनीयता, सहित अन्य प्रक्रिया का अक्षरशः पालन सुनिश्चित किया जाए।

उपायुक्त श्री सिन्हा ने स्पष्ट निर्देश दिया कि किसी भी परिस्थिति में लापरवाही या त्रुटि की गुंजाइश नहीं होनी चाहिए। मतदान केंद्रों पर समय पर पहुंचना, आवश्यक प्रपत्रों को सही ढंग से भरना तथा निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों का पालन करना अनिवार्य है। उन्होंने सभी पदाधिकारियों से मतदान दिवस पर आपसी समन्वय बनाए रखते हुए शांतिपूर्ण मतदान संपन्न कराने का आह्वान किया।

प्रशिक्षण के दौरान मास्टर ट्रेनरों द्वारा मतदान प्रक्रिया की चरणबद्ध जानकारी दी गई तथा संभावित परिस्थितियों से निपटने के उपाय भी समझाया गया।

राजकीय जनजातीय हिजला मेला जीवंत उत्सव है : उपायुक्त

संवाददाता

दुमका : 13 फरवरी से 20 फरवरी 2026 तक आयोजित राजकीय जनजातीय हिजला मेला महोत्सव के समापन समारोह का आयोजन शुक्रवार को किया।

कार्यक्रम में सर्वप्रथम अतिथियों का पारंपरिक स्वागत किया गया तथा अतिथियों को पगड़ी पहनाकर सम्मानित किया गया। इसके बाद सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमे कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय जरमुंडी,कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय जामा,महिला महाविद्यालय छात्रावास संख्या 1 एवं महिला महाविद्यालय छात्रावास संख्या 2, कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय काठीकुंड, एसपी कॉलेज गिधनी होस्टल दुमका सहित अन्य द्वारा नृत्य प्रस्तुत किया गया।

समापन समारोह को संबोधित करते हुए उपायुक्त अभिजीत सिन्हा ने कहा कि यह पूरे जिले के लिए अत्यंत हर्ष और गर्व का विषय है कि हिजला मेला की लोकप्रियता दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। उन्होंने कहा कि मेले की वास्तविक सफलता इसी में निहित है कि बड़ी संख्या में लोग स्वेच्छा से इसमें भाग लेने आ रहे हैं और अपनी संस्कृति से जुड़ाव महसूस कर रहे हैं।उन्होंने कहा कि हिजला मेला केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि यह यहां की आत्मा, परंपरा और सांस्कृतिक विरासत का जीवंत उत्सव है। यह मेला हमारी लोक परंपराओं, जनजातीय कला, नृत्य और सामाजिक मूल्यों को संरक्षित रखने का माध्यम बन गया है।उपायुक्त श्री सिन्हा ने आयोजन से जुड़े सभी प्रतिनियुक्त अधिकारियों, कर्मियों, कलाकारों एवं सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आप सभी के समर्पण, परिश्रम और टीम भावना से ही यह आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हो सका है। उन्होंने कहा कि यदि आयोजन के दौरान कोई कमियां रही होंगी तो उन्हें गंभीरता से चिन्हित कर आगामी वर्षों में दूर किया जाएगा।